हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, बुधवार 15 जुलाई 2026

SHOWROOMS: CHHATTISGARH: RENAULT **BILASPUR** Ph: 8448989103. RENAULT **AMBIKAPUR** Ph: 8448989107. RENAULT **BHILAI** Ph: 7290017807. RENAULT **JAGDALPUR** Ph: 7428297117. RENAULT **KORBA** Ph: 9319184879. RENAULT **RAIPUR** Ph: 7290017983. RENAULT **RAJNANDGAON** Ph: 7428438931.

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हरियाणा बना आधुनिक रेल क्रांति का अग्रदूत

विकसित भारत विकसित हरियाणा

नायब सिंह सैनी

देश की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन का संचालन हरियाणा के जींद-सोनीपत रेलखंड पर किया जाना केवल प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। यह परियोजना विकसित भारत और ग्रीन इंडिया के संकल्प को नई मजबूती प्रदान करेगी।

भारत आज विकास के ऐसे स्वर्णिम दौर से गुजर रहा है, जहां आधुनिक तकनीक, आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। रेलवे क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा है। आज भारतीय रेल विश्वस्तरीय तकनीक, अत्याधुनिक सुविधाओं और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। इसी विकास यात्रा में हरियाणा को एक ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त हुई है। देश की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन का संचालन हरियाणा के जींद-सोनीपत रेलखंड पर किया जाना केवल प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। यह परियोजना विकसित भारत और ग्रीन इंडिया के संकल्प को नई मजबूती प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सदैव इस बात पर बल दिया है कि भारत का विकास आधुनिक तकनीक, नवाचार और आत्मनिर्भरता पर आधारित होना चाहिए। इसी सोच का परिणाम है कि आज भारत स्वदेशी तकनीक के बल पर नई-नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। जींद-सोनीपत हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना भारतीय रेलवे के इतिहास में एक परिवर्तनकारी पहल है। यह परियोजना दर्शाती है कि भारत अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि नई तकनीकों का निर्माता और विश्व को दिशा देने वाला राष्ट्र बन रहा है। पूर्णतः स्वदेशी डिजाइन, निर्माण और रूपांतरण के साथ तैयार यह ट्रेन भारतीय इंजीनियरों की क्षमता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का जीवंत उदाहरण है।

यह हाइड्रोजन ट्रेन ब्रॉड गेज पर संचालित होने वाली दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेनों में से एक होगी। लगभग 141 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस ट्रेन में दो ड्राइविंग पावर कार और आठ यात्री कोच होंगे। लगभग 2400 किलोवाट की शक्ति क्षमता के साथ यह भारतीय रेलवे की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेनों में शामिल होगी। इसका सफल ट्रायल पूरा हो चुका है तथा मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त (सीसीआरएस) की स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है। इससे स्पष्ट है कि भारत अत्याधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल रेल परिवहन की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है।

हरियाणा के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष महत्व रखती है, क्योंकि यह परियोजना प्रदेश को आधुनिक रेलवे तकनीक का केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। लगभग 89 किलोमीटर लंबे जींद-सोनीपत रेलखंड पर संचालित होने वाली यह ट्रेन प्रदेश की परिवहन व्यवस्था को नई पहचान देगी। इससे न केवल यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं प्राप्त होंगी, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। आने वाले समय में ऐसी परियोजनाएं भारत को कार्बन उत्सर्जन कम करने तथा हरित विकास के वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

आज हरियाणा में जो विकास दिखाई दे रहा है, वह केंद्र सरकार और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा हरियाणा की डबल इंजन सरकार ने प्रदेश को विकास की नई गति प्रदान की है। चाहे राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार हो, रेलवे अवसंरचना का आधुनिकीकरण, हवाई सेवाओं का विस्तार, औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में नई परियोजनाएं हों या आधुनिक सार्वजनिक सुविधाओं का विकास—हर क्षेत्र में हरियाणा निरंतर आगे बढ़ रहा है। जींद-सोनीपत हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना भी इसी समन्वित विकास दृष्टि का उत्कृष्ट उदाहरण है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्पष्ट विजन रहा है कि भारत का विकास केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि देश के प्रत्येक राज्य और प्रत्येक क्षेत्र तक आधुनिक सुविधाएं पहुंचें। इसी सोच के अनुरूप हरियाणा में रेलवे, सड़क, ऊर्जा, उद्योग और डिजिटल अवसंरचना को अभूतपूर्व गति मिली है। प्रदेश में आधुनिक परियोजनाओं का तेजी से क्रियान्वयन यह दर्शाता है कि डबल इंजन सरकार जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है।

हाइड्रोजन ऊर्जा भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा मानी जाती है। इसका उपयोग न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देगा, बल्कि भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक सिद्ध होगा। भारतीय रेलवे द्वारा हाइड्रोजन तकनीक को अपनाना इस बात का प्रमाण है कि देश भविष्य की चुनौतियों के लिए आज से ही तैयारी कर रहा है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत और ग्रीन इंडिया के विजन को मजबूत आधार प्रदान करती है।

आज भारत दुनिया के सामने एक ऐसे राष्ट्र के रूप में उभर रहा है, जो परंपरा और आधुनिकता का संतुलित समन्वय करते हुए विकास की नई इबारत लिख रहा है। हरियाणा इस परिवर्तनकारी यात्रा का सक्रिय सहभागी है। जींद-सोनीपत हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना प्रदेश के युवाओं, इंजीनियरों और उद्योग जगत के लिए भी नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी तथा आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में रोजगार और निवेश के नए अवसर सृजित करेगी।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व तथा केंद्र और हरियाणा की डबल इंजन सरकार के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश इसी प्रकार विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा। जींद-सोनीपत हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना केवल एक रेल परियोजना नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, हरित विकास, आधुनिक तकनीक और विकसित भारत के संकल्प का सशक्त प्रतीक है। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक भारत की मजबूत नींव सिद्ध होगी तथा हरियाणा को देश के अग्रणी विकासशील राज्यों की श्रेणी में और अधिक सशक्त बनाएगी। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का हरियाणा के शुरू होना भी प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे प्रदेश के विकास को नई गति मिलेगी। जींद-सोनीपत रेलखंड पर दौड़ने वाली ट्रेन प्रदेश क लोगों को जहां बड़ी राहत देगी वहीं हरियाणा की परिवहन व्यवस्था सशक्त और मजबूत होगी और किराया भी कम लगेगा।

(लेखक हरियाणा के मुख्यमंत्री हैं)

क्रमोन्नति वेतनमान की मांग वाली शिक्षकों की 14 याचिकाएं खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने धमतरी जिले के 14 शिक्षक भुवन लाल बैस, संजय कुमार साहू, मितेश कुमार पाल, लीला राम साहू, लक्ष्मी साहू व अन्य के क्रमोन्नति वेतनमान दिलाने संबंधी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। शिक्षकों ने 10 मार्च 2017 के राज्य शासन के परिपत्र के आधार पर क्रमोन्नति वेतनमान का लाभ नहीं मिलने को चुनौती दी थी, लेकिन हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर पहले ही डिवीजन बेंच निर्णय दे चुकी है। ऐसे में उसी फैसले के अनुरूप सभी याचिकाएं निरस्त कर दी गईं।

क्रमोन्नति वेतनमान का लाभ नहीं मिलने को चुनौती दी थी

न्यायमूर्ति बिभु दत्ता गुरु की एकलपीठ ने एक साथ सुनवाई करते हुए कहा कि सभी याचिकाओं में कानून और तथ्य का प्रश्न समान है, इसलिए एक ही आदेश से उनका निपटारा किया जा रहा है। याचिकाकर्ताओं में धमतरी जिले के कुरूद विकासखंड में पदस्थ शिक्षक, सहायक शिक्षक और व्याख्याता (एलबी) शामिल थे। इन सभी ने शासन के 10 मार्च 2017 के परिपत्र के तहत क्रमोन्नति वेतनमान का लाभ देने की मांग की थी, जिसे विभाग ने अस्वीकार कर दिया था। इसी आदेश को चुनौती देते हुए उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

अलग राहत देने का कोई आधार नहीं

सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से बताया गया कि यही विवाद पहले स्मृति आभा नामदेव एवं अन्य बनाम राज्य शासन मामले में तय किया जा चुका है। उस फैसले में हाईकोर्ट ने 13 मार्च 2026 को दिए गए पुष्पलता माणिकपुरी एवं अन्य बनाम राज्य शासन के निर्णय का अनुसरण करते हुए कहा था कि ऐसे कर्मचारी स्मृति सोना साहू वाले मामले के समान स्थिति में नहीं हैं, इसलिए उन्हें 10 मार्च 2017 के परिपत्र का लाभ नहीं मिल सकता। एकलपीठ ने माना कि जब डिवीजन बेंच इस मुद्दे पर पहले ही स्पष्ट निर्णय दे चुकी है, तब उसी के अनुरूप वर्तमान याचिकाओं में अलग राहत देने का कोई आधार नहीं बनता। इसलिए सभी 14 रिट याचिकाएं खारिज कर दी गईं। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता यह साबित नहीं कर सके कि वे उस मामले के कर्मचारियों के समान परिस्थितियों में हैं, जिन्हें पूर्व में राहत मिली थी। इसलिए 10 मार्च 2017 के परिपत्र के तहत क्रमोन्नति वेतनमान का दावा विधिसम्मत नहीं है।

कांग्रेस ने किसानों के मुद्दे पर सरकार को घेरा

खाद-बीज पर स्थगन प्रस्ताव, हंगामे के बाद विपक्षी विधायक निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में खाद-बीज के मुद्दे पर कांग्रेस ने सरकार पर किसान विरोधी होने के साथ किसानों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा, खाद-बीज की कोई कमी नहीं है। खाद और बीज की पर्याप्त उप्लवधता सुनिश्चित कर ली गई है। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते गर्भगृह में पहुंचे, जिसके बाद स्वमेव निलंबित हो गए।

शून्यकाल में किसानों से जुड़ी समस्याएं, खाद और उन्नत बीज की कमी को लेकर स्थगन की सूचना देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, खाद के लिए किसान परेशान हो रहे हैं। खाद का कोटा भी कम किया गया है। बारिश भी कम हुई है, जिससे बोनी भी पिछड़ी हुई है। किसान खाद के लिए भटकते रहे, सहकारी सोसाइटी में उपलब्ध नहीं था, लेकिन व्यापारियों के पास उपलब्ध है। किसानों को लूटा जा रहा, बिजली की कटौती की जा रही है। किसानों को खाद नहीं मिल रही है, प्रति एकड़ 25 किलो से ज्यादा खाद नहीं ले सकते।

किसानों पर चौतरफा प्रहार- महंत

नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने कहा, डीएपी, पोटाश जैसी खाद नदारद है, किसान कृषि विभाग के कुप्रबन्धन का शिकार हो गए हैं। कई व्यापारियों ने खाद को खपाने के लिए जिस तरह दलाली शुरू कर दी है, वो चिंता का विषय है। किसानों पर चौतरफा प्रहार हो रहा है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से इस पर चर्चा कराने की मांग की।

90 प्रतिशत खाद और 96 प्रतिशत बीज का भंडारण

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा, खाद और बीज की कोई कमी नहीं है। खाद और बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गई है। प्रदेश में उर्वरक का लक्ष्य 15.55 लाख मीटिक टन के विरुद्ध लक्ष्य का 90 प्रतिशत लगभग 14 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कर लिया गया है। मांग के विरुद्ध 96 प्रतिशत बीजों का भंडारण कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि वैकल्पिक स्रोत जैसे एनपीके और सिंगल सुपर फास्फेट की भी उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। पिछली बार के मुकाबले इस बार 96 हजार मीट्रिक टन ज्यादा उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। खाद के 94 नमूने जहां से अमानक पाए गए उन पर कार्रवाई भी की है।

कृषि पर चर्चा के लिए सरकार के पास समय नहीं

भूपेश ने कहा, सरकार ने भी माना कि 56 प्रतिशत ही डीएपी उपलब्ध है। सरकार ने ये भी माना कि अमानक खाद की जांच में 96 फीसदी अमानक है। सरकार ने ये भी कह दिया है कि 20 से 145 दिन के बीज उपलब्ध है, लेकिन अवर्षा की स्थिति है। सरगुजा में सिर्फ 18 प्रतिशत बुवाई हुई है। कोरबा, बस्तर, मैदानी हिस्से में बुवाई पिछड़ गई है। बीच में कुछ दिन बारिश हुई, लेकिन धरती सूखी हुई है और फिर से दरारें पड़नी शुरू हो गई है। अलनीनों का प्रभाव दिखाई दे रहा है। कृषि कार्य पिछड़ गया है। कांग्रेस ने आसंदी से आग्रह किया कि कृषि को लेकर चर्चा की जाए लेकिन सरकार के पास समय नहीं कि चर्चा कराई जाए।

अटल ने किया शासकीय कार्यक्रमों में फर्जी बिलों की जांच की मांग

कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने विधानसभा में लोक निर्माण विभाग के माध्यम से आयोजित शासकीय कार्यक्रमों में टेंट, स्टेज, कुर्सी, सजावट, लाइट एवं साउंड व्यवस्था के नाम पर हुए भुगतान को लेकर गंभीर सवाल उठाए। विधायक अटल श्रीवास्तव ने विधानसभा में प्रश्न के माध्यम से दिसंबर 2023 से जून 2026 तक बिलासपुर जिले में मुख्यमंत्री सहित विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों के आयोजन के लिए टेंट, स्टेज, कुर्सी, सजावट, लाइट एवं साउंड व्यवस्था उपलब्ध कराने वाली फर्मों, एजेंसियों एवं दुकानदारों को किए गए भुगतान तथा लंबित भुगतान की विस्तृत जानकारी मांगी। लोक निर्माण विभाग द्वारा दिए गए जवाब में 12 दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री के तखतपुर आगमन कार्यक्रम में शासकीय जे एम पी विद्यालय में टेंट स्टेज कुर्सी व्यवस्था हेतु बग्गा टेंट हाउस तखतपुर द्वारा 40.49 लाख का बिल दिया गया है तथा 12 दिसंबर 2024 को ही पॉलीटेक्निक कॉलेज तखतपुर में टेंट स्टेज कुर्सी व्यवस्था हेतु जसराज टेंट एवं केटरिंग सर्विस रायपुर द्वारा 24.77 लाख का बिल प्रस्तुत किया गया है। अटल श्रीवास्तव ने लोक निर्माण मंत्री से कहा कि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम जे एम पी विद्यालय में हुआ है तो पॉलीटेक्निक कॉलेज का लगाया गया बिल पूर्णतः फर्जी और गलत है। वही कृषक सम्मेलन रहंगी के नाम पर साउंड व्यवस्था हेतु 13 लाख का बिल प्रस्तुत किया गया है,जिस पर अटल श्रीवास्तव ने कहा कि जिले में स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस जैसे बड़े आयोजनों में साउंड का बिल महज 3 से 4 लाख का भुगतान होता है।

छत्तीसगढ़ में 26 साल में न अभिलेखागार बन पाया और न धरोहरों का संरक्षण

संस्कृति और पुरातत्व के संरक्षण के मुद्दे पर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने आरोप लगाया कि राज्य गठन के 26 साल बीत जाने के बाद भी ऐसा अभिलेखागार नहीं बन पाया है, जहां समृद्ध छत्तीसगढ़ का इतिहास एक स्थान पर मिल सके। उन्होंने यह भी कहा, राज्य के प्राचीन पुरातत्व धरोहरों का संरक्षण भी नहीं हो पा रहा है। विधानसभा में ध्यानाकर्षण के माध्यम से भाजपा विधायक अजय चंद्राकर और धर्मजीत सिंह ने इस मुद्दे को उठाया। अजय चंद्राकर ने कहा, सिरपुर, भोरमदेव, राजिम, बारसूर जैसे अनेक स्थान अपनी स्थापत्यकला के लिए प्रसिद्ध हैं। ऐसे ही कई और स्थान हैं, जिनका इतिहास कई शताब्दियों पूर्व के हैं, लेकिन इन स्थानों से प्राप्त मूर्तियों या अवशेषों का कोई विस्तारित दस्तावेज नहीं मिलते। प्राचीन धरोहरों से जुड़े हुए रिकॉर्ड न तो दुरस्त हैं और इन संरक्षण का कोई काम दिखता है। राज्य का सबसे बड़ा और एक मात्र ऐतिहासिक संग्रहालय है, जिसकी स्थापना 1875 में रायपुर में निजी सहयोग से की गई थी। इसी संग्रहालय में सिरपुर से प्राप्त 7वीं शताव्दी की प्राचीन अवलोकितेश्वर की मूर्ति रखी गई थी। इसकी कीमत 19 करोड़ रुपये तक आंकी गई है। यह मूर्ति 80 के दशक में चोरी हो गई थी। अब इसे लेकर यह जानकारी सामने आई है कि यह मूर्ति अमेरिका में मिल गई है। प्राचीन वस्तुओं की तस्करी करने वाले नेटवर्क के पास यह मूर्ति बरामद की गई है और इसे भारत सरकार को लौटाया जा रहा है। उन्होंने कहा, इसी को लेकर यह भी जानकारी सामने आई है कि महंत घासीदास संग्रहालय में रखे गए रजिस्टर में मूर्ति के बारे में विस्तार से जानकारी थी, लेकिन रजिस्टर को दीमक खा गए। इस स्थिति में मूर्ति को लेकर कोई प्रमाण पुरातत्व विभाग पेश नहीं कर पाया है। परिमाण स्वरूप मूर्ति अब वापस नहीं ला जा सकी है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि राज्य के धरोहर को लेकर किस स्तर की लापरवाही बरती जा रही है. इसे यह भी प्रतीत होता है कि ऐसी और कितनी प्राचीन वस्तुओं को लेकर लापरवाही बरती गई होगी। किसी अभिलेखागार या संग्रहालय के लिए रजिस्टर या दस्तावेज अहम होता है। बावजूद इसके इतनी बड़ी चूक हो गम्भीर सवाल उठाती है। उन्होंने यह आरोप लगाया कि ऐसा लग रहा है कि विभाग या प्रशासन के लिए पुरातत्व धरोहर महत्वहीन जैसा हो चुका है, जहां छत्तीसगढ़ की इतिहास, परम्परा के साक्ष्यों को कबाड़ की वस्तुओं की तरह फेंक दी गई है। राज्य की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण-संवर्धन की नाकामी के कारण जनता में प्रशासन के प्रति काफी रोष और आक्रोश है।

वेंदांता हादसे पर मंत्री ने कहा-कारवाई होगी

विधानसभा में विपक्ष ने प्रश्नकाल में औद्योगिक दुर्घटनाओं पर सवाल उठाते हुए वेदांता पावर प्लांट में हुए हादसे का मुद्दा उठाया। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने इस पर कहा, सक्ती वेदांता पावर प्लांट में हुए हादसे के बाद ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल पर एफआईआर दर्ज कर सरकार ने गंभीरता का परिचय दिया। उन्होंने सवाल किया कि इससे पहले भी कई हादसे हुए हैं, तो क्या ऐसे सभी मामलों में कंपनी के डायरेक्टर पर भी मामले दर्ज किए जाएंगे या सिर्फ अनिल अग्रवाल पर एफआईआर कर मामले को दबा दिया जाएगा। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा, प्रक्रिया के तहत जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया। प्रश्नकाल में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने प्रदेश में औद्योगिक दुर्घटनाओं का मुद्दा उठाते हुए कहा, विगत दो वर्षों में कितनी औद्योगिक दुर्घटना हुई है? मंत्री ने जो परिशिष्ट दिया है, उसमें जो कारण मिला है, वह सेफ्टी ऑडिट ना होने के कारण दुर्घटनाएं हुई हैं? क्या कोई नोटिस दिया गया है, या जांच कराई गई है? सेफ्टी ऑडिट कितने साल में होना चाहिए? उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने बताया कि खतरनाक रसायनों के निर्माण भंडारण और संबंधित नियम के अनुसार एक बार ग्राहय एजेंसियों से ऑडिट कराया जाता है। अब तक प्रदेश के 32 कारखानों में सेफ्टी ऑडिट हुआ है। जहां नहीं हुआ है, वहां कार्रवाई करने का भी प्रावधान है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा, सक्ती में वेदांता पावर प्लांट में जो हादसा हुआ था, वहां केवल 2 लोगों को ही आरोपी बताया गया है? इस पर मंत्री ने कहा कि और लोगों को भी आरोपी बनाया गया है, जो प्रक्रियाधीन है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जब पुलिस के दस्तावेज में अनिल अग्रवाल का नाम है, तो उसे पकड़ने के लिए क्या कार्रवाई कर रहे हैं। मंत्री ने कहा जल्द ही कार्रवाई करेंगे।

अब तक नहीं मिला मुआवजा

विधायक राम कुमार यादव ने कहा, यह मामला पूरे प्रदेश का सबसे बड़ा मामला है। प्रभावित मजदूरों को यहाँ की सरकार, दिल्ली की सरकार ने मुआवजा देने की घोषणा की थी, लेकिन वो अब तक नहीं दिया गया है। मंत्री ने बताया कि कंपनी द्वारा आश्रितों को 35-35 लाख का मुआवजा दिया गया है। मुख्यमंत्री के घोषणा के अनुसार 5 लाख रुपए और केंद्र द्वारा 2 लाख देने को कहा गया है।

कोरोना के कारण टैट परीक्षा रद्द तो अभ्यर्थी को अनुकंपा नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि कोविड-19 महामारी के कारण टीईटी परीक्षा रद्द हो गई हो, तो निर्धारित अवधि के भीतर इसकी योग्यता प्राप्त नहीं कर पाने के आधार पर किसी अभ्यर्थी को अनुकंपा नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि जब देरी अभ्यर्थी की नहीं बल्कि प्रशासन की वजह से हुई हो, तो उसका नुकसान उम्मीदवार को नहीं उठाना चाहिए। जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी ने यह फैसला उस याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया, जिसमें याचिकाकर्ता के पिता, जो सहायक शिक्षक थे, की 7 अप्रैल 2017 को मृत्यु के बाद अनुकंपा नियुक्ति का दावा किया गया था।याचिकाकर्ता ने 2019 में डीएलएड की योग्यता प्राप्त कर ली थी और 22 मार्च 2020 को होने वाली टैट परीक्षा के लिए आवेदन किया था। हालांकि, कोविड-19 महामारी के कारण परीक्षा रद्द हो गई। बाद में 9 जनवरी 2022 को आयोजित टैट परीक्षा में वह सफल भी हो गया, लेकिन अधिकारियों ने यह कहते हुए उसका दावा खारिज कर दिया कि उसने निर्धारित तीन वर्ष की अवधि में आवश्यक योग्यता हासिल नहीं की। हाईकोर्ट ने पाया कि रिकॉर्ड पर ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे यह साबित हो कि 2017 से मार्च 2020 के बीच टैट परीक्षा आयोजित हुई थी। अदालत ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कोविड-19 के कारण 15 मार्च 2020 से 28 फरवरी 2022 तक की अवधि को सीमाबद्धता की गणना से बाहर रखने का निर्देश दिया था और यही सिद्धांत इस मामले पर भी लागू होगा। इन परिस्थितियों में हाईकोर्ट ने 6 दिसंबर 2022 का आदेश रद्द करते हुए संबंधित अधिकारियों को 45 दिनों के भीतर याचिकाकर्ता के अनुकंपा नियुक्ति के दावे पर कानून के अनुसार पुनर्विचार करने का निर्देश दिया।

रोजगार गारंटी पर सीएजी का सवाल, एक फीसदी से कम परिवारों को मिला सौ दिन काम

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत कानून में तय 100 दिन के रोजगार का लक्ष्य अधिकतर परिवारों तक नहीं पहुंच सका। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की प्रदर्शन लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच काम पाने वाले परिवारों में केवल 0.92 प्रतिशत परिवारों को ही 100 दिन का रोजगार मिला, जबकि 18.26 लाख परिवारों को काम मांगने के बावजूद रोजगार उपलब्ध नहीं कराया गया। रिपोर्ट मंगलवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा में पेश की गई।

सीएजी के अनुसार पांच वर्षों में 1.52 करोड़ परिवारों ने मनरेगा के तहत रोजगार की मांग की, लेकिन इनमें से केवल 1.34 करोड़ परिवारों को ही काम मिला। यानी लगभग 12 प्रतिशत परिवार रोजगार से वंचित रह गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसे पात्र परिवारों को कानून के प्रावधान के बावजूद बेरोजगारी भत्ते का भुगतान भी नहीं किया गया। रोजगार पाने वाले परिवारों की स्थिति भी योजना के उद्देश्य के अनुरूप नहीं रही। रिपोर्ट के अनुसार 1.11 करोड़ परिवारों (83 प्रतिशत) को 100 दिन से कम रोजगार मिला। केवल 1.23 लाख परिवार, यानी 0.92 प्रतिशत, ही 100 दिन का रोजगार हासिल कर सके। जबकि 21.56 लाख परिवारों को 100 दिन से अधिक रोजगार उपलब्ध कराया गया। सीएजी ने योजना निर्माण की प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार श्रम बजट तैयार करने से पहले आवश्यक गृह सर्वेक्षण नहीं कराए गए और परीक्षण की गई 48 ग्राम पंचायतों में करीब 86 प्रतिशत कार्य ग्राम सभा की अनिवार्य स्वीकृति के बिना शुरू कर दिए गए। इससे मनरेगा की सहभागी योजना निर्माण व्यवस्था प्रभावित हुई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि तकनीकी सहायकों और ग्राम रोजगार सहायकों सहित लगभग 21 प्रतिशत मानव संसाधन के पद रिक्त रहे। प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में भी निर्धारित लक्ष्य की तुलना में 97 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, जिससे योजना के प्रभावी संचालन पर असर पड़ा। वित्तीय प्रबंधन में भी कई अनियमितताएं सामने आई हैं। सीएजी के अनुसार अप्रैल 2015 से मार्च 2023 के बीच कर्मचारियों के 29.62 करोड़ रुपये के ईपीएफ अंशदान का भुगतान नहीं किया गया। ब्याज और जुर्माना जुड़ने के बाद यह देनदारी बढ़कर 84.59 करोड़ रुपये हो गई। पर्याप्त राशि उपलब्ध होने के बावजूद मजदूरी भुगतान में देरी के मामले भी दर्ज किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2019-20 से 2023-24 के दौरान स्वीकृत कार्यों में से अक्टूबर 2024 तक केवल 61 प्रतिशत कार्य ही पूरे हो सके। निगरानी व्यवस्था को लेकर भी सीएजी ने सवाल उठाए हैं। राज्य और जिला स्तर की कई वैधानिक समितियों की अनिवार्य बैठकें नहीं हुईं, जिला गुणवत्ता निगरानी प्रकोष्ठ गठित नहीं किए गए और ग्राम पंचायतों में कई जरूरी अभिलेख अधूरे या अनुपलब्ध पाए गए। सामाजिक अंकेक्षण की व्यवस्था भी रिपोर्ट में कमजोर बताई गई है। निर्धारित 58.68 करोड़ रुपये के मुकाबले केवल 42.55 करोड़ रुपये खर्च किए गए। सामाजिक अंकेक्षण इकाई में लगभग 45 प्रतिशत पद रिक्त रहे और कुछ वर्षों में 99.97 प्रतिशत ग्राम पंचायतों का सामाजिक अंकेक्षण ही नहीं हो सका।

ऑनलाइन महादेव सट्टा एप, एबिक्स का चेयरमैन विकास गर्ग गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को एबिक्स के चेयरमैन और कारोबारी विकास गर्ग को दिल्ली स्थित उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने ईडी को 24 घंटे की ट्रांजिट रिमांड दे दी है, जिसके बाद उसे पूछताछ के लिए रायपुर लाया जा रहा है। बुधवार की विशेष पीएमएलए कोर्ट में कारोबारी को पेश किया जाएगा। कारोबारी से पूछतछ करने जांच एजेंसी कोर्ट में पुलिस रिमांड के लिए आवेदन पेश कर सकती है। गिरफ्तारी के चार दिन पूर्व ही ईडी ने विकास गर्ग, उसके परिवार और उसके स्वामित्व व नियंत्रण वाली कंपनियों की 940.77 करोड़ रुपए मूल्य की चल एवं अचल संपत्तियों को अटैच करने की कार्रवाई की है। कुर्क की गई संपत्तियों में दिल्ली स्थित आवास, गोवा और नैनीताल की अचल संपत्तियां, विभिन्न बैंक खातों में जमा धनराशि तथा एबिक्स कंपनी में 75 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी शामिल है। ईडी का दावा है कि इन संपत्तियों का निर्माण और अधिग्रहण महादेव बेटिंग एप से अर्जित कथित अवैध धन से किया गया। ईडी की जांच में सामने आया है कि विकास गर्ग विकास इकोटेक लिमिटेड, विकास लाइफकेयर लिमिटेड और एराया लाइफस्पेसेज लिमिटेड का प्रमोटर है। एजेंसी का आरोप है कि एराया लाइफस्पेसेज लिमिटेड के माध्यम से उसने एबिक्सकैश में करीब 64 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की और इसके लिए महादेव बेटिंग नेटवर्क से प्राप्त अवैध धन का इस्तेमाल किया। जांच में यह भी सामने आया कि बेटिंग से प्राप्त रकम को पहले शेल कंपनियों और फर्जी एंट्री आपरेटरों के जरिए कई स्तरों पर ट्रांजेक्शन किया गया।

ताकि उसकी वास्तविक पहचान छिपाई जा सके। बाद में इसी रकम को शेयर बाजार, रियल एस्टेट, कार्पोरेट अधिग्रहण और अन्य निवेशों में लगाया गया।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

खैर लकड़ी की प्रति क्विंटल कीमत 45 सौ से 8000 रुपए है

बहुपयोगी है खैर लकड़ी

खैर की लकड़ी कत्था बनाने के काम आने के साथ औषधि बनाने के काम आती है। इसके साथ ही इस लकड़ी का कई अन्य तरह का उपयोग किया जाता है। खैर के तने को उबालकर कत्था निकाला जाता है। इसके साथ, पुराने पेड़ों की छाल में से सफेद रवेदार पदार्थ निकलता है जिसे 'खैरसाल' कहते हैं, जो काफी महंगी औषधि है।

तस्कर एआई की लेता था मदद

वन विभाग की टीम ने मनीष के मुंशी तथा अन्य के कब्जे से मोबाइल जब्त किया है। मोबाइल की पड़ताल करने पर उन्हें पता चला है कि लकड़ी तस्कर एआई की मदद से ओडिशा, छत्तीसगढ़, हरियाणा तथा उत्तरप्रदेश वन विभाग का फर्जी टीपी बनाकर अपने साथियों को देता था। जब्त खैर लकड़ी भी एआई तकनीक से तैयार टीपी की मदद से लायी गयी थी।

दूसरे राज्य के रास्ते दूसरे देशों में बेचता था

विभागीय अधिकारियों को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक मनीष अग्रवाल खैर लकड़ी को रायपुर मंगाने के बाद यहां से उस लकड़ी को हरियाणा, उत्तरप्रदेश के रास्ते नेपाल भेजता था। इसके बाद अन्य देशों में खैर लकड़ी का अवैध कारोबार करता था। खैर लकड़ी का ओडिशा में सबसे ज्यादा उत्पादन सोनेपुर, बलांगीर, मयूरभंज के जंगलों में होता है। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर तथा सरगुजा में खैर लकड़ी पायी जाती है।

वन विभाग की उड़नदस्ता टीम ने एक तस्कर के गोदाम में छापे की कार्रवाई करते हुए 50 टन के करीब खैर लकड़ी के गोले जब्त किए हैं। तस्कर ने लकड़ी के गोले ओडिशा से तस्करी कर अपने यार्ड में डंप कर रखे थे। वन विभाग की उड़नदस्ता टीम को जैसे ही खैर लकड़ी के बारे में जानकारी मिली, मंगलवार तड़के पांच बजे यार्ड में छापा मारकर खैर लकड़ियों का लॉट अपने कब्जे में ले लिया।

ओडिशा से तस्करी कर हीरापुर, तेंदुआ स्थित यार्ड में छिपाकर रखा था

एआई से बनाई फर्जी टीपी और ओडिशा से ले आया 50 टन खैर लकड़ियां, गोले जब्त, तस्कर गायब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्य तस्कर फरार है, उससे जुड़े मुंशी सहित तीन लोगों को वन विभाग के अफसर अपनी कस्टडी में लेकर पूछताछ कर रहे हैं। राज्य उड़नदस्ता के संदीप सिंह राजपूत तथ रायपुर रेंज के रेंजर दीपक तिवारी ने बताया कि खैर लकड़ी को सारंगढ़-बिलाईगढ़, सरसीवां निवासी मनीष अग्रवाल ने ओडिशा से तस्करी कर मंगाया था। लकड़ी को दो ट्रकों में लोड कर डंप किया गया था। वन अफसरों के अनुसार तस्कर ने फर्जी टीपी बनाकर खैर लकड़ी को तस्करी कर ओडिशा से ▶▶| शेष पेज 6 पर

खास खबर

पूर्व में तस्करी के आरोप में जेल जा चुका है

मनीष अग्रवाल आदतन वन अपराधी है, उसके कब्जे से वर्ष 2021 में बड़ी खेप में खैर लकड़ी जब्त की गई थी, जिसे उसने खरोरा के यार्ड में छिपाकर रखा था। इसके पूर्व वर्ष 2019-20 में तेंदुआ खाल बेचने के आरोप में पकड़ा जा चुका है। बताया जा रहा है, तस्कर के खिलाफ लकड़ी तस्करी का प्रकरण अब भी कोर्ट में लंबित है।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹108693/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹132750/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹144910/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
ANAND Jewels Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

ईबिक्स के चेयरमैन को ईडी ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव ऑनलाइन सट्टा एप्लिकेशन से जुड़े करोड़ों रुपए के धनशोधन मामले में ईबिक्स समूह के चेयरमैन विकास गर्ग को मंगलवार को गिरफ्तार किया। गर्ग (53) के दिल्ली स्थित ठिकानों की तलाशी के बाद उन्हें धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया। उन्हें दिल्ली की एक विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया।

साय बोले- नक्सल हिंसा से दशकों तक प्रभावित था बस्तर का विकास और शिक्षा, अब शांति-विश्वास का नया दौर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नक्सल हिंसा की वजह से बस्तर का विकास और शिक्षा दशकों तक प्रभावित था। माओवाद के खात्मे के बाद अब वहां शांति और विश्वास का नया दौर प्रारंभ हुआ है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस तथा बस्तर की जनता के विश्वास और सहयोग से प्रदेश इस चुनौती से निर्णायक रूप से मुक्त होकर शांति, सुरक्षा और विकास के नए युग में प्रवेश कर चुका है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने माओवाद हिंसा मुक्ति पर आभार प्रस्ताव लाया, जिसे लंबी चर्चा के बाद पारित कर दिया गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका त्याग और समर्पण सदैव राष्ट्र को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, छत्तीसगढ़ पुलिस, जिला पुलिस बल, विशेष सुरक्षा इकाईयों तथा अभियान में सहभागी सभी सुरक्षा एजेंसियों के साहस, समर्पण और व्यावसायिक दक्षता की सराहना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए समन्वित सुरक्षा एवं विकास आधारित रणनीति अपनाई। केंद्रीय ▶▶| शेष पेज 6 पर

खास खबर

माओवादी हिंसा मुक्ति पर सदन में आभार प्रस्ताव, चर्चा के बाद पारित

डॉ. रमन हुए भावुक

विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह भावुक होते हुए कहा कि नक्सल मुद्दे पर छत्तीसगढ़ ने दुनिया की सबसे बड़ी लड़ाई जीती है। हमारी सरकार ने बेस्ट अधिकारियों को बस्तर भेजा था। आज सभी जांबाज जवानों को सैल्यूट करता हूं। उन्होंने कहा, बारूद बिछने वाली सड़कों पर अब सड़कें बन रही हैं। ▶▶| शेष पेज 6 पर

कश्यप के झलके आंसू

संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने नक्सलवाद खात्मे पर आभार प्रस्ताव पेश किया। चर्चा के दौरान केदार कश्यप भावुक हो गए। बोलते-बोलते उनका गला रूंध गया। इस दौरान सदन में मौजूद डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने उनके पास पहुंचकर ढांढस बंधाया और उनका हौसला बढ़ाया। ▶▶| शेष पेज 6 पर

हमारा छग नक्सलमुक्त

गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ नक्सली संगठन से मुक्त हुआ है। आज इस पर एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव सदन में था जिस पर चर्चा थी, परंतु आश्चर्यजनक से पूरा विपक्ष कांग्रेस पूर्णता गायब रही। मैं उन लोगों के नाम लेकर आया था, जो झीरम में थे। मैं सदन में बताता किस तरीके ▶▶| शेष पेज 6पर

विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार, 17 को होगी चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में मानसून सत्र के दूसरे दिन विपक्ष ने सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव प्रस्तुत करने बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन के 10 प्रतिशत से अधिक सदस्यों का समर्थन इस प्रस्ताव को लेकर होने पर इसे स्वीकार कर लिया और इसकी चर्चा के लिए 17 जुलाई की तारीख भी तय कर दी। कांग्रेस अविश्वास प्रस्ताव ▶▶| शेष पेज 6 पर

सरकार के ढाई साल के कार्यकाल पर बहस

अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से कांग्रेस राज्य सरकार के ढाई साल के कार्यकाल पर बहस के जरिए सवाल उठाएगी। इस दौरान हुए विभिन्न घटनाओं के अलावा योजनाओं की विफलता को सदन में उठाएगी। विपक्ष के आरोपों को लेकर सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियां गिनाएगी और ▶▶| शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़ में खुली जेल

अच्छे आचरण वाले 200 उम्रकैदी परिवार के साथ रह सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में पहली बार खुली जेल (ओपन जेल) शुरू करने का आदेश जारी कर दिया है। जेल विभाग ने बेमेतरा जिले के पथर्रा गांव में स्थापित की गई इस जेल के संचालन को मंजूरी देते हुए इसे कैदियों के सुधार और पुनर्वास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया है।

सरकारी आदेश के अनुसार लगभग 23 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस खुली जेल में शुरुआती चरण में करीब 200 आजीवन कारावास की सजा काट रहे ऐसे बंदियों को रखा जाएगा, जिनका जेल में आचरण अच्छा रहा है और जो निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करते हैं। इन बंदियों ▶▶| शेष पेज 6 पर

खास खबर

कृषि और पशुपालन से जुड़कर समाज में पुनर्वास का मिलेगा अवसर

इस जेल में निगरानी का तरीका होता है अलग

पारंपरिक जेलों के विपरीत खुली जेल में ऊंची सुरक्षा दीवारें, लोहे की सलाखें और चौबीसों घंटे सशस्त्र निगरानी जैसी व्यवस्था नहीं होती। यह मॉडल बंदियों के आत्म-अनुशासन, जिम्मेदारी और विश्वास पर आधारित होता है। उन्हें निर्धारित नियमों के तहत काम करने, परिवार के साथ रहने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया जाता है। देश के कई राज्यों में पहले से संचालित खुली जेलों को कैदियों के सुधार और पुनर्वास का प्रभावी मॉडल माना जाता है। अब बेमेतरा के पथर्रा में शुरू होने वाली यह व्यवस्था छत्तीसगढ़ की पहली खुली जेल होगी, जिससे राज्य में सुधारात्मक जेल प्रणाली की दिशा में एक नया अध्याय जुड़ जाएगा।

सभी कैदियों के लिए नहीं होगी खुली जेल

सरकार का मानना है कि इससे सजा पूरी होने के बाद बंदियों का समाज में पुनर्वास आसान होगा और वे सामान्य जीवन के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकेंगे। खुली जेल में स्थानांतरण सभी कैदियों के लिए नहीं होगा। इसके लिए जेल प्रशासन पात्रता का परीक्षण करेगा। केवल अच्छे आचरण वाले, अनुशासित और आदतन अपराधी नहीं माने जाने वाले बंदियों को ही इस व्यवस्था का लाभ मिलेगा। आमतौर पर ऐसे बंदियों को प्राथमिकता दी जाती है जिनकी सजा की अवधि अंतिम चरण में होती है और जिनके समाज में पुनर्समायोजन की संभावना अधिक होती है।

होर्मुज में जहाज पर हमला, भारतीय की मौत ईरान के राजनयिक तलब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

ओमान के निकट होर्मुज जलडमरूमध्य में संयुक्त अरब अमीरात के दो तेल टैंकरों पर ईरान के हमले में मंगलवार को चालक दल के एक भारतीय सदस्य की मौत हो गई जबकि नौ भारतीय घायल हो गए। भारत ने हमलों की मंगलवार को कड़ी निंदा की।

- विदेश मंत्रालय की दो टूक, कहा- जहाजों को निशाना बनाना बंद करो

विदेश मंत्रालय ने ईरान दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी को तलब किया और इन हमलों के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने कहा कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के दौरान 'एमटी अल बहियाह' और 'एमटी मोम्बासा' नाम के दो पोत पर हुए हमलों को लेकर 'बेहद चिंतित' है। विदेश मंत्रालय ने कहा, दोनों जहाजों के कुल 46 चालक दल के सदस्यों में से 30 भारतीय नाविक थे।

अब तक 13 भारतीयों की गई जान

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच अब तक 13 भारतीय नागरिकों की जान जा चुकी है। तीन लापता बताए जा रहे हैं। इस संघर्ष के दौरान जहाजों और टैंकरों पर हुए हमलों के बीच कई नाविकों को भी बचाया गया है। पिछले महीने पलाऊ के ध्वज वाले टैंकर 'एमटी सेट्रेबेलो' पर अमेरिका के हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी। अमेरिका ने तड़के ईरान पर हवाई हमले किए। राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी फिर से लागू करने और होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने की घोषणा के कुछ घंटे बाद ये हमले किये गए।

23 जून को भी भागे थे 11 बालक, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

दरवाजे तोड़ बाल संप्रेक्षण गृह से भागे 13 अपचारी बालक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

शहर के बाल संप्रेक्षण गृह से एक बार फिर से अपचारी बालकों के फरार होने की घटना सामने आई है। अपचारी बालकों ने बाल संप्रेक्षण गृह का गेट तोड़कर फरार हो गए।

बाल संप्रेक्षण गृह से 13 अपचारी बालकों के भागने की बात सामने आई है। बड़ी बात यह है कि इसके पहले 23 जून को भी संप्रेक्षण गृह की खिड़की तोड़कर 11 अपचारी बालक भाग निकले थे। एक महीने के भीतर दूसरी घटना से बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। बताया जा रहा है कि मंगलवार की देर शाम बाल संप्रेक्षण गृह के दरवाजे को तोड़कर 13 अपचारी बालक फरार हो गए। रात लगभग आठ बजे बालकों ने बाल सम्प्रेक्षण गृह के पीछे की तरफ मौजूद लोहे के गेट के रॉड को फैलाकर जगह बनाई और फिर भाग निकले। इस दौरान प्रबंधन की नजर परिसर में लगे सीसीटीवी ▶▶| शेष पेज 6 पर

कलेक्टर-एसएसपी ने लिया था जायजा

पूर्व में हुई घटना के बाद कलेक्टर-एसएसपी ने भी बाल संप्रेक्षण गृह का जायजा 24 जून को लिया था। आवश्यक सुधार और भवन की आवश्यक मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए थे लेकिन एक बार फिर से अपचारी बालक चकमा देकर भागने में सफल हो गए। गांधीनगर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार द्विवेदी ने बताया कि अपचारी बालकों के भागने की सूचना मिली है। घटना की जांच चल रही है।

चिंतन

कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और अवसरों का सेतु भी है। भारत जैसे बहुभाषी देश में यह बात और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत लागू की गई त्रि-भाषा नीति (थ्री-लैंग्वेज फॉर्मूला) भी इसी सोच पर आधारित है। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीएसई की इस नीति पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा कि कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता। अदालत की यह टिप्पणी शिक्षा के व्यापक उद्देश्य को रेखांकित करती है, लेकिन यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या इस नीति को लागू करने के लिए देश का शिक्षा तंत्र पूरी तरह तैयार है? राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य विद्यार्थियों को बहुभाषी बनाना, भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देना और शिक्षा को अधिक समावेशी बनाना है। नई व्यवस्था के अनुसार नौवीं और दसवीं कक्षा में तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य होगा, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होंगी। इससे विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा और देश की भाषाई विविधता से जुड़ने का अवसर मिलेगा। यह कदम भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। हालांकि, इस नीति को लेकर कई व्यावहारिक चिंताएं भी सामने आई हैं। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया कि अनेक विद्यार्थी पिछले कई वर्षों से फ्रेंच, जर्मन या अन्य विदेशी भाषाएं पढ़ रहे हैं। ऐसे छात्रों के लिए अचानक नई भारतीय भाषा अपनाना आसान नहीं होगा। इससे उनकी पढ़ाई और परीक्षा दोनों प्रभावित हो सकती हैं। दूसरी ओर, कई स्कूलों में संबंधित भाषाओं के प्रशिक्षित शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। अनेक भारतीय भाषाओं की पाठ्य पुस्तकें भी समय पर उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। इन व्यावहारिक कठिनाइयों को देखते हुए सीबीएसई ने अपनी प्रारंभिक व्यवस्था में संशोधन किया है। नई गाइडलाइन के अनुसार वर्तमान दसवीं, नौवीं, आठवीं और सातवीं के विद्यार्थियों को तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। केवल वर्तमान छठी कक्षा के विद्यार्थी पहले ऐसे बैच होंगे, जिन पर यह नीति पूरी तरह लागू होगी। यह निर्णय बताता है कि सरकार भी चरणबद्ध तरीके से इस बदलाव को लागू करना चाहती है, ताकि विद्यार्थियों पर अनावश्यक दबाव न पड़े। वहीं जो छात्र शैक्षणिक वर्ष 2027-28 में कक्षा 10वीं में प्रवेश करेंगे, उन्हें अपनी तीसरी भाषा (जिसे आर3 कहा गया है) का स्कूल-आधारित इंटरनल असेसमेंट पास करना ही होगा। इसके बिना उन्हें सेकेंडरी स्कूल एग्जामिनेशन पास सर्टिफिकेट नहीं दिया जाएगा। दरअसल, भाषा सीखने के अनेक लाभ हैं। शोध बताते हैं कि एक से अधिक भाषाओं का ज्ञान बच्चों की स्मरण शक्ति, तार्किक क्षमता और रचनात्मक सोच को विकसित करता है। भविष्य में रोजगार, उच्च शिक्षा और राष्ट्रीय स्तर पर संवाद के अवसर भी बढ़ते हैं। इसलिए नई भाषा सीखना कभी नुकसान का सौदा नहीं हो सकता। यदि पर्याप्त शिक्षक, गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकें, डिजिटल सामग्री और प्रशिक्षण उपलब्ध नहीं होगा तो अच्छी मंशा वाली नीति भी विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि भाषा नीति लागू करने से पहले सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों और विद्यार्थियों को बदलाव के लिए पर्याप्त समय मिले। बहुभाषी भारत में भारतीय भाषाओं को सम्मान मिलना समय की मांग भी है। यदि यही संतुलन बनाए रखा गया, तो सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी वास्तव में सार्थक सिद्ध होगी कि कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता।

संघर्ष

डॉ. घनश्याम बादल

होर्मुज़ पर टैक्स की जंग समुद्र पर किसका अधिकार

युद्ध केवल मोर्चों पर नहीं लड़े जाते, वे समुद्रों, व्यापार मार्गों, अर्थव्यवस्था और कूटनीति पर भी लड़े जाते हैं। आज फारस की खाड़ी का प्रवेश द्वार, हार्मुज़ जलडमरूमध्य, इसी प्रकार के संघर्ष का केंद्र बन गया है। ईरान और अमेरिका एक-दूसरे पर युद्धविराम की शर्तें तोड़ने का आरोप लगा रहे हैं। एक ओर ईरान अपने समुद्री क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों पर नियंत्रण और शुल्क लगाने की बात कर रहा है, तो दूसरी ओर अमेरिका भी समुद्री सुरक्षा के नाम पर जहाजों से 20 प्रतिशत शुल्क वसूलने की घोषणा कर चुका है। दोनों पक्ष अपने-अपने कदम को वैध ठहरा रहे हैं, किंतु प्रश्न यह है कि इसकी कीमत कौन चुकाएगा? उत्तर स्पष्ट है-दुनिया। ताज़ा घटनाक्रम में दोनों देश युद्धविराम के उल्लंघन के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं। अमेरिका का आरोप है कि ईरान ने हार्मुज़ में जहाजों की आवाजाही बाधित कर समझौते की भावना का उल्लंघन किया, जबकि ईरान का कहना है कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, नाकेबंदी और इज़राइल को समर्थन ने युद्धविराम को अर्थहीन बना दिया। स्वतंत्र रूप से इन दावों की पूरी पुष्टि संभव नहीं है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि दोनों पक्ष युद्धविराम की अलग-अलग व्याख्या कर रहे हैं और यही टकराव का सबसे बड़ा कारण बन गया है। इस पूरे संकट में इज़राइल की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। ईरान का आरोप है कि इज़राइल की सैन्य गतिविधियों को अमेरिकी समर्थन प्राप्त है, जबकि अमेरिका इसे क्षेत्रीय सुरक्षा का प्रश्न बताता है। परिणाम यह है कि युद्ध केवल ईरान और अमेरिका के बीच सीमित नहीं रह गया, बल्कि पूरा पश्चिम एशिया उसकी चपेट में आ गया है। हार्मुज़ विश्व ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा है। सामान्य परिस्थितियों में विश्व के समुद्री तेल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। यदि इस मार्ग पर कोई भी पक्ष कर लगाए, जहाजों को रोकें या सैन्य नियंत्रण स्थापित करें, तो उसका प्रभाव केवल खाड़ी तक सीमित नहीं रहेगा। तेल की कीमतें बढ़ेंगी, समुद्री बीमा महंगा होगा, माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी और अंततः पूरी दुनिया में महंगाई का दबाव बढ़ेगा। सबसे रोचक और विडंबनापूर्ण स्थिति यह है कि दोनों पक्ष लगभग एक जैसी नीति अपना रहे हैं। ईरान कहता है कि वह अपनी समुद्री सीमा और सुरक्षा के लिए शुल्क लेगा। अमेरिका कहता है कि वह समुद्री सुरक्षा उपलब्ध करा रहा है, इसलिए उसके लिए भी शुल्क लिया जाना चाहिए। नाम अलग-अलग हो सकते हैं-'टैक्स', 'टोल', 'सुरक्षा शुल्क' या 'प्रतिपूर्ति'-लेकिन अंततः भुगतान जहाज मालिकों को करना होगा और उसका भार दुनिया के उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। यही इस पूरे विवाद की सबसे बड़ी विडंबना है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून का मूल सिद्धांत यह है कि अंतरराष्ट्रीय नौवहन मार्गों पर निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया जाए। किसी एक देश द्वारा समुद्री मार्ग को आर्थिक या राजनीतिक दबाव का साधन बनाना वैश्विक व्यापार व्यवस्था की भावना के विरुद्ध माना जाता है। यही कारण है कि दोनों पक्षों के दावों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रश्न उठ रहे हैं। भारत के लिए यह संकट विशेष चिंता का विषय है।

भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा भाग आयात करता है और उसका महत्वपूर्ण हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है। यदि हार्मुज़ में तनाव बढ़ता है तो कच्चे तेल की कीमतें बढ़ेंगी, पेट्रोल और डीज़ल महंगे होंगे, परिवहन लागत बढ़ेगी, उर्वरकों की कीमत प्रभावित होगी और अंततः महंगाई का दबाव आम नागरिक तक पहुंचेगा। इसके अतिरिक्त खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा और भारतीय निर्यात-आयात पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। खाड़ी देशों की स्थिति भी कम कठिन नहीं है। वे एक ओर अमेरिका के सुरक्षा सहयोगी हैं, दूसरी ओर उनकी अर्थव्यवस्था समुद्री व्यापार और ऊर्जा निर्यात पर निर्भर है। इसलिए वे किसी भी ऐसे संघर्ष से बचना चाहते हैं जिससे व्यापार बाधित हो। लंबे समय तक तनाव बना रहा तो खाड़ी देशों की आर्थिक वृद्धि और निवेश दोनों प्रभावित होंगे। वास्तविकता यह है कि आधुनिक युद्धों में 'आर-पार की जीत' अब लगभग असंभव हो गई है। अमेरिका जैसी महाशक्ति भी ईरान जैसे क्षेत्रीय शक्ति-संपन्न देश को स्थायी रूप से झुका नहीं सकती, और ईरान भी अमेरिका को सैन्य रूप से पराजित करने की स्थिति में नहीं है। यह संघर्ष किसी एक क्षेत्र का नहीं, पूरी मानवता का प्रश्न बन चुका है। यदि अमेरिका और ईरान वास्तव में शांति चाहते हैं तो उन्हें यह स्वीकार करना होगा कि प्रतिष्ठा की लड़ाई में आर्थिक स्थिरता और वैश्विक विश्वास को दांव पर नहीं लगाया जा सकता। आधुनिक विश्व में स्थायी विजय युद्ध से नहीं, संवाद और संतुलित कूटनीति से ही प्राप्त होती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

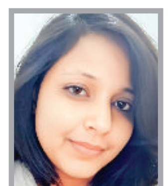

आर्थिकी

ममता कुशवाहा

जून माह में खुदरा महंगाई बढ़कर लगभग 4.38 प्रतिशत तक पहुंचने के बाद यह स्पष्ट संकेत मिला कि महंगाई का दबाव फिर से बढ़ रहा है। लगातार कई महीनों की वृद्धि ने भारतीय रिजर्व बैंक, सरकार, उद्योग जगत और आम नागरिक-सभी की चिंताएं बढ़ा दी हैं। ऐसे समय में जब भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, महंगाई का यह बढ़ता दबाव केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि हर घर की रसोई, हर किसान की खेती, हर व्यापारी के कारोबार और हर युवा के भविष्य से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। यही कारण है कि बढ़ती महंगाई को केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और विकासात्मक चुनौती के रूप में भी देखा जा रहा है।

महंगाई : अर्थव्यवस्था के सामने नई चुनौती

कुछ दिन पहले जारी हुए खुदरा महंगाई के ताज़ा आंकड़ों ने एक बार फिर देश में आर्थिक बहस को तेज कर दिया है। जून माह में खुदरा महंगाई बढ़कर लगभग 4.38 प्रतिशत तक पहुंचने के बाद यह स्पष्ट संकेत मिला कि महंगाई का दबाव फिर से बढ़ रहा है। लगातार कई महीनों की वृद्धि ने भारतीय रिजर्व बैंक, सरकार, उद्योग जगत और आम नागरिक-सभी की चिंताएं बढ़ा दी हैं। ऐसे समय में जब भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, महंगाई का यह बढ़ता दबाव केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि हर घर की रसोई, हर किसान की खेती, हर व्यापारी के कारोबार और हर युवा के भविष्य से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। यही कारण है कि बढ़ती महंगाई को केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और विकासात्मक चुनौती के रूप में भी देखा जा रहा है।

महंगाई का सामान्य अर्थ वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में लगातार वृद्धि से है। जब किसी परिवार को पहले की तुलना में समान वस्तुएं खरीदने के लिए अधिक धन खर्च करना पड़ता है, तब उसकी क्रय शक्ति घटने लगती है। यदि आय उसी गति से नहीं बढ़ती, जिस गति से महंगाई बढ़ रही हो, तो जीवन स्तर पर सीधा प्रभाव पड़ता है। यही वजह है कि महंगाई का सबसे अधिक बोझ मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है। इनके बजट का बड़ा हिस्सा भोजन, परिवहन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक जरूरतों पर खर्च होता है, इसलिए कीमतों में मामूली वृद्धि भी उनकी आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर देती है। वर्तमान समय में महंगाई बढ़ने का सबसे बड़ा कारण खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी है। दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़े हैं। इन वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर हर परिवार की रसोई पर पड़ता है। भारत जैसे देश में जहां बड़ी आबादी सीमित आय पर निर्भर है, वहां खाद्य महंगाई केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि सामाजिक चिंता का विषय बन जाती है। भोजन महंगा होने पर परिवार अपनी आवश्यकताओं में कटौती करने को मजबूर होते हैं, जिससे पोषण स्तर पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। महंगाई को बढ़ाने वाले कारण केवल घरेलू नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भारत जैसे आयात-निर्भर देशों के लिए बड़ी चुनौती बन जाते हैं। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा होता है, तो परिवहन लागत बढ़ती है। इसका प्रभाव उद्योगों की उत्पादन लागत पर पड़ता है और अंततः उपभोक्ताओं को वस्तुएं महंगे दामों पर खरीदनी पड़ती हैं। इस प्रकार वैश्विक घटनाओं का असर सीधे भारतीय बाजार और आम नागरिक के जीवन पर दिखाई देता है। जलवायु परिवर्तन भी महंगाई का एक बड़ा कारण बनकर उभरा है। अनियमित मानसून, अत्यधिक वर्षा, सूखा और प्राकृतिक आपदाएं कृषि उत्पादन को प्रभावित करती हैं। यदि फसलें खराब होती हैं या उत्पादन कम होता है, तो बाजार में आपूर्ति घट जाती है और कीमतें बढ़ जाती हैं। भारत की बड़ी आबादी अभी भी कृषि पर निर्भर है, इसलिए मौसम की अनिश्चितता केवल किसानों की आय ही नहीं, बल्कि पूरे

देश की खाद्य सुरक्षा और मूल्य स्थिरता को प्रभावित करती है। आने वाले वर्षों में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और अधिक गंभीर हो सकते हैं, इसलिए कृषि क्षेत्र को अधिक सक्षम और तकनीक आधारित बनाने की आवश्यकता है। बढ़ती महंगाई का सबसे बड़ा प्रभाव देश की मौद्रिक नीति पर पड़ता है। भारतीय रिजर्व बैंक का प्रमुख उद्देश्य मूल्य स्थिरता बनाए रखना और आर्थिक विकास को संतुलित रखना है। यदि महंगाई लगातार लक्ष्य से ऊपर बनी रहती है, तो आरबीआई रेपो रेट बढ़ाने का निर्णय ले सकता है।

रेपो रेट बढ़ने का अर्थ है कि बैंकों को धन महंगा मिलेगा, जिसका असर गृह ऋण, वाहन ऋण, शिक्षा ऋण और उद्योगों को मिलने वाले कर्ज पर पड़ेगा। ब्याज दरें बढ़ने से लोग कम खर्च करते हैं और उद्योग भी निवेश में सावधानी बरतते हैं। इससे आर्थिक गतिविधियों की गति धीमी हो सकती है। इसलिए महंगाई पर नियंत्रण और विकास के बीच संतुलन बनाना केंद्रीय बैंक के लिए सबसे कठिन जिम्मेदारी होती है। महंगाई का प्रभाव केवल उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं रहता। उद्योगों के लिए कच्चा माल, बिजली, ईंधन और परिवहन महंगा होने से उत्पादन लागत बढ़ जाती है। यदि कंपनियां बढ़ी हुई लागत उपभोक्ताओं पर डालती हैं, तो वस्तुएं और महंगी हो जाती हैं। यदि वे कीमतें नहीं बढ़ातीं, तो उनका लाभ घटता है और निवेश प्रभावित होता है। इसका असर रोजगार सृजन पर भी पड़ सकता है। छोटे और मध्यम उद्योग, जिनकी आर्थिक क्षमता सीमित होती है, ऐसे समय में सबसे अधिक दबाव महसूस करते हैं। परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था की विकास दर पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। सरकार के सामने भी इस समय अनेक चुनौतियां हैं। केवल ब्याज दरों के सहारे महंगाई पर स्थायी नियंत्रण संभव नहीं है। इसके लिए उत्पादन बढ़ाना, आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करना, जमाखोरी और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण रखना तथा कृषि और परिवहन क्षेत्र में सुधार करना आवश्यक है। आवश्यक वस्तुओं की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करना, भंडारण क्षमता बढ़ाना और किसानों को आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराना भी महंगाई नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। साथ ही ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देकर आयातित ईंधन पर निर्भरता कम की जा सकती है। भारत की अर्थव्यवस्था आज पहले की तुलना में कहीं अधिक वैश्विक हो चुकी है। इसलिए दुनिया के किसी भी हिस्से में उत्पन्न आर्थिक या राजनीतिक संकट का प्रभाव भारतीय बाजार तक पहुंच जाता है। ऐसे में आर्थिक नीतियों को केवल वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि भविष्य के संभावित जोखिमों को देखते हुए तैयार करना होगा। मूल्य स्थिरता, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास को एक साथ लेकर चलना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

सरकार, रिजर्व बैंक, उद्योग जगत और किसानों के बीच बेहतर समन्वय ही इस चुनौती का प्रभावी समाधान दे सकता है। वास्तव में बढ़ती महंगाई केवल कीमतों का प्रश्न नहीं, बल्कि देश की आर्थिक स्थिरता, सामाजिक संतुलन और विकास की दिशा से जुड़ा हुआ विषय है। यदि समय रहते प्रभावी कदम उठाए जाएं, तो इस चुनौती को अवसर में भी बदला जा सकता है। मजबूत कृषि व्यवस्था, पारदर्शी बाजार, संतुलित मौद्रिक नीति, बेहतर आपूर्ति तंत्र और दूरदर्शी आर्थिक निर्णय ही भारत को महंगाई के दुष्प्रभावों से बचा सकते हैं। आज आवश्यकता आंकड़ों पर बहस करने से अधिक ठोस और समन्वित कार्रवाई की है, ताकि आर्थिक विकास की गति भी बनी रहे और आम नागरिक की थाली तथा जेब दोनों सुरक्षित रह सकें।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

छिद्रान्वेषण', जो लोग दूसरों में ढूढ़ते हैं दोष

संकलित

दर्शन

लोग प्रायः दूसरों में दोष ढूंढ़ने में लगे रहते हैं। इसी को छिद्रान्वेषण कहते हैं। ऐसा करने वाले लोग अपने बड़े-बड़े दोषों को देखते हुए भी नहीं देख पाते। फिर भी दूसरों में दोष निकालने से बाज नहीं आते। यह प्रवृत्ति न केवल स्वयं के लिए, अपितु समाज के लिए भी घातक है। इसी कारण समाज में ईर्ष्या, द्वेष और वैमनस्य का परिवेश बनता है। इसका सर्वाधिक विपरीत प्रभाव उन लोगों के मनोबल पर पड़ता है, जो ईमानदारी से समाज और देश की सेवा कर जीवन यापन करना चाहते हैं। छिद्रान्वेषी प्रवृत्ति अमूमन उन्हीं लोगों में देखने को मिलती है जो स्वयं बुराइयों के भंडार होते हैं। इससे उनकी सकारात्मक ऊर्जा का निरंतर क्षरण होता है और स्वयं का विकास अवरुद्ध हो जाता है। इसीलिए चाणक्य ने कहा है, 'मनुष्य की यह प्रवृत्ति कभी अपने भीतर सद्गुणों का विकास नहीं होने देती।' परिणामस्वरूप मन, वाणी और कर्म तीनों कलुषित हो जाते हैं। महाभारत में दुर्योधन छिद्रान्वेषी दुष्प्रवृत्ति का सबसे बड़ा उदाहरण है। उसने कभी अपने दोष देखने का प्रयास नहीं किया। इसीलिए उसके मन, वाणी और कर्म सभी कलुषित हो गए। एक बार गुरु द्रोण ने दुर्योधन और युधिष्ठिर दोनों को राज्य में साधु पुरुषों की गणना के लिए भेजा तो दुर्योधन को कोई साधु पुरुष मिला ही नहीं। यह दुर्योधन की छिद्रान्वेषी दुष्प्रवृत्ति का परिणाम था। इसके विपरीत युधिष्ठिर को कोई दुर्जन व्यक्ति नहीं मिला। वास्तव में दूसरे के दोष देखने का अधिकार उसी को है, जिसमें वह बुराई न हो।

झूठ बोलकर हासिल ज्ञान ज्यादा दिन नहीं चलता

संकलित

प्रेरणा

परशुराम अष्ट चिरंजीवियों में से एक हैं, योद्धा और गुरु हैं। महाभारत के समय भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण इनके शिष्य थे। परशुराम जी से ज्ञान हासिल करने के लिए कर्ण ने झूठ बोला था कि मैं ब्राह्मण पुत्र हूं, क्योंकि उस समय परशुराम जी ब्राह्मणों को ही ज्ञान दे रहे थे। कर्ण परशुराम जी का शिष्य बन गया और ज्ञान हासिल करने लगा। एक दिन जब परशुराम कर्ण की गोद में सिर रखकर सो रहे थे। उस समय कर्ण की जांघ पर एक बड़े कीड़े ने काट लिया। गुरु की नींद न टूटे ये सोचकर कर्ण दर्द सहते रहे, लेकिन उन्होंने परशुराम को नींद से नहीं जगाया। नींद से जागने पर जब परशुराम ने देखा कि कर्ण के पैर से खून बह रहा है तो वे समझ गए कि कर्ण ब्राह्मण पुत्र नहीं है। तब परशुराम ने क्रोधित होकर कर्ण को शाप दिया था कि मेरी सिखाई हुई विद्या की जब तुम्हें सबसे ज्यादा आवश्यकता होगी, उस समय तुम ये विद्या भूल जाओगे। महाभारत युद्ध में जब कर्ण और अर्जुन का आमना-सामना हुआ, उस समय कर्ण अपने दिव्यास्त्रों को प्रकट करने की विधि भूल गए थे। इसके बाद अर्जुन ने श्रीकृष्ण के कहने पर कर्ण का वध कर दिया। झूठ बोलकर हासिल की गई विद्या लंबे समय तक साथ नहीं देती है। ज्ञान सीखने के लिए त्याग और तप दोनों ही करना पड़ता है तब कहीं सही मायनों में ज्ञान अर्जित हो पाता है। दूसरा सही गुरु का मिलना भी जरूरी है अन्यथा भटकते रहना पड़ता है।

अंतर्मन

आज की पाती

होर्मुज संकट : विश्व आर्थिकी के लिए बढ़ता खतरा

अमरीका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने एक बार फिर होर्मुज जलडमरूमध्य को वैश्विक चिंता का विषय बना दिया है। यदि यह समुद्री मार्ग लंबे समय तक बाधित रहता है, तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार व्यवस्था प्रभावित होगी। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि क्षेत्रीय संघर्ष अब वैश्विक संकट का रूप ले सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। प्रतिदिन दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति इसी रास्ते से होती है। जहाजों की आवाजाही अगर बाधित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आना स्वाभाविक है। *- संकेत अग्रवाल, धमतरी*

ट्रेंड

अदम्य कौशल

भारतीय महिला क्रिकेट के एक नए दौर की शुरुआत। इंग्लैंड के खिलाफ आज का टेस्ट मैच जीतने के लिए हमारी महिला क्रिकेट टीम को बधाई। यह भारतीय महिला क्रिकेट के अदम्य कौशल का प्रतीक है।

- **अमित शाह**, केंद्रीय गृहमंत्री

डबल-इंजन' सरकार

भारत सरकार पश्चिम बंगाल के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। 'डबल-इंजन' सरकार कदम-से-कदम मिलाकर और कंधे-से-कंधा मिलाकर आगे बढ़ेगी। पश्चिम बंगाल को तरक्की और विकास के मामले में देश में नंबर वन बनाने के लिए हर संभव कोशिश की जाएगी।

-**शिवराज सिंह चौहान**, केंद्रीय कृषि मंत्री

शिक्षा व्यवस्था

भ्रष्ट, अन्यायपूर्ण, पक्षपाती और बेईमान - ये चार शब्द मेरे नहीं हैं, बल्कि देश के छात्र आज भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। सच तो यह है कि भारत की शिक्षा व्यवस्था अब जबरन वसूली का एक बेईमान ज़रिया बन गई है।

- **राहुल गांधी**, सांसद, कांग्रेस

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

सीजेपी का जंतर-मंतर पर कई दिनों से विरोध-प्रदर्शन चल रहा है। सोनम वांगचुक वहां कई दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। हम उनकी मांगों का समर्थन करते हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

-**अरविंद केजरीवाल**, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

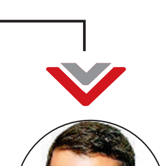

करंट अफेयर

यूरोप में भीषण गर्मी भौंरों के लिए साबित हो रही जानलेवा

संभव है कि गर्मियों के महीनों में आपको अपने आस-पास फुटपाथ पर मरे हुए भौंरे (बम्बलबीज) दिखाई दें। इसके पीछे कई कारण हैं जिनमें कुछ मौसमी और काफी हद तक इंसानी गतिविधियां हैं। भौंरे सामाजिक होते हैं और कॉलोनियों में रहते हैं। इन कॉलोनियों को बहुत सक्रिय मजदूर भौंरें चलाते हैं, जिनकी उम्र बहुत छोटी यानी चार से छह हफ्ते की होती है। इसका अभिप्राय है कि काफ़ी कम समय में ही बूढ़े होकर ये भौंरें मर जाते हैं और कॉलोनी में बीमारी फैलने से रोकने के लिए, स्वस्थ युवा मजदूर भौंरे मरे हुए भौंरों को बाहर निकालकर कॉलोनी से काफ़ी दूर ले जाते हैं। एक और वजह मौसम है। 2026 में इंग्लैंड में जून का महीना अब तक का सबसे गर्म रहा (और पूरे ब्रिटेन के लिए यह दूसरा सबसे गर्म महीना था) और इस गर्मी में तापमान के और भी ज्यादा रहने की आशंका है। इस तरह की अत्यधिक गर्मी से भौंरों में तनाव पैदा होता है। लंबे समय तक गर्मी के संपर्क में रहने से उनके विकास पर असर पड़ता है और उनकी आबादी की लंबे समय की स्थिरता खतरे में पड़ जाती है। भीषण गर्मी का नकारात्मक असर इन भौंरों के प्रजनन, उड़ने और भोजन की तलाश करने की क्षमता पर भी पड़ता है।

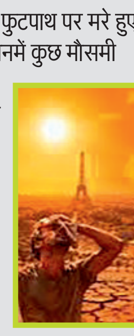

ऑफ बीट

साइकिल चलाना पैदल चलने से चार गुना ज्यादा प्रभावी

साइकिलिंग के माध्यम से लोग चलने या दौड़ने की तुलना में कम ऊर्जा खपत पर तेज और दूर तक सुविधाजनक तरीके से सफर करने में सक्षम होते हैं।

लेकिन आखिर पैदल चलने की तुलना में साइकिलिंग इतनी आसान क्यों लगती है? इसका जवाब छिपा है उस सुव्यवस्थित जैव-यांत्रिकी में जो साइकिल का हमारे शरीर के साथ तालमेल बनाती है। लेकिन यह सरलता एक ऐसी इंजीनियरिंग को छिपाए हुए है, जो मानव शरीर की संरचना और क्रिया प्रणाली से बिल्कुल मेल खाती है। जब हम चलते या दौड़ते हैं तो असल में हमारा झुकाव एक नियंत्रित तरीके से आगे की ओर रहता है और हर कदम पर खुद को संभालते हैं। हमारे पैरों को हर कदम पर एक बड़े दायरे में आगे बढ़ाना पड़ता है, हर कदम पर पैरों को गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध ऊपर उठाना पड़ता है। सिर्फ इस क्रिया में ही शरीर की बहुत सारी ऊर्जा खर्च होती है। साइकिल पर, आपके पैर बहुत छोटी गोलाकार गति में घूमते हैं। हर क्रिया पर अपने पूरे पैर का वजन उठाने के बजाय, आप बस अपनी जांघों और पिंडलियों को एक संकुचित पैडल वाली साइकिल पर घुमाते हैं। इस वजह से शारीरिक ऊर्जा की बचत तुरंत महसूस होती है। लेकिन असली दक्षता यह है कि मानव ताकत ऐसी ऊर्जा में बदल जाती है जो साइकिल को आगे बढ़ाती है।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर

फोन: 401050,271016,फैक्स-271018

ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com

वेब-साइट: www.haribhoomi.com

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

शहर से लगे गांव भी बन जाते हैं टापू, कहीं नाव चलती है, कहीं पैसे देकर पार करते हैं रास्ता

हरिभूमि लगातार

जंगल-पहाड़ या दूरदराज के गांवों की बात छोड़िए। यहां शहर से लगे गांव थोड़ी सी बारिश के बाद टापू बन जाते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है राजनांदगांव का जंगलेशर, जिसकी शहर से दूरी सिर्फ 7 किलोमीटर है, लेकिन भारी बारिश में यहां सड़क पर नाव चलती है। इसीतरह दुर्ग से लगा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र का गांव आलबरस में पुलिया में बाढ़ आने से रास्ता बंद हो जाता है। तीर्थनगरी राजिम में कहीं गांव तलाशने की जरूरत नहीं है, यहां शहर ही बाढ़ के कारण दो भागों में बंट जाता है। एक वार्ड से दूसरे वार्ड में जाने का रास्ता बंद रहता है।

बारिश होते ही 7 गांवों की 12 हजार आबादी की आवाजाही होती है प्रभावित

दिलीप साहू ▶▶| निकुम (दुर्ग)

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में तांदुला नदी के किनारे बसा गांव आलबरस। हर साल इस गांव का बारिश के दिनों में संपर्क जिला मुख्यालय से टूट जाता है। इससे ग्रामीणों को दूसरी लंबी दूरी के मार्गों का इस्तेमाल करना पड़ता है। निकुम से कोनारी होकर दुर्ग को जोड़ने वाली यह 10 किलोमीटर लंबी सड़क बारिश के दिनों में ग्रामीणों के लिए मुसीबत का सबब बनी हुई है। इस मार्ग से निकुम, आलबरस, खुर्सीपार, खुरसुल, आमदी, भासाभाठ, मोहंती की ओर जाया जाता है। बारिश होते ही नाला ऊफान पर आ जाता है और रास्ता बंद हो जाता है। पिछले दिनों हुई बारिश के बाद करीब 3 दिनों तक यह मार्ग बंद रहा।

■ यहां सड़क पर चलती है नाव,टापू में तब्दील हो जाता है गांव

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से निकुम से कोनारी सड़क मार्ग से से सीधे दुर्ग का रास्ता आसान है, क्योंकि राहगीरों को दुर्ग और ट्रैफिक से राहत मिलती है, लेकिन विभागीय अधिकारियों के अनदेखी व क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से पुल की मांग का असर अब ▶▶|शेष पेज 6 पर

तेज बहाव पर पैसे लेकर पार कराए जाते हैं वाहन

बता दें कि इस मार्ग पर बारिश के दिनों में नाले के ऊफान पर रहने के दौरान पैसे लेकर वाहन पार कराए जाते हैं। ग्रामीण वाहन को लादकर नाला पार करते हैं। इस दौरान टायर ट्यूब की भी मदद ली जाती है। स्कूली बच्चों, मरीजों, किसानों और आम ग्रामीणों को बाजार, अस्पताल तथा अन्य जरूरी कार्यों के लिए आने-जाने में घंटों पानी कम होने का इंतजार करना पड़ता है।

हफीज खान ▶▶| राजनांदगांव

शहर के समीप ही नगर निगम और जिला मुख्यालय से महज 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम जंगलेशर के लिए बारिश राहत नहीं बल्कि आफत लेकर आती है। बीते कई वर्षों से इस गांव के लोग बारिश अधिक होने पर टापू में फंस जाते हैं। उनके गांव का संपर्क सभी रास्तों से अन्य गांव से कट जाता है। उनके आवागमन के लिए कोई भी सड़क नहीं बचती है। जब तक रपटे से पानी नीचे नहीं उतरता है तब तक यहां से कोई कहीं नहीं जा सकता हैं, वह गांव के भीतर ही कैद हो जाते हैं। राजनांदगांव ▶▶|शेष पेज 6 पर

नाव से होता है आवागमन

अधिक बारिश होने पर ग्राम जंगलेशर का संपर्क सड़क मार्ग से बंद हो जाता है ऐसे में यहां किसी की तबीयत खराब हो तो एम्बुलेंस और आपातकालीन स्थिति में अन्य सुविधाएं भी नहीं पहुंच पाती है। दोनों सड़क के रपटों में पानी भरने के बाद पानी सड़क से उतरने तक लोग यहां फंसे रहते हैं। कई बार आवागमन आवश्यक हो तो नाव बुलानी पड़ती है और सड़क के ऊपर नाव चलाकर लोग उस पार से इस पार तक आते हैं। मरीज को भी नाव के जरिए ही लाया जाता है।

सड़क मार्ग हो जाता है बंद

ग्राम जंगलेशर जाने के लिए जंगलेशर-कान्हापूरी और जंगलेशर - मोहड़ मार्ग है। इन दोनों मार्ग पर ढलान में छोटी पुलिया है। अधिक बारिश होने पर जंगलेसर- मोहड़ मार्ग बंद हो जाता है क्योंकि इस मार्ग के रपटे से शहर के पानी का बहाव होता है। वहीं जंगलेशर- कन्हारपुरी मार्ग के समीप स्थित शिवनाथ नदी में बाढ़ आने के चलते इस मार्ग के रपटे में नदी के बाढ़ का पानी भर जाता है।

राजिम शहर के पथर्री नाले के ऊपर बहता है दो फीट पानी

श्यामकिशोर शर्मा ▶▶| राजिम

धर्मनगरी राजिम के विकास की चर्चा जितनी तेजी से हो रही है, उतनी ही गंभीर एक पुरानी समस्या आज भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। राजिम-घटारानी-छुरा मार्ग पर राजीवलोचन महाविद्यालय से पहले स्थित पथर्री नाला हर बारिश में लोगों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा देती है। थोड़ी देर की तेज बारिश होते ही नाले के ऊपर घुटने से लेकर दो से ढाई फीट तक पानी बहने लगता है, जिससे इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि पानी चढ़ते ही राजिम शहर मानो दो हिस्सों में बंट जाता है। राजिम का वार्ड क्रमांक 14 और 15 सहित इस मार्ग से जुड़े पीपरछेड़ी, भैंसातरा, बेलटुकरी, कौंदकेरा, घटारानी ▶▶|शेष पेज 6 पर

सीएजी ने पकड़ी गड़बड़ियां, 78 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक ही नल कनेक्शन पहुंचा

11 हजार करोड़ खर्च, फिर भी जल जीवन सूखा, देश में 23वें स्थान पर छत्तीसगढ़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ ने जल जीवन मिशन पर मार्च 2024 तक 11,034.26 करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन इसके बावजूद ग्रामीण परिवारों को क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के मामले में राज्य देश में केवल 23वें स्थान पर रहा। यह जानकारी भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की प्रदर्शन लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सामने आई है, जिसे मंगलवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा में पेश किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार अगस्त 2019 में जल जीवन मिशन शुरू होने के समय राज्य के केवल 3.20 लाख ग्रामीण परिवारों, यानी छह प्रतिशत, के पास क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन था। मार्च 2024 तक यह संख्या बढ़कर 38.97 लाख परिवारों (78 प्रतिशत) तक पहुंची, लेकिन इस प्रगति के बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ की रैंकिंग 23वीं रही। सीएजी ने कहा है कि मिशन की प्रगति अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच सकी क्योंकि योजना निर्माण, परियोजनाओं के क्रियान्वयन, वित्तीय प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था में कई गंभीर कमियां रहीं।

■ हर घर जल' लक्ष्य, परियोजनाओं पर महालेखा परीक्षक ने उठाए सवाल

हर घर जल' लक्ष्य, परियोजनाओं पर महालेखा परीक्षक ने उठाए सवाल

ये लक्ष्य रह गया अधूरा

सीएजी के अनुसार राज्य का कोई भी जिला या विकासखंड सभी ग्रामीण परिवारों तक शत-प्रतिशत नल कनेक्शन पहुंचाने का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया। धमतरी में सबसे अधिक 98 प्रतिशत और बलौदाबाजार में 76 प्रतिशत कवरेज दर्ज की गई, जबकि 15 जिलों में यह 56 से 74 प्रतिशत के बीच रही। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मिशन के लिए आवश्यक 'बॉटम-अप प्लानिंग' का पालन नहीं किया गया। ग्राम कार्ययोजनाएं तैयार किए बिना जिला योजनाएं बनाई गईं और राज्य कार्ययोजना तैयार ही नहीं हुई। शुरुआती दो वर्षों की देरी के कारण राज्य 6,480.04 करोड़ रुपये की संभावित केंद्रीय और राज्य हिस्सेदारी का उपयोग नहीं कर सका।

172 योजनाएं ही पूरी

रिपोर्ट के मुताबिक मिशन के तहत स्वीकृत 29,153 एकल ग्राम जलापूर्ति योजनाओं में से मार्च 2024 तक केवल 172 ही पूरी हो सकीं। इनमें भी मात्र 32 योजनाएं संचालन एवं रखरखाव के लिए ग्राम पंचायतों या सामुदायिक संस्थाओं को सौंपी गई थीं।'हर घर जल' प्रमाणन में भी बड़ा अंतर सामने आया। मार्च 2024 तक राज्य के सभी 19,656 गांवों को प्रमाणित करने का लक्ष्य था, लेकिन केवल 716 गांव (3.64 प्रतिशत) ही प्रमाणित किए जा सके। लेखा परीक्षा में ऐसे मामले भी मिले, जहां जलापूर्ति व्यवस्था पूरी नहीं होने के बावजूद गांवों को 'हर घर जल' घोषित कर दिया गया।

कंटेनरों में होगी उर्वरक और फ्लाई ऐश की ढुलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण नीतिगत सुधारों की घोषणा की है। इनमें उर्वरकों और फ्लाई ऐश के परिवहन के लिए कंटेनर आधारित व्यवस्था, उद्योगों को नए वैगन डिजाइन करने की अनुमति, रेलवे भूमि अधिग्रहण के लिए डिजिटल पोर्टल तथा रेलवे परियोजनाओं में कार्यरत श्रमिकों के लिए कौशल प्रमाणन प्रणाली शामिल है। मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में रेल मंत्री ने कहा कि देश में उर्वरकों के परिवहन का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा भारतीय रेलवे के माध्यम से होता है।

■ रेलवे में बड़े सुधारों का ऐलान

आईएमडी ने जारी किया पूर्वानुमान

मानसून सक्रिय, होगी हल्की बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार 15 जुलाई को देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून सक्रिय रहेगा। पूर्वोत्तर भारत में अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। इसके साथ ही कुछ जगहों पर भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। बिहार, झारखंड, ओडिशा, गंगीय पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी ▶▶|शेष पेज 6 पर

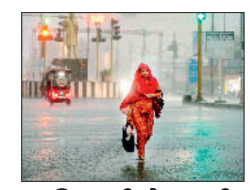

बारिश की चेतावनी

आईएमडी ने रथयात्रा के दौरान तीर्थनगरी पुरी सहित ओडिशा के कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की। मौसम प्रणाली के प्रभाव से बुधवार से शुक्रवार सुबह तक पुरी में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

केरल, कर्नाटक के मौसम का हाल

दक्षिण भारत में केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। कुछ इलाकों में गरज के साथ बौछारें और तेज हवाएं भी चल सकती हैं। दक्षिण के कुछ तटीय क्षेत्रों में उमस बनी रह सकती है।

वैष्णोदेवी में 500 करोड़ की नकली चांदी का चढ़ावा, जांच अधिकारी को किया तलब

एजेंसी ▶▶| जम्मू

श्री माता वैष्णो देवी मंदिर से जुड़े करीब 500 करोड़ रुपए के नकली चांदी चढ़ावे के मामले में कोर्ट ने क्राइम ब्रांच के जांच अधिकारी को संबंधित रिकॉर्ड के साथ तलब किया गया है। जम्मू के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की अदालत ने यह निर्देश दिए। अगली सुनवाई 29 जुलाई को होगी। बीते नौ मई को एडवोकेट दीपक शर्मा ने आईजी क्राइम ब्रांच जम्मू और एसएसपी क्राइम ब्रांच ईओडब्ल्यू जम्मू के समक्ष शिकायत की थी।

शिकायतकर्ता की आपत्तियां

शिकायतकर्ता ने सोमवार को इस स्टेटस रिपोर्ट पर आपत्तियां दर्ज कीं। तर्क दिया गया कि क्राइम ब्रांच को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अनुसार शिकायत से कानूनी तौर पर निपटना था।

क्या है मामला

विवाद तब शुरू हुआ, जब करीब 20 टन जमा हुई चांदी का करीब 550 करोड़ रुपये कीमत का चढ़ावा टेस्टिंग, मेल्टिंग और प्रोसेसिंग के लिए भेजा गया। इसमें लगभग पांच से छह फीसदी मटीरियल ही असली चांदी पाया गया। बाकी में कैडमियम, लोहा और दूसरे घटिया मेटल की मिलावट सामने आई।

सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

राम मंदिर में सुनियोजित थी चोरी : अविमुक्तेश्वरानंद

बहराइच। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मंगलवार को आरोप लगाया कि सरकार ने राम मंदिर ट्रस्ट में 'अपने चुने हुए लोगों' को बैठाया ताकि कथित 'चोरी' कराई जा सके। उन्होंने यह भी दावा किया कि मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) उन्हें (आरोपियों को) 'क्लीन चिट' देगा। शंकराचार्य ने गौ संरक्षण को लेकर निकाली जा रही जनजागरण यात्रा के दौरान बहराइच जिले के पयागपुर में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मंदिरों का निर्माण और प्रबंधन धार्मिक नेताओं के हाथ में ही होना चाहिए। उन्होंने कहा, यह कोई आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित कृत्य है।

कच्चे तेल में तेजी से सहमा शेयर बाजार

निवेशकों के डूब गए तीन लाख करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कच्चे तेल के दाम में तेजी के बीच स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। बीएसई सेंसेक्स 561 अंक टूट गया जबकि एनएसई निफ्टी में 159 अंक की गिरावट आई। बीएसई मार्केट कैप 482.41 लाख करोड़ रुपए से 3 लाख करोड़ रुपए कम होकर 479.40 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। ▶▶|शेष पेज 6 पर

कुछ फायदा, कुछ नुकसान

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में एचसीएल टेक में सबसे अधिक 4.42 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा बजाज फिनसर्व, इंटरग्लोब एविएशन, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो भी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

पश्चिम एशिया तनाव

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी तेजी आई। इससे घरेलू शेयर बाजार पर फिर से दबाव बढ़ गया। इससे यह आशंका पैदा हुई है कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में समस्या भारत में कंपनियों की कमाई में सुधार को और धीमा कर देंगी।

विदेशी बाजारों का ऐसा हाल

एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त के साथ बंद हुए। हांगकांग के हैंग सेंग में भी तेजी रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे।

सुरता

डा.गीतेश कुमार

पंडवानी विधा ल जन जन म बगरइस पद्म विभूषण तीजन बाई

देश-विदेश म पंडवानी के माध्यम ले अपन एक अलगे पहिचान बनइया तीजन बाई के जनम छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला के गनियारी गांव म 24 अप्रैल 1956 म एक ठन पारधी परिवार म होइस। जीव-जंतु मन के शिकार करना पारधी समुदाय के काम रहाय। उंकर पिता के नाम हनुक लाल पारधी अउ महतारी के नांव सुखमती देवी रिहिस। छत्तीसगढ़ के लोक परब तीजा के दिन जनम होय के सेति वोकर नांव तीजन बाई रखे गिस। परिवार म गरीबी रिहिस। नानपन अब्बड़ अभाव म बीतिस। तीजन बाई पढ़ाई नइ कर पाइस पर अपन मिहनत अउ दृढ़ इच्छाशक्ति ले पंडवानी के माध्यम ले दुनिया म राज करिस ।

तीजन बाई ह नौ बछर के उमर म अपन चचेरा नाना बृज लाल पारधी ल पंडवानी गावत सुनिस। वोकर मन पंडवानी कोति रमगे अउ अपन नाना ले पंडवानी सीखे बर चालू कर दिस। बारह बछर के उमर म बिहाव होगे। जब तीजन बाई ह मंच म पंडवानी गायन चालू करिस त परिवार अउ समाज म अब्बड़ विरोध होइस। तेरह बछर के उमर म जब वोहा मंच म पंडवानी के गायन करत रिहिन त वोकर बाबूजी ह नंगत भड़क के प्रस्तुति ल रोके बर बोलिस पर तीजन बाई नइ मानिस। येला अपन कला के अपमान मानिस अउ अपन बाबू जी ल किहिस आज ले तोर मोर कोनो नता नइ हे। अइसन परिस्थिति म तीजन बाई ल खुद के घर से निकाल देय गिस। कलाकारी के कारण वोकर पहिली शादी टूटगे। दूसरा बिहाव ह घलो सफल नइ होइस। तीन जीवन साथी मन वोकर संग छोड़ दिस। अपन दू बेटा अउ एक झन गोद बेटा ल घलो खो दिस पर विपरीत परिस्थिति म घलो अपन कला ल नइ छोड़िस।

पहिली सार्वजनिक कार्यक्रम चंदखुरी म : तीजन बाई सन 1973 म पंडवानी गायन के शुरुआत करिन। पहिली सार्वजनिक कार्यक्रम चंदखुरी म होइस। येकर आयोजन मालगुजार भूषण लाल देशमुख ह करे रिहिन।

हबीब तनवीर ले भेंट फेर जिनगी म बदलाव:

तीजन बाई के भेंट भोपाल म देश के जाने-माने रंगकर्मी हबीब तनवीर ले होइस। तनवीर जी कला के पारखी रिहिन। वोहा तीजन बाई के प्रस्तुति ले अब्बड़ प्रभावित होइस अउ तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ले तीजन बाई के भेंट कराइस। इंदिरा गांधी घलो तीजन बाई के गायन शैली ल खूब पसंद करिन। येकर बाद फिल्म निर्देशक श्याम बेनेगल ह तीजन बाई के अद्भुत शैली ल देखके अपन टीवी धारावाहिक '' भारत एक खोज'' म पंडवानी गायन बर नेवता दिस।

भिलाई स्टील प्लांट म नौकरी : वोकर प्रतिभा के कदर करके भिलाई स्टील प्लांट म सरकारी नौकरी दे गिस। येकर ले उंकर जिनगी के गाड़ी बने चले लगिस अउ निश्चिंत होके देश के संगे संग विदेश म घलो पंडवानी के प्रस्तुति दे लगिस। बछर 1985 म फ्रांस म होय भारत महोत्सव म अपन विशिष्ट शैली ले धूम मचा दिस। तीजन बाई भले निरक्षर रिहिन पर वोहा पंडवानी के डाक्टर रिहिन। बछर 2003 म बिलासपुर विश्व विद्यालय अउ 2006 म रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर ह डी. लिट के मानद उपाधि ले सम्मानित करिन। पंडवानी के डाक्टर तीजन बाई ह 5 जुलाई 2026 के ये दुनिया ल छोड़ के चले गिस। उत्कृष्ट पंडवानी गायन बर तीजन बाई भारत सरकार द्वारा बछर 1987 म पद्मश्री, 2003 म पद्मभूषण, फुकुओका सम्मान, जापान (2018), पद्म विभूषण 2019, संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप सम्मान 2022 ले सम्मानित होय रिहिन हे। पंडवानी महर्षि वेदव्यास रचित महाभारत कथा के छत्तीसगढ़ी लोक रुप हरे।

संस्कृति

डा. पी सी लाल यादव

जगन्नाथ परब और महाप्रसाद

महाप्रसाद जगन्नाथ जी के मंदिर में मिलने वाला प्रसाद है जो चावल से बना होता है। जब लोग जगन्नाथ पुरी की यात्रा करते हैं तो महाप्रसाद अवश्य लाते हैं तथा किसी न किसी के साथ महाप्रसाद अवश्य बदते हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि अन्य देवी देवताओं व मंदिरों में चढ़ने वाली सामग्री को प्रसाद कहा जाता है, जबकि जगन्नाथ जी का प्रसाद ही महाप्रसाद कहलाता है। यहां भी जगन्नाथ जी की लीला, रूप और रथ यात्रा में अनोखेपन होने की तरह महाप्रसाद में भी अनोखा पल दृष्टिगोचर होता है। महाप्रसाद तो छत्तीसगढ़ी लोकजीवन का सांस्कृतिक आधार है, जिसमें परस्पर प्रेम और आत्मीय मित्रता की दैवीय महिमा लोगों को नेह और अनुराग के सूत्र में बांधती है। इस दृष्टि से भी रथ दूज का अपना सांस्कृतिक महत्व है।

छत्तीसगढ़ की जगन्नाथपुरी शिवरीनारायण

परंपरा

डा . अशोक आकाश

शिवरीनारायण छत्तीसगढ़ का मुख्य तीर्थ स्थल है इसे छत्तीसगढ़ की जगन्नाथपुरी भी कहा जाता है। जो मान्यता विश्व स्तर में पूरी के जगन्नाथ धाम को प्राप्त है वही मान्यता हमारे छत्तीसगढ़ में शिवरीनारायण को प्राप्त है। प्राचीन काल में भगवान जगन्नाथ जी तीनों विग्रह के साथ यही विराजमान रहे, किंतु कालान्तर में उन तीनों विग्रहों को जगन्नाथपुरी ले जाया गया। शिवरीनारायण का यह धार्मिक स्थल छत्तीसगढ़ के जन-जन में आस्था का केंद्र-बिंदु है। कहा जाता है कि यहां भगवान जगन्नाथ गुप्त रूप में निवास करते हैं। भगवान जगन्नाथ स्वामी के प्रति हम छत्तीसगढ़ियों की आस्था का प्रतिफल है यहाँ दूज डोल यानी रथ दूज छत्तीसगढ़ का मुख्य त्यौहार है ।

शिवरीनारायण धाम हिंदुओं के धार्मिक आस्था के प्रतीक चार धाम उत्तर में बद्रीनाथ, दक्षिण में रामेश्वरम, पूर्व में जगन्नाथ पुरी और पश्चिम में द्वारिका धाम की तरह ही एक धाम है जो कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से 120 किलोमीटर की दूरी पर महानदी अर्थात चित्रोत्पला, शिवनाथ नदी और जोंक नदी के संगम स्थल पर स्थित है। इसे छत्तीसगढ़ के प्रमुख तीर्थ स्थल के रूप में जाना जाता है। यहाँ भगवान श्री राम वनवास के दौरान माता सीता के हरण के बाद भाई लक्ष्मण के साथ माता सीता को वन-वन ढूंढते हुए पहुँचे थे।

माता शबरी की साधना और तपस्या के फलस्वरुप भगवान श्री राम जी को मतंग ऋषि की भविष्यवाणी को सार्थक करने एक दिन आना ही पड़ा। माघ पूर्णिमा और दूज डोल यानी रथदूज यानी रथ यात्रा यहाँ का मुख्य पर्व है। माघी पूर्णिमा में 3 दिन का पारंपरिक मेला स्नान दान पुण्य और उपासना से हिन्दुत्व का जयघोष होता है, छत्तीसगढ़ के कोने कोने से लोग यहां पहुंचते हैं। शिवरीनारायण अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ फल फूल रहा है इसे राज्य शासन द्वारा धर्मनगरी घोषित कर दिया गया है। छत्तीसगढ़िया रीति नीति के लिए चर्चित यह तीर्थ स्थल अपने मंदिरों की निर्माण कला, भव्यता एवं चमत्कृत कर देने वाले नक्काशी के कारण विश्व प्रसिद्ध हो सकता है। यहाँ का राम नाम बैंक विश्व प्रसिद्ध है, भगवान श्री राम के भक्तों द्वारा लिखी गई राम नाम पत्रिका का विशाल संग्रह दर्शनीय है। शिवरीनारायण नगरी हर युग में अपने अलग-अलग नामों के साथ वैश्विक पहचान बनाती रही है , सतयुग में इसे बैकुंठपुर,त्रेता युग में रामपुर, द्वापर युग में विष्णुपुर एवं नारायणपुर के नाम से इन्हें ख्याति मिली थी। मतंग ऋषि के गुरुकुल आश्रम और माता शबरी की तपःस्थली, भगवान जगन्नाथ का निवास स्थान होने के कारण इसे तीर्थ का दर्जा प्राप्त है।

धार्मिक

घनश्याम सिंह नाग

बड़े डोंगर में उत्साह के साथ मनाया जाता है रथ यात्रा पर्व

अभिलेखीय प्रमाण से ज्ञात होता है कि काकतीय वंश के चतुर्थ पीढ़ी के राजा पुरुषोत्तम देव हुए, उनकी राजधानी बड़े डोंगर थी। राजा पुरुषोत्तम देव ने पेट के बल चलते हुए जगन्नाथ पुरी की यात्रा की थी तथा भगवान को द्रव्य, रत्न आदि भेंट किए थे। भगवान जगन्नाथ जी प्रसन्न होकर पुरी के राजा को स्वप्न में आदेश दिया कि बस्तर से मेरा परम भक्त आया है, उनको सम्मान के साथ रथ भेंट करें। भगवान के आदेश का पालन करते हुए पुरी के राजा ने रथ भेंट कर पुरुषोत्तम देव को सम्मानित किया। पुरी में कुछ दिन व्यतीत करने के पश्चात पुरुषोत्तम देव रथ लेकर बस्तर वापस आए और अपनी राजधानी में रथ परिचालन कर रथयात्रा पर्व का शुभारम्भ किया। तब से यहां रथ यात्रा पर्व श्रद्धा के साथ मनाई जाती है। यह परंपरा राजधानी बदलने के साथ बड़े डोंगर से ग्राम बस्तर होते जगदलपुर चली गई और रथ यात्रा का पर्व यहां होने लगा, जो गोंचा तिहार के नाम से प्रसिद्ध हो गया।

तीज तिहार: डा. ज्योति किरण चंद्राकर

अंचल में रथ यात्रा का महत्व

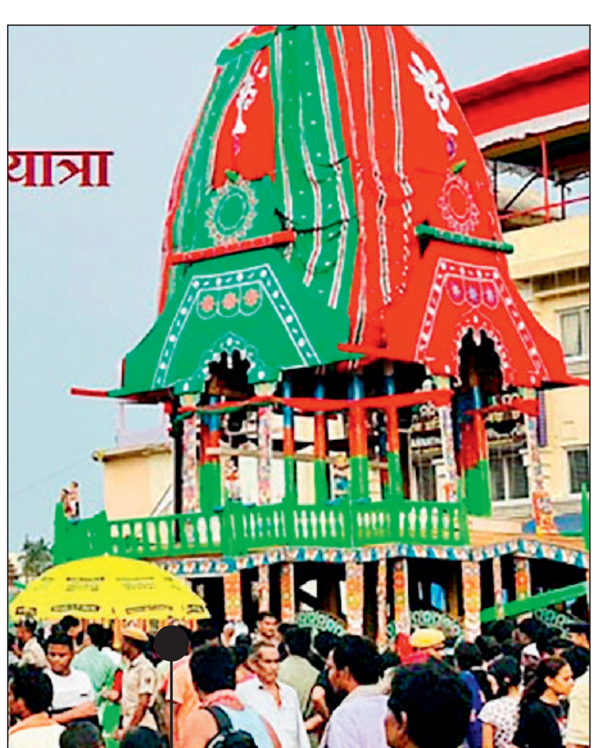

रथ यात्रा का त्यौहार जगन्नाथ पुरी की तरह छत्तीसगढ़ अंचल में आसाढ़ मास शुक्ल पक्ष द्वितीया को सामूहिक रूप से सभी जाति के लोगों द्वारा मनाया जाता है। इस दिन लोग घर में चना मूंग भीगाकर उसमें गुड़ मिलाकर जगन्नाथ जी में भोग लगाकर कृष्णजी की आरती श्रद्धापूर्वक करते हैं। गांव तथा शहरों में इस पर्व को धूमधाम से मनाई जाती है। रथ यात्रा के दिन रथ में भगवान कृष्ण, बलभद्र व सुभद्रा तीनों एक साथ बैठे होते हैं। रथ की झांकी को पूरे शहर में भ्रमण कराया जाता है। आसपास के गांव से श्रद्धालु एकत्रित होकर रथ खींचकर धार्मिक भावना व्यक्त करते हैं। गजामूंग प्रसाद का वितरण किया जाता है। रथ यात्रा के दिन बहू लाने, बेटी विदा करने, गोद भराई, गृह प्रवेश और नया व्यवसाय जैसे शुभ कार्य करते हैं। पूर्व समय में लोग मित्रता गहरा करने के लिए गजामूंग बदना करते थे। गजामूंग बदने वाले लोग एक दूसरे का नाम न लेकर सीताराम गजामूंग कह कर अभिवादन करते थे।

ऐतिहासिक

डा. मुक्ति बैस

पुरी की तरह बदली जाती है मूर्तियां

रायपुर शहर के पुरानी बस्ती का जगन्नाथ मंदिर लगभग पांच सौ वर्ष पुराना माना जाता है। इसी तरह सदर बाजार स्थित मंदिर को दो सौ वर्ष पुराना बताया जाता है। पुरी की तरह यहां के अन्य ऐतिहासिक जगन्नाथ मंदिरों में हर बारह वर्ष बाद मूर्तियों को बदलने की परम्परा है। मूर्तियां बदलने के बाद पुरी से मंगाई मूर्तियों को पूजा अर्चना के बाद प्रतिष्ठित किया जाता है। प्रति वर्ष 11पंडितों द्वारा हवन पूजन में चंदन, केशर, कस्तूरी और कपूर से भगवान को स्नान कराया जाता है। रथ यात्रा के दौरान ओडिशा से मंगाई गई पोशाक और गहनों से विशेष श्रृंगार किया जाता है। प्रति वर्ष भक्त यहां के मंदिरों में रथ यात्रा में शामिल होकर रथ खींचने के लिए आते हैं। भक्तों को अंकुरित चना और मूंग का प्रसाद वितरण किया जाता है।

मास विशेष :डा.राघवेन्द्र कुमार 'राज'

हरियाली की छटा आषाढ़ मास में

छत्तीसगढ़ की दिव्य भूमि में प्रकृति की अलौकिक छटा देखी जा सकती है। 'छत्तीसगढ़' प्रकृति की गोद में पला -बढ़ा सा जान पड़ता है।तब लोकधरा गा उठती है-

झुमर -झुमर के बरसे बरखा,
रिमझिम- रिमझिम पानी गा।
चुचवावय ओढ़वाती भइया,
अऊ भीजे खपरा छानी गा।
ओहो तता- तता के भाखा गुंजे,
चले सुघ्घर बबा के किसानी गा।

'आषाढ़' का सहज अर्थ यह है कि- जिसके आड़ में आस की पूर्ति हो। दूसरे शब्दों में पूर्वाषाढ़ा और उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के ऊपर और आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि को चंद्र दोनों नक्षत्रों के मध्य रहता है। किसान खेतों में उम्मीद का बीज बोता है। उम्मीद की नींद में सोता है और

जागता है। तभी तो आषाढ़ का रौद्र रूप भी प्यारा लगने लगता है। तब नारायणलाल परमार की लेखनी जीवंत हो उठती है-

₹काले -काले बादल भी,
नभ में चले दहाड़ के।
आंधी इतराने लगी,
लगते ही 'आषाढ़' के।

'आषाढ़' लौकिक दृष्टि से ही नहीं अपितु अलौकिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण रहा है। 'आषाढ़' मास कृष्ण पक्ष की 'संकष्टी चतुर्थी' -संतान सुख, आषाढ़ 'अमावस्या' -पितृदोष शांति, शुक्लपक्ष द्वितीया -भगवान जगन्नाथ की पावन रथकर्षण का सामीप्य सुख रथयात्रा, शुक्लपक्ष एकादशी- प्रचुर वृष्टि,सुख,धन-धान्य और पूर्णिमा तिथि - व्यास एवं गुरूपूजा का सौभाग्यवर्द्धक अवसर प्रदान करता है। आषाढ़ कृष्ण पक्ष चतुर्थी 'संकष्टी चतुर्थी'। जिसे 'वक्रतुंडी चतुर्थी' भी कहा जाता है। आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी अर्थात 'देवशयनी एकादशी '।जिसे 'पद्मा एकादशी' भी कही जाती है। ऐसी पौराणिक मान्यता है कि -उक्त तिथि में भगवान विष्णुजी समस्त देवताओं के साथ योग निद्रा में चले जाते हैं। इसलिए विवाह और शुभ कार्य निषेध होता है।

आषाढ़ पूर्णिमा- ऋषि पराशर के पुत्र और महर्षि वशिष्ठ के पौत्र वेदव्यास की चरण पूजा के लिए प्रख्यात है। आषाढ़ और माघ मास की नवरात्रि को 'गुप्त नवरात्रि' कही जाती है। 'आषाढ़' में तंत्र और शक्ति उपासना के लिए गुप्त नवरात्रि होती है। इसके अतिरिक्त मंगल, सूर्य, भगवान विष्णु के अलावा देवी उपासना का विधान है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

खबर संक्षेप

तसलीमा 20 साल बाद आएंगी पश्चिम बंगाल

कोलकाता। बांग्लादेश से निर्वासित लेखिका तसलीमा नसरीन करीब 20 साल बाद कोलकाता लौट रही हैं। वे 1 अगस्त को कोलकाता के रवींद्र सदन में कट्टरपंथ-विरोधी एक कार्यक्रम में शिरकत करेंगी। इस कार्यक्रम में कवि और लेखक शिरकत कर रहे हैं। तसलीमा ने स्वयं सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की है। 2007 में तसलीमा नसरीन को शहर छोड़ना पड़ा था। तत्कालीन वामपंथी सरकार के दौरान तसलीमा के खिलाफ भारी विरोध प्रदर्शन हुआ था, जिससे कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो गई थी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद 10 लाख करोड़ की डिफेंस डील

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा खरीद का पैटर्न तेजी से बदला है। पिछले 14 महीनों में मंजूर रिकॉर्ड प्रस्तावों से संकेत मिलता है कि सेना को अब सिर्फ सीमित जवाबी कार्रवाई के लिए नहीं, बल्कि लंबी और मल्टीलेवल वॉर के लिए तैयार किया जा रहा है। डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने संघर्ष के बाद से 55 प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनकी कुल कीमत 9.80 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। यह रकम एक साथ खर्च नहीं होगी, बल्कि कई साल में अलग-अलग सौदों, निर्माण कार्यक्रमों और आधुनिकीकरण योजनाओं पर लगेगी।

आसाराम ने लगाई जमानत की गुहार

नई दिल्ली। नाबालिग से रेप के मामले में दोषी आसाराम ने सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई है और मेडिकल आधार पर जमानत मांगी है। सुप्रीम कोर्ट 17 जुलाई को इस मामले की सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम की मेडिकल आधार पर दायर जमानत याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग स्वीकार करते हुए मामले को 17 जुलाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया है। इससे पहले उन्हें इलाज के लिए मेडिकल आधार पर पहले भी जमानत मिली है और इलाज के बाद उन्हें दोबारा जेल में भर्ती किया गया। आसाराम फिलहाल रेप के एक मामले में सजा काट रहे हैं और उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी आधार पर राहत की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। अदालत ने फिलहाल केवल याचिका पर सुनवाई की तारीख तय की है।

धार भोजशाला केस में सुप्रीम कोर्ट ने दिया अंतरिम आदेश

नमाज के लिए मुस्लिम पक्ष को मिलेगी जगह लेकिन हाईकोर्ट के फैसले पर रोक से इंकार

धार भोजशाला विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने अहम अंतरिम आदेश देते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि अदालत ने मुस्लिम पक्ष को राहत देते हुए निर्देश दिया कि हर शुक्रवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक परिसर के नजदीक नमाज के लिए एक उपयुक्त खुली जगह उपलब्ध कराई जाए। साथ ही कोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को इमारत की मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव नहीं करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 15 मई को अपना फैसला सुनाया कि विवादित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर देवी सरस्वती को समर्पित एक मंदिर है। साथ ही कोर्ट ने एएसआई के दशकों पुराने उस आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें मुस्लिम समुदाय को इस जगह पर शुक्रवार की नमाज पढ़ने की इजाजत दी गई थी। हाईकोर्ट के इसी फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था और भोजशाल परिसर में नमाज पढ़ने की मंजूरी मांग थी, जिसे कोर्ट ने फिलहाल ठुकरा दिया है। चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली पीठ ने मुस्लिम पक्ष की याचिकाओं पर नोटिस जारी करते हुए कहा कि सभी पक्षों की सुविधा के अनुसार जल्द सुनवाई की जाएगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि मामले का जल्द निपटारा करने की कोशिश की जाएगी। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि अदालत में कही गई बातों का बाहर गलत अर्थ निकाला जा सकता है, इसलिए सभी को जिम्मेदारी के साथ अपनी दलीलें रखनी चाहिए। समाज में कोई गलत संदेश न जाए।

मुस्लिम पक्ष बोला- बिना मौका दिए बदल दी गई व्यवस्था

मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी ने दलील दी कि हाईकोर्ट के आदेश से पहले की व्यवस्था अचानक बदल दी गई और उन्हें सुप्रीम कोर्ट में अपील का अवसर तक नहीं मिला। उनका कहना था कि उन्हें धार्मिक गतिविधियों से पूरी तरह बाहर कर दिया गया है और हाईकोर्ट को अपने आदेश पर कुछ समय के लिए रोक लगानी चाहिए थी।

सॉलिसिटर जनरल बोले- दो महीने में हालात बदल चुके हैं

केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश को दो महीने हो चुके हैं और इस दौरान प्रशासन ने उसके अनुरूप कदम उठाए हैं। उन्होंने अदालत को बताया कि वर्तमान में वहां शांति बनी हुई है और इस स्तर पर व्यवस्था में बदलाव उचित नहीं होगा।

ज्ञानवापी विवाद : दोनों पक्षों ने कहा सिर्फ अदालत का फैसला मानेंगे

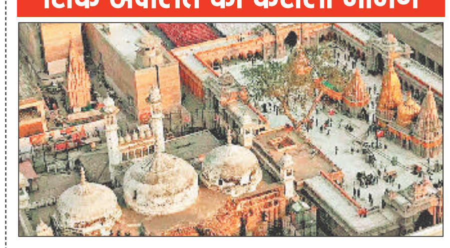

वाराणसी के ज्ञानवापी और श्रृंगार गौरी विवाद में मध्यस्थता के जरिए समाधान निकालने की सुप्रीम कोर्ट की पहल को बड़ा झटका लगा है। मंगलवार को वाराणसी के मध्यस्थता केंद्र में हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्ष पहुंचे, लेकिन बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंची। दोनों पक्षों ने स्पष्ट कर दिया कि वे इस मामले का समाधान मध्यस्थता के बजाय अदालत के फैसले से चाहते हैं। यह बैठक सुप्रीम कोर्ट की 'सुप्रीम कोर्ट एक्शन फॉर मेडिएटेड एडजुडिकेशन एंड डिस्प्यूट्स हार्मोनाइजेशन अक्रॉस नेशन' पहल के तहत आयोजित की गई थी। इस पहल का उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी सहमति से समाधान निकालने की संभावना तलाशना है। इसी क्रम में 21 से 23 अगस्त तक प्रस्तावित विशेष लोक अदालत से पहले पक्षकारों को मध्यस्थता केंद्र बुलाया गया था।

यह है मामला

ज्ञानवापी विवाद लंबे समय से अदालत में विचाराधीन है। यह विवाद वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर के बगल में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की धार्मिक प्रकृति को लेकर है। हिंदू पक्ष का दावा है कि मुगल काल में मंदिर को तोड़कर वहां मस्जिद बनाई गई थी। वहीं मुस्लिम पक्ष का कहना है कि यह वैध वक्फ संपत्ति है और हिंदू पक्ष के दावों को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा अदालत को हल्के में लिया

कॉमेडियन रैना पर 3 लाख का जुर्माना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मशहूर स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना को उनके शो इंडियाज गॉट लैटेंट के पुराने मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि कॉमेडियन अदालत के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसके बाद अदालत ने समय रैना पर तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा इस मामले में पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया और युट्यूबर आशीष चंचलानी पर भी जुर्माना लगाया गया है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समय ने अदालत को गुमराह किया है। बता दें कि समय रैना ने अपने शो पर दिव्यांग लोगों का मजाक उड़ाया था।

यह कहा था कोर्ट ने : कोर्ट ने समय को आदेश दिया था कि वो अपने शो में दिव्यांगों को इनवाइट करें। वहीं समय के साथ अन्य लोगों को निर्देश देते हुए कोर्ट ने कहा था कि वे दिव्यांग लोगों के इलाज के लिए बनाए गए फंड की मदद करते हुए हर महीने दो इवेंट कम से कम आयोजित करें. हालांकि समय और बाकी लोगों की तरफ से ऐसा कुछ नहीं किया गया।

चारा घोटाला केस में सुप्रीम कोर्ट का फैसला

लालू को राहत, जमानत रद्द करने से किया इंकार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने चारा घोटाला मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उनकी जमानत रद्द करने और सजा पर लगी रोक हटाने से इंकार कर दिया है। यह मामला प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की उस याचिका से जुड़ा है, जिसमें ईडी ने सुप्रीम कोर्ट से लालू यादव की जमानत रद्द करने की मांग की थी। कोर्ट ने इस मांग को खारिज करते हुए हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वह इस मामले में सजा के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई जल्द पूरी करे।

यह है मामला

दरअसल, लालू प्रसाद यादव और अन्य आरोपियों को चारा घोटाला मामले में साल 2018 में दोषी करार दिया गया था। इसके बाद उन्होंने अपनी सजा के खिलाफ अदालत में अपील दायर की थी, लेकिन यह अपील अब तक हाईकोर्ट में लंबित है। मामले की सुनवाई पूरी न होने के चलते कोर्ट ने साल 2021 में लालू यादव को जमानत दे दी थी।

832 टुकड़ों से सजता है जगन्नाथजी का रथ, ऊंचाई होती है 45 फीट

एजेंसी ▶▶ पुरी

पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा अब अंतिम दौर में है। देव प्रतिमाओं के रथों को सजाने का अब अंतिम दौर चल रहा है। रथयात्रा के एक दिन पहले भगवान जगन्नाथ का 'नैनासर' उत्सव मनाया जाएगा। इसके बाद 16 जुलाई को रथयात्रा निकाली जाएगी। पुरी की यह रथयात्रा जितनी विश्वप्रसिद्ध है, उससे भी अधिक रोचक है यहां रथ निर्माण की प्रक्रिया। पहले ये जान लीजिए कि भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र तीनों के लिए अलग-अलग रथ होते हैं। हर रथ की ऊंचाई, लंबाई चौड़ाई और रंग अलग होता है। इसके अलावा तीनों रथों के नाम भी अलग-अलग होते हैं। इन रथों के निर्माण में काष्ठ की संख्या, पहियों की संख्या भी अलग-अलग होती है।

- यात्रा के पहले मनाया जाएगा भगवान का 'नैनासर' उत्सव

16 जुलाई को निकाली जाएगी रथयात्रा, जानिए दिलचस्प बातें

देवी सुभद्रा के रथ में 593 लकड़ियां

भगवान की बहन देवी सुभद्रा के रथ का नाम देवदलन रथ है। इसे दर्पदलन भी कहते हैं। इसमें कुल काष्ठ खंडों की संख्या 593 होती है और 12 चक्कों पर खड़ा यह रथ महज 31 फीट लंबा 43 फीट ऊंचा होता है। खुद अर्जुन ही इस रथ के सारथी हैं और रथ की रक्षिका जयदुर्गा देवी हैं। रथ में लगे रस्से का नाम स्वर्णचूड़ नागुनी है और इस रथ की पताका नदंबिका कहलाती है। देवी सुभद्रा के रथ को जो चार घोड़े खींचते हैं उनके नाम रुचिका, मोचिका, जीत और अपराजिता हैं।

रथ पर सवार होते हैं नौ देवता

भगवान जगन्नाथ जी के रथ का नाम नंदीघोष है। इसे बनाने में कारीगर लकड़ी के 832 टुकड़ों का प्रयोग करते हैं। 16 चक्कों पर खड़े इस रथ की ऊंचाई 45 फीट होती है तो वहीं इसकी लंबाई 34 फीट होती है। रथ के सारथी का नाम दारुक, रक्षक गरुण, रथ की रस्सी शंखचूर्ण नागुनी और रथ पर त्रैलोक्य मोहिनी पताका फहराती है। इस रथ को जो चार घोड़े खींचते हैं, उनके नाम शंख, बहालक, सुवेत और हरिदश्व हैं। जगन्नाथ जी के रथ पर नौ देवता भी सवार होते हैं। इनमें वराह, गोवर्धन, कृष्णा, गोपीकृष्णा, नृसिंह, राम, नारायण, त्रिविक्रम, हनुमान और रुद्र शामिल होते हैं। जगन्नाथ जी के रथ को गरुणध्वज और कपिध्वज भी कहा जाता है।

राम मंदिर सीईओ पूर्व आईपीएस ठाकुर ने किया आवेदन

अयोध्या। अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पद के लिए पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने आवेदन किया है। उनके आवेदन के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में नई चर्चा शुरू हो गई है। ट्रस्ट पहले ही देशभर के योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित कर चुका है। चयन प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। राम मंदिर ट्रस्ट में हाल ही में सामने आए चढ़ावा चोरी विवाद के बाद प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। इसी क्रम में नए सीईओ की नियुक्ति का फैसला लिया गया। ट्रस्ट का मानना है कि नई नियुक्ति के जरिए मंदिर प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत किया जाएगा। इसी बीच अमिताभ ठाकुर का आवेदन चौंकाने वाला है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय समेत कई जिम्मेदार पदाधिकारियों के इस्तीफों के बाद नई नियुक्तियों की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

मुनीर की सेना ने पीओके में मचाया उत्पात

आम लोगों पर बरसाई गोलियां, 6 की गई जान

श्रीनगर। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आम लोगों पर अत्याचार थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को आसिम मुनीर की सेना और सुरक्षा बलों ने बिना किसी कारण के आम लोगों पर अचानक गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें कम से कम 6 निर्दोष नागरिकों की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया है और स्थिति बेकाबू होती जा रही है। बताया जा रहा है कि मंगलवार सुबह-सुबह पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने रावलकोट के मटियाल मीरा बस टर्मिनल क्षेत्र और सुधनोती जिले के बलोच इलाके में निहत्थे नागरिकों पर बल प्रयोग किया। अचानक हुई गोलीबारी से इलाके में भगदड़ मच गई और कई लोग इसकी चपेट में आ गए। रिपोर्ट के अनुसार, मरने वालों में मटियाल मीरा बस टर्मिनल के पास वाजिद हयात शामिल हैं। वहीं बलोच (सुधनोती) क्षेत्र में जाहिद मुगल, जफर मुगल, अर्सलान अकबर समेत अन्य नागरिकों की मौत हुई है। वहीं, इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में जबरदस्त गुस्सा देखा जा रहा है। उन्होंने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी है। स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए जा रहे हैं।

भारत ने की पाक की आलोचना

वहीं, विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में पीओके में चल रहे प्रदर्शनों और हिंसा की निंदा करते हुए इसे पाकिस्तान के 'सिस्टेमैटिक शोषण' का परिणाम बताया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पीओके में हो रहे प्रदर्शन पाकिस्तान के दशकों पुराने सिस्टेमैटिक शोषण, मौलिक अधिकारों से इंकार और गैर-कानूनी कब्जे वाले क्षेत्रों में प्रशासनिक जुल्म का सीधा नतीजा हैं। विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह पाकिस्तान को आम लोगों पर अत्याचार के लिए जवाबदेह ठहराए।

ट्विशा केस आरोपियों की बढ़ाई गई रिमांड

गिरिबाला-समर्थ ने किया वॉयस सैंपल देने से इंकार

भोपाल। एक्ट्रेस-मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में मंगलवार को भोपाल जिला अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई हुई। सीबीआई ने अदालत को बताया कि दोनों आरोपियों- गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह ने वॉयस सैंपल नहीं दिया है। भोपाल एम्स ने भी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट देने से मना किया है।

वहीं, गिरिबाला सिंह के वकील विनोद जॉर्ज करलो ने कहा कि उनके मुवक्किलों ने कभी भी वॉयस सैंपल देने से इंकार नहीं किया है। उनकी आपत्ति केवल प्रक्रिया को लेकर है। सैंपल के लिए दी जाने वाली ट्रांसक्रिप्ट

पहले रिकॉर्ड की गई ट्रांसक्रिप्ट से अलग होनी चाहिए, ताकि सैंपलिंग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनी रहे। इसके बाद सीबीआई ने गिरिबाला और समर्थ की न्यायिक हिरासत 28 जुलाई तक बढ़ाने की मांग की, इसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट अलग से नहीं देंगे : एम्स

सुनवाई के दौरान ट्विशा पक्ष के वकील शुभांग दीक्षित ने बताया कि 6 जुलाई को सीबीआई आरोपियों के सैंपल लेने पहुंची थी। समर्थ सिंह ने वॉयस सैंपल देने से साफ इंकार कर दिया जबकि गिरिबाला सिंह ने एक बार सैंपल दिया लेकिन दोबारा सैंपल नहीं दिया। कोर्ट में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई।

12 मई को हुई थी ट्विशा की मौत

ट्विशा शर्मा 12 मई 2026 की रात भोपाल के कटारा हिल्स स्थित अपने ससुराल में मृत मिली थीं। ससुराल पक्ष ने इसे आत्महत्या बताया था, जबकि मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया। पहले पोस्टमॉर्टम पर सवाल उठने के बाद हाईकोर्ट ने दिल्ली एम्स से दोबारा पोस्टमॉर्टम कराने के निर्देश दिए थे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
भारत सरकार एवं छत्तीसगढ शासन द्वारा संचालित
मौसम – खरीफ 2026
फसल बीमा कराओ, सुरक्षा कवच पाओ!
HDFC ERGO

अधिसुचित फसलें:
खरीफ: धान असिंचित, धान सिंचित, उड़द, मूंग, मूंगफली, कोदो, कुटुकी, मक्का, अरहर/तुअर, रागी, सोयाबीन

जरूरी दस्तावेज:
● नवीनतम आधार कार्ड कॉपी (पंजीयन केन्द्र पर दिखाने के लिए) ● नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र (बी–1, पी–2) की कॉपी ● बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर एकाउंट नंबर/आईएफएससी कोड/बैंक का पता साफ दिख रहा हो ● फसल बुवाई प्रमाण–पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्वघोषणा पत्र ● किसान का वैध मोबाईल नंबर ● बटाईदार/कास्तकार/साझेदार किसानों के लिए फसल साझा/कास्तकार का घोषणा पत्र।

● किसान भाईयों से आग्रह है कि फसल बीमा की खरीफ मौसम के लिए अंतिम तिथि 31.07.2026 से पूर्व निकटतम राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ/लोक सेवा केन्द्र (CSC)/भारत सरकार की बीमा पोर्टल के माध्यम से फसल का बीमा करा सकते हैं।
● योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृषि अधिकारी/राजस्व अधिकारी/बैंक/CSC एवं एचडीएफसी क्षेत्रीय/जिला/तहसील कार्यालय से संपर्क करें।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना मौसम खरीफ 2026 के अन्तर्गत जिलावार/फसलवार बीमित राशि एवं कृषक द्वारा देय प्रीमियम राशि (रु./हे.)
(खरीफ 2026 मौसम के अन्तर्गत एचडीएफसी एर्गो को अधिकृत जिलों के अधिसूचित फसलों में बीमा के लिए देय प्रीमियम दर बीमित राशि का 2%)

स्थानीय आपदाएँ एवं फसल कटाई उपरान्त नुकसान होने पर 72 घंटों के भीतर अपनी फसल के नुकसान की सूचना यहाँ दें:
● राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ ● लोक सेवा केन्द्र (CSC)
● भारत सरकार की क्रॉप इंश्योरेंस ऐप। ● जिला/विकसखण्ड/तहसील स्तर के कृषि/राजस्व कार्यालय ● शिकायत निवारण पोर्टल टोल फ्री नम्बर 14447

फसल बीमा माह 1-31 जुलाई, 2026
फसल बीमा सप्ताह अब बना फसल बीमा माह
70655 14447

टोल फ्री नंबर: 14447 ई–मेल: pmfby.chhattisgarh@hdfcergo.com वेबसाइट: https://pmfby.gov.in/farmer

नियम एवं शर्तें लागू. एचडीएफसी अर्गो जनरल इंश्योरेन्स कंपनी लिमिटेड. आईआरडीएआई रजि. नं. 146, CIN: U66030MH2007PLC177117. पंजीकृत व कार्पोरेट कार्यालय: 6वीं मंज़िल, लीला बिजनेस पार्क, अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी (पू.), मुंबई – 400059. जोखिम घटकों, नियमों व शर्तों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया बिक्री के समापन से पूर्व सेल्स ब्रोशर/प्रॉसपैक्टस को पढ़ लें. UIN: HDFC ERGO Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana (PMFBY) - IRDAN125RP0003V01201617. UID: 19627.

ऐसी झिझक जो खत्म नहीं हो रही... 31 लाख को लगाना है एचपीवी वैक्सीन, लगे केवल 78 हजार

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

चार महीने से चल रहा सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ वैक्सीनेशन अभियान

भविष्य में विपरीत असर होने की आशंका के बाद एचपीवी वैक्सीन के लिए लोगों में फैली झिझक खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। चार महीने से चल रहे सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ निशुल्क वैक्सीनेशन के अभियान में राज्य में आंकड़ा केवल 25 फीसदी पर ही सिमटा हुआ है। राज्य में 31 लाख किशोरियों को यह टीका लगाना है, मगर अब तक 78 हजार के वैक्सीनेशन में सफलता मिल पाई है। रायपुर जिला इस मामले में 26वें नंबर पर है, जिसके लिए तर्क दिया जा रहा है कि आबादी के हिसाब से यहां लक्ष्य ज्यादा है।

केंद्र सरकार महिलाओं में सबसे ज्यादा होने वाले सर्वाइकल कैंसर पर रोक लगाने के लिए देशभर में एचपीवी वैक्सीनेशन का निशुल्क अभियान चला रही है। छत्तीसगढ़ में इस अभियान की शुरुआत मार्च में की गई थी। उस दौरान यहां 31 लाख 2522 किशोरियों को टीका लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसकी सुविधा जिला अस्पतालों, मेडिकल कालेज के साथ एम्स में भी दी गई थी। अफसरों के अनुमान के विपरीत किशोरियों को यह टीका लगवाने परिजन राजी नहीं हुए। इसकी वजह वैक्सीन के साइड इफेक्ट पर फैली भ्रांतियां ने लोगों को टीका केंद्र तक जाने से रोक दिया। विभागीय स्तर पर परिजनों की धारणा बदलने लगातार प्रयास किया जा रहा है, मगर लोगों की झिझक दूर नहीं हो पा रही है, जिसका असर इस वैक्सीनेशन अभियान पर पड़ रहा है। राज्य में अब तक करीब 78 हजार लोगों को टीका लगाने में सफलता मिली है और लगभग 30 लाख 22 हजार लोगों को यह टीका लगाना है। इसमें रायपुर जिले के पास सबसे ज्यादा 29 हजार का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें लगभग 33 सौ किशोरियों को यह टीका लगाने की वजह से राज्य में 26वें नंबर पर है।

स्वास्थ्य विभाग ने दूरवर्ती इलाकों में भी टीकाकरण कर रही है मगर वह जागरुकता ना के बराबर होने और कई इलाके पहुंच विहीन होने की वजह से वैक्सीनेशन की केवल औपचारिकता ही पूरी हो पाई है। इसमें नारायणपुर में केवल 64, सुकमा में 142, कोंडागांव में 328, कांकेर में 415 किशोरियों को यह टीका लगाया जा सका है। कोरिया, बलरामपुर, मनेन्द्रगढ़ -चिरमिरी लक्ष्य को पूरा कर पाया है।

चल रहा विशेष टीकाकरण अभियान

ज्यादा से ज्यादा किशोरियों को यह टीका लगाने के लिए 13 से 18 जुलाई तक यह अभियान चलाया जा रहा है। राज्य टीकाकरण अधिकारी डा. वीआर भगत ने बताया कि स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, स्वास्थ्य संस्थानों तथा समुदाय स्तर पर जन-जागरूकता गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। टीकाकरण महिलाओं में होने वाले गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम का एक प्रभावी और सुरक्षित उपाय है और यही एक वैक्सीन है जो कैंसर जैसे घातक बीमारी से सुरक्षा प्रदान करता है।

भाजपा अभी से चुनावी मोड में, बूथों को मजबूत करने हर माह चार स्तरों पर मंथन

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन ढाई साल पहले ही अभी से चुनावी मोड में आ गया है। भाजपा ने 2028 के विधानसभा चुनाव की तैयारी प्रारंभ कर दी है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के निर्देश पर प्रदेश भाजपा संगठन ने तय किया है कि अब बूथों से लेकर जिलों में हर माह बैठक की जाएगी। इसमें कोई भी लापरवाही नहीं चलेगी। इसका प्रारंभ भी हो गया है। लगातार दूसरे माह बैठकों का दौर चल रहा है। पहले दो सप्ताह में जिलों और मंडलों की बैठक के बाद अब तीसरे सप्ताह में शक्ति केंद्रों और माह के अंतिम रविवार को प्रदेश के सभी बूथों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात के बाद बैठक होगी। इसमें बूथों की स्थिति पर मंथन किया गया। भाजपा का सबसे बड़ा फोकस प्रदेश के हर बूथ को विधानसभा चुनाव के पहले मजबूत करने पर है। इसके लिए अब हर माह बूथों से लेकर जिला स्तर बैठक करके मंथन किया जाएगा और बूथों को मजबूत करने की रणनीति बनाकर कमजोर बूथों को मजबूत किया जाएगा। हर तीन माह में प्रदेश कार्यसमिति भी नियमित रूप से होगी। इसमें कमजोर बूथों पर चर्चा करके इसको मजबूत करने के लिए दिग्गज नेता मार्गदर्शन देंगे। भाजपा का हमेशा से ही बूथों पर बड़ा फोकस रहता है। बूथों को मजबूत करके भाजपा चुनाव जीतने का काम करती है। पिछले चुनाव में भी बूथों की पूरी कुंडली तैयार करके कमजोर बूथों पर फोकस किया गया और भाजपा एक बार फिर से सत्ता में वापस आई।

20 शिक्षकों को मिलेगा स्व. हरिवंश मिश्र राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान आज

रायपुर। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए आज, 15 जुलाई 2026 को शाम 5 बजे एक भव्य राष्ट्रीय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत द्वारा आयोजित स्व. हरिवंश मिश्र राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह-2026 का आयोजन मधु पिल्ले चौक, शांति नगर, रायपुर स्थित विमतारा में संपन्न होगा। यह समारोह भूतपूर्व प्रधानपाठक स्वर्गीय हरिवंश मिश्र की पुण्य स्मृति को समर्पित है। इस समारोह के मुख्य अतिथि हरिभूमि समूह के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी होंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता एन.आर. स्टील, रायगढ़ के संस्थापक संजय अग्रवाल करेंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ. चितरंजन कर तथा डॉ. पूर्णानंद मिश्रा रहेंगे। देश के विभिन्न राज्यों से कुल 250 उत्कृष्ट शिक्षकों को अंतिम रूप से इस सम्मान के लिए चुना गया है। इस पुरस्कार के लिए बिलासपुर जिले से 20 उत्कृष्ट शिक्षकों का चयन किया गया है, जिनमें सुशील कुमार पटेल, बलदाऊ सिंह श्याम, मनोज यादव रतनपुर, मनोज यादव, जय कौशिक, योगेश करंजगांवकर, कलेश्वर साहू, तृप्ति यादव, निशा अवस्थी, लक्ष्मी माल्या, राजेश यादव, अनिल शर्मा, संतोषी यादव, आशा उज्जैनी, प्रवीण मिश्रा, रागिनी मिश्रा, विपिन मनहर, मंजू बाला जायसवाल, रंजना शर्मा और संगीता सानन शामिल हैं।

16 को निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा, तैयारियां पूरी, 24 को होगी बाहुड़ा यात्रा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

राजधानी के गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में 16 जुलाई को जय जगन्नाथ जयघोष के साथ जगन्नाथ महाप्रभु की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। इस मौके पर प्रदेश के राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भगवान के रथ के सामने सोने की झाड़ू से छेरा पहरा की रस्म के साथ सेवा करेंगे। मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठानों और रथयात्रा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

श्री जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष और उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रथयात्रा के दिन प्रातःकाल 11 वैदिक पंडितों द्वारा विशेष अभिषेक और मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से पूजन एवं हवन कराया जाएगा। रथयात्रा के लिए भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभ्रदा के तीन दिव्य रथ पूरी तरह से सजधज कर आकर्षक श्रृंगार के साथ तैयार कर लिए गए हैं।

जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष पुरंदर मिश्रा ने बताया कि रथयात्रा भक्त और भगवान के प्रत्यक्ष मिलन का महापर्व है। साल में केवल एक बार महाप्रभु जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ मंदिर से निकलकर नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं। रथयात्रा के दिन सुबह चंदन, केसर, कस्तूरी और कपूर सहित अन्य सुगंधित द्रव्यों से भगवान का दिव्य स्नान कराया जाएगा तथा पारंपरिक गजामूंग का महाप्रसाद अर्पित किया जाएगा। 24 जुलाई को बाहुड़ा यात्रा होगी।

रथयात्रा के दौरान महिला मंडलों द्वारा भजन-कीर्तन, आकर्षक सांस्कृतिक झांकियां, पारंपरिक लोक कलाकारों द्वारा सुंदर लोक नृत्य की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

बोरी के भीतर सिर कुचली लाश मिलने से हड़कंप

रायपुर। राखी थाना क्षेत्र के बेंद्री गांव में मंगलवार सुबह बोरी में सिर कुचली लाश मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की अब तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस तथा फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम जांच कर रही है। लाश को पोस्टमार्टम के लिए मरचुरी भेद दिया गया है। मृतक की शिनाख्ती की कोशिश की जा रही है। लाश मिलने की जानकारी पुलिस को ग्रामीणों से मिली। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि घटना दिनांक को सुबह वे काम करने अपने खेत तरफ जा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर तालाब के पास सड़क किनारे पड़े एक संदिग्ध बोरे पर पड़ी। बोरे के बाहर खून क निशान दिखाई दे रहा था।

छत्तीसगढ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
केलो परियोजना सर्वेक्षण संभाग रायगढ़,
जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

शुद्धि पत्र कमांक – 01

निविदा सूचना क्रमांक 01/व.ले.लि./2026–27 दिनांक 03.07.2026 निविदा सिस्टम नम्बर 194649 (प्रथम आमंत्रण) जी नम्बर 262701926 में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है:–

S. No.	Particulars	Date	Time
1	**Bid Start date & time** (The date and time from which bidders start preparation /submission of their bid response, before this bidder's action will not be allowed.)	22.07.2026	17:31
2	**Bid Due date & time** (The last date & time for submission of bid response, after which no bids can be submitted.)	05.08.2026	17:30
3	**Bid Open, Start date & time** (The date of opening of Envelope- A & B online)	06.08.2026	11:30

निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

कार्यपालन अभियंता
केलो परियोजना सर्वेक्षण संभाग रायगढ़
जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

जी. 262702103/1

क्लासमेट पर फेंकी पानी की बोतल, फिर बाहरी लड़के बुलाकर चाकूबाजी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

जिले के शासकीय स्कूल में एक बार फिर चाकूबाजी की घटना सामने आई है। मामला धरमपुरा क्षेत्र स्थित शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल फुंडहर का है। यहां 11वीं कक्षा के छात्रों के मध्य मामूली बात पर चाकू चल गए। पूरी घटना सोमवार दोपहर 3.15 मिनट की है। कक्षा में पढ़ाई के दौरान एक छात्र ने अपने क्लासमेट पर पानी की बोतल फेंक दी। कारण पूछे जाने पर बोतल फेंकने वाले छात्र ने कक्षा से बाहर निकलने पर देख लेने की धमकी दी। धमकी देने वाले छात्र ने अपने अन्य साथियों को बुलाया, जो स्कूल में अध्ययनरत नहीं थे। उन्होंने मिलकर शाला गेट के बाहर छात्र को चाकू मारे। हमले में छात्र की जांघ पर गंभीर जख्म आया है। छात्र को आनन-फानन में डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मृति अस्पताल में भर्ती कराया गया। छात्र की हालत फिलहाल स्थिर है। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने इसके आधार पर कार्रवाई कर जांच पूरी की।

पूरे मामले पर प्राचार्य वंदना अग्रवाल ने कहा, इस घटना से संबंधित दोषी विद्यार्थी पर कार्रवाई करते हुए टीसी दे दी गई है। साथ ही घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई थी। आरोपियों को पुलिस हिरासत में रखा गया है। यह घटना विद्यालय के गेट के बाहर हुई, जिसकी जानकारी बीईओ को दे दी गई है। मारपीट की घटना में शामिल युवक विद्यालय के छात्र नहीं थे, बल्कि विद्यालय के एक छात्र के बुलाने पर वे स्कूल के मुख्य गेट के बाहर आकर खड़े हुए थे। उनके मुताबिक, सातवें पीरियड के दौरान बागवानी के लिए छात्र कक्षा से बाहर आए थे। जैसे ही संबंधित छात्र विद्यालय परिसर से बाहर निकला, बाहरी युवकों ने उसके साथ मारपीट की। यह पूरी घटना विद्यालय के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। प्राचार्य ने बताया कि जिस छात्र ने बाहरी युवकों को बुलाया था, उस पर शाला प्रबंधन समिति ने निर्णय करते हुए टीसी दे दी है। फुंडहर स्कूल में इस प्रकार की घटना पहले कभी नहीं हुई थी और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए विद्यालय द्वारा सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता–पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या — पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक — आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु — आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन — परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

कार्यालय आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास ब्लॉक डी, भूतल इन्द्रावती भवन नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

क्रमांक / आदि.यो./ हॉस्पि.–12/2026–27/2326
नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 13/07/2026

विज्ञप्ति

हॉस्पिटैलिटी (Guestship) एवं हॉटल मैनेजमेंट में प्रशिक्षण योजनांतर्गत अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रशिक्षण संस्था के चयन हेतु "रूचि की अभिव्यक्ति" का आमंत्रण

छत्तीसगढ़ राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण युवक/युवतियों को देश के प्रतिष्ठित एवं अनुभवी प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षकों के माध्यम से प्लेसमेंट लिंक्ड प्रशिक्षण देने के इच्छुक एवं मान्यता प्राप्त हॉस्पिटैलिटी एवं होटल मैनेजमेंट कोर्सेस, हॉलिस्टिक साइन्स इन हेल्थ, न्यूट्रिशन एडं डायबिटीक हेतु डिप्लोमा कोर्सेस, नेचुरोपैथी एवं योगा साइन्स हेतु डिप्लोमा कोर्सेस तथा एस्थियोलॉजी हेतु सर्टिफिकेट कोर्स प्रदाय करने वाली संस्थाओं से "रूचि की अभिव्यक्ति" दिनांक 31.07.2026, समय अपरान्ह 01:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। संस्था अपना प्रस्ताव उक्त निर्धारित तिथि एवं समय तक पंजीकृत डाक के माध्यम से अथवा स्वयं उपस्थित होकर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

2. निर्धारित तिथि एवं समय पश्चात प्राप्त प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जायेगा। तत्संबंध में किसी प्रकार की कोई भी दावा मान्य नहीं होगा। इस संबंध में अधोहस्ताक्षरकर्ता का निर्णय अंतिम होगा। विज्ञापित रूचि की अभिव्यक्ति अपरिहार्य कारणों से कभी भी निरस्त की जा सकेगी। तत्संबंध में प्रस्तावक संस्थान / अन्य द्वारा कोई भी दावा मान्य नहीं होगा।

3. योजना अंतर्गत अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग के अधिकतम 100 पात्र युवक/युवतियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष होगी। बजट उपलब्धता के आधार पर उक्त संख्या परिवर्तनीय होगी।

4. योजना का संचालन छत्तीसगढ़ शासन आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा इस योजना हेतु जारी योजना नियमावली "अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिए हॉस्पिटैलिटी एवं होटल मैनेजमेंट प्रशिक्षण योजना वर्ष 2013–14 (यथा संशोधित)" तथा शासन के पत्र क्रं. – PROJ/5506(1)/4/2025– Tribal Section नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 07.07.2026 मे निहित निर्देशों के अनुरूप किया जाएगा। नियम, शर्ते एवं अन्य जानकारी विभाग की वेबसाईट www.tribal.cg.gov.in पर उपलब्ध है।

आयुक्त
आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मुख्यालय अटल नगर (छ.ग.)

जी. 262702096/2

कार्यालय कलेक्टर जिला रायगढ़ एवं पदेन उप सचिव छ.ग. शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अधिसूचना

दिनांक / /2026

भू–अर्जन प्रकरण क्रमांक 20264042100125/अ–82/2025–26 चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि नीचे अनुसूची के कॉलम (1) से (5) में दर्शित भूमि की अनुसूची के कॉलम (7) में दर्शित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने संभावना है, अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 जिसे एतद् पश्चात अधिनियम 2013 का जायेगा, की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है, कि राज्य शासन एतद्वारा अनुसूची के कॉलम (6) में उल्लेखित प्राधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 12 के अंतर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:–

अनुसूची

भूमि का प्रकार									धारा 12 द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम /प.ह.नं.	खसरा नं.		क्षेत्रफल (हे. में)					
1	2	3	4		5				6	7
रायगढ़	रायगढ़	पंडरीपानी पहनं. 38	ख.नं.	रकबा	ख.नं.	रकबा	ख.नं.	रकबा	कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण रायगढ़ संभाग विभाग जिला–रायगढ़ (छ.ग.)	जिला रायगढ़ के रिंग रोड़ परियोजना
			37/3	0.104	39	0.056	36/5	0.290		
			34	0.096	29	0.036	30/2	0.057		
			115	0.300	113/1/क	0.112	113/2/क	0.466		
			113/1क/1	0.090	112	0.184	110	0.097		
			184/1	0.176	111	0.274	135	0.390		
			136	0.268	134/8	0.148	165/5	0.174		
			165/3	0.003	165/4	0.052	164/1	0.054		
			163	0.010	185/8	0.360	185/9	0.065		
			185/7	0.098	185/3	0.170	178/1	0.108		
			178/5	0.098	183/2	0.058	178/6	0.092		
			183/3	0.008	178/7	0.055	192/5	0.157		
			192/6	0.134	189/7	0.117	189/4	0.207		
			189/3	0.156	190	0.143				
			कुल भूमि खसरा नं. 38 कुल रकबा 5.463 हे.							

2. यह भी सूचित किया जाता है, कि उपरोक्त भूमि में कोई भी हितबद्ध व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिवस के भीतर अर्जित की जाने वाली भूमि के क्षेत्रफल एवं उपयुक्तता, लोक प्रयोजन के औचित्य तथा सामाजिक समाधात निर्धारण के निष्कर्ष के बारे में अपना दावा/आपत्ति लिखित में कलेक्टर को स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अधिनियम 2013 की धारा 15 उपधारा (1) के अंतर्गत प्रस्तुत कर सकेगा।

अनुविभागीय अधिकारी
रायगढ़

जी- 262702056/1

शब्द पहेली - 6287

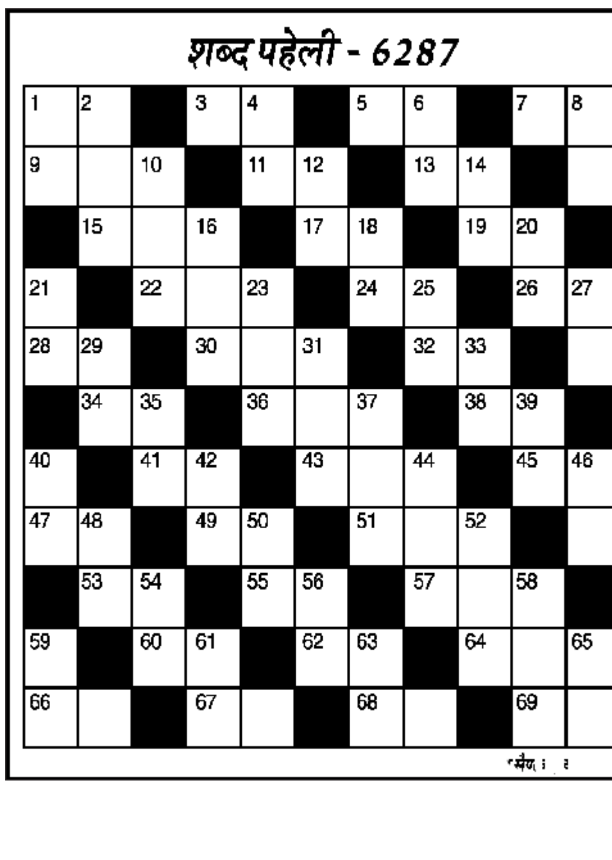

बाएँ से दाएँ
1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे
1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली- 6286 का हल

सूडोकु नवताल - 6297

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6296 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

खबर संक्षेप

आदित्य बिड़ला समूह की इकाई स्प्रिंग एनर्जी को खरीदेगी

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी ग्रासिम इंडस्ट्रीज की इकाई आदित्य बिड़ला रिन्यूएबल्स लिमिटेड (एबीआरईएन) ने करीब 1.8 अरब डॉलर (लगभग 17,200 करोड़ रुपये) में शेल ओवरसीज इन्वेस्टमेंट बी वी से स्प्रिंग एनर्जी के अधिग्रहण पर सहमति जताई है। इस सौदे से देश के सबसे बड़े एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा मंचों में से एक के गठन की राह खुलेगी। आदित्य बिड़ला समूह ने सोमवार को एक बयान में कहा कि इस अधिग्रहण से एबीआरईएन की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़कर करीब 9.3 गीगावाट-पीक (जीडब्ल्यूपी) हो जाएगी।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 13 जुलाई तक 16.40 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में 13 जुलाई तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 16.40 प्रतिशत बढ़कर 6.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

इसमें कॉरपोरेट कर संग्रह में तेजी का अहम योगदान रहा है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस अवधि में शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 22 प्रतिशत बढ़कर 2.40 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं, गैर-कॉरपोरेट कर (एनसीटी) से राजस्व संग्रह, जिसमें व्यक्तियों, हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) और फर्मों द्वारा चुकाए गए कर शामिल हैं, करीब 12 प्रतिशत बढ़कर 3.84 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

उच्चतम न्यायालय में कोटक एएमसी की अपील खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बाजार नियामक सेबी द्वारा कोटक महिंद्रा एएमसी, कोटक महिंद्रा ट्रस्टी

कंपनी और उनके वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई को बरकरार रखते हुए कहा कि प्रतिभूति नियमों का पालन अनिवार्य है, चाहे निवेशकों को लाभ हुआ हो या हानि। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्त और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कोटक एएमसी, कोटक ट्रस्टी और छह अधिकारियों की अपील खारिज कर दी।

रुपया 62 पैसे टूटकर 96.30 प्रति डॉलर पर

मुंबई। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने और भू-राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ने के बीच रुपया मंगलवार को 62 पैसे टूटकर अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 96.30 (अस्थायी) पर रहा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि नए सिरे से बढ़े भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे रुपये पर दबाव बना। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.95 प्रति डॉलर पर खुला और 96.30 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

बीएसएनएल का परिचालन राजस्व 10 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बीएसएनएल ने वित्त वर्ष 2026-27

की पहली तिमाही में अपने परिचालन राजस्व में ''बिना ऑडिट'' के लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिए बीएसएनएल की समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए सिंधिया ने कहा कि बीएसएनएल के उद्यमी व्यवसाय खंड और उपभोक्ता 'मोबिलिटी' में वृद्धि देखी गई है, जबकि उपभोक्ता 'फिक्स्ड एक्सेस' खंड लगभग स्थिर रहा है।

अमेरिका में जन्मा एआई उसी पर पड़ रहा भारी, 6 माह में छीनी साढ़े चार लाख नौकरियां

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका से जन्मा एआई अब अमेरिका पर ही भारी पड़ने लगा है। इसकी वजह से लाखों लोग बेरोजगार होने लगे हैं। सामने आए डेटा के मुताबिक, अमेरिका में जनवरी से जून 2026 के बीच 4.43 लाख से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी की गई है। सबसे ज्यादा असर टेक सेक्टर पर पड़ा है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब नौकरियां जाने की सबसे बड़ी वजह बनकर सामने आया है।

अमेरिकी आउटप्लेसमेंट फर्म चैलेंजर, ग्रे एंड क्रिसमस की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2026 की पहली छमाही में अमेरिका की कंपनियों ने अलग-अलग सेक्टरों में 4,43,600 कर्मचारियों की छंटनी की। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 43 प्रतिशत कम है। 2025 में अमेरिकी संघीय कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर हुई छंटनी के कारण रिकॉर्ड स्तर देखने को मिला था।

अमेरिका में जनवरी से जून के बीच 4.43 लाख से ज्यादा की छंटनी

पिछले साल से 66 प्रतिशत ज्याद छंटनियां

रिपोर्ट के अनुसार, इस साल टेक सेक्टर सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। जनवरी से जून के बीच टेक कंपनियों ने 1,23,653 कर्मचारियों की नौकरी खत्म की, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 66 प्रतिशत अधिक है। लगातार तीन महीनों से टेक कंपनियां छंटनी की मुख्य वजह एआई को बता रही हैं। चैलेंजर, ग्रे एंड क्रिसमस के चीफ रेवेन्यू ऑफिसर एंडी चैलेंजर ने कहा कि, अब कंपनियां कर्मचारियों की छंटनी के लिए सबसे ज्यादा एआई का हवाला दे रही हैं और टेक इंडस्ट्री इसमें सबसे आगे है।

मई 2026 रहा सबसे कठिन महीना

रिपोर्ट के मुताबिक, मई 2026 टेक कर्मचारियों के लिए सबसे कठिन महीना रहा। इस दौरान कुल 97,006 नौकरियां खत्म की गईं, जिनमें से 38,242 केवल टेक सेक्टर की थीं। इसी समय मेटा जैसी बड़ी कंपनियों ने भी एआई को अपनाने और संगठन में बदलाव का हवाला देते हुए हजारों कर्मचारियों की छंटनी की। रिपोर्ट बताती है कि, इस साल हुई कुल छंटनी में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी एआई की रही, जिससे साफ है कि इसका सबसे ज्यादा असर व्हाइट-कॉलर नौकरियों पर पड़ रहा है।

नई भर्तियां काफी कमजोर

कंपनियों का कहना है कि जैसे पहले स्प्रेडशीट और ईमेल ने काम करने का तरीका बदला था, वैसे ही एआई आगे चलकर उत्पादकता बढ़ाएगा, लेकिन फिलहाल इसकी वजह से हजारों लोग नौकरी गंवा रहे हैं। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने भी कर्मचारियों को भेजे संदेश में एआई को हमारे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण तकनीक बताया था। वहीं, छंटनी के बीच नई भर्तियां अब भी कमजोर बनी हुई हैं।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

खाद्य वस्तुओं के दाम चढ़ने से जून में थोक महंगाई बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

खाद्य व गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी से जून में थोक मुद्रास्फीति बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर पहुंच गई। मई में यह 9.68 प्रतिशत के स्तर पर थी। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) की गणना के लिए आधार वर्ष 2022-23 है। खाद्य वस्तुओं में मुद्रास्फीति जून में बढ़कर 5.49 प्रतिशत हो गई जो मई में 3.60 प्रतिशत थी। गैर-खाद्य वस्तुओं में थोक महंगाई 11.07 प्रतिशत रही जबकि खनिज श्रेणी में यह 9.45 प्रतिशत दर्ज की गई।

- डब्ल्यूपीआई की गणना के लिए आधार वर्ष 2022-23 है

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि थोक मुद्रास्फीति के जून, 2026 के आंकड़े पर खनिज तेल (जिसमें पेट्रोलियम उत्पाद शामिल हैं), खाद्य वस्तुएं, विनिर्मित मूल धातु तथा विनिर्मित रसायन एवं रासायनिक उत्पादों की कीमतों का असर दिखा।

खास बातें

- खाद्य वस्तुओं में मुद्रास्फीति जून में बढ़कर 5.49 फीसदी थी
- गैर-खाद्य वस्तुओं में थोक महंगाई 11.07 प्रतिशत रही

महंगाई अपने उच्चतम स्तर के करीब

बार्कलेज ने कहा, '' हालांकि, पश्चिम एशिया में तनाव फिर बढ़ने से युद्धविराम समझौता एक बार फिर खतरे में पड़ गया है। ऐसे में हम थोक महंगाई और उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) के आगामी आंकड़ों पर करीबी नजर रखे हुए हैं। हमारा मानना है कि मुद्रास्फीति के ये आंकड़े अब अपने उच्चतम स्तर के करीब हैं और आने वाले कुछ महीनों में इनमें नरमी आने की उम्मीद है।''

वैश्विक स्तर पर जिंस व कच्चे तेल में कुछ नरमी रही

बार्कलेज ने बयान में कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद जून में वैश्विक स्तर पर जिंस और कच्चे तेल की कीमतों में कुछ नरमी आई। इसका असर ईंधन एवं बिजली श्रेणी की थोक महंगाई में कमी के रूप में दिखाई दिया।

प्राथमिक वस्तुओं की कीमतों में तेजी रही

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च की निदेशक मेघा अरोड़ा ने कहा कि जून में कुल थोक मुद्रास्फीति में वृद्धि की मुख्य वजह प्राथमिक वस्तुओं की कीमतों में तेजी रही, जिसने ईंधन श्रेणी की मुद्रास्फीति में आई नरमी के असर को बेअसर कर दिया।

थोक महंगाई के नरम पड़ने के आसार

बोफा ग्लोबल रिसर्च में भारत और आसियान आर्थिक अनुसंधान के प्रमुख राहुल बजोरिया ने कहा कि 2026 की तीसरी तिमाही में थोक मुद्रास्फीति के नरम पड़ने के आसार हैं। खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति भी जून में बढ़कर 17 महीने के उच्चस्तर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जबकि इससे पिछले महीने यह 3.93 प्रतिशत थी।

आरबीआई खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तय करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है। सरकार ने दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ कुल मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत पर बनाए रखने का दायित्व सौंपा है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के अपने अनुमान को पिछले महीने 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया था।

अदाणी प्रॉपर्टीज ने लगाई छलांग चौथे स्थान पर पहुंची : रिपोर्ट

2026 ग्रोहे-हुरुन इंडिया रियल एस्टेट 150' रिपोर्ट जारी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके परिवार की रियल एस्टेट संपत्ति में 72 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि हुई है। यह वृद्धि ऐसे साल में हुई है जो इस क्षेत्र के लिए अच्छा नहीं रहा और जिसमें ज्यादातर कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट देखी गई। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह कहा गया है।

- रियल एस्टेट संपत्ति में 72 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि

अहमदाबाद स्थित अदाणी समूह की कंपनी अदाणी प्रॉपर्टीज का उल्लेख करते हुए '2026 ग्रोहे-हुरुन इंडिया रियल एस्टेट 150' रिपोर्ट में कहा गया, ''भारत के सबसे

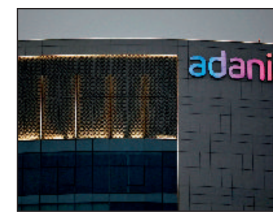

धनाढ्य व्यक्ति, गौतम अदाणी, देश का सबसे बड़ा रियल एस्टेट कारोबार खड़ा कर सकते हैं।'' अदाणी समूह कई साल से रियल एस्टेट कारोबार में है और कई शहरों में इसकी परियोजनाएं चल रही हैं। यह मुंबई में धारावी झुग्गी बस्ती इलाके का पुनर्विकास कर रहा है। इसमें महाराष्ट्र सरकार की एक छोटी भागीदारी है। इसके अलावा, मोतीलाल नगर जैसी अन्य बड़ी परियोजना पर भी काम जारी है।

सूची में डीएलएफ सबसे ऊपर

यह सूची एक ऐसे साल की कहानी बताती है जिसमें तेजी कम हुई। नए आने वालों का प्रदर्शन दिखाता है कि क्षेत्र की रफ्तार किस तरफ बढ़ी है। इस सूची में डीएलएफ 1.46 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ सबसे ऊपर है। उसके बाद लोढ़ा डेवलपर्स का स्थान है जिसका मूल्यांकन 93,700 करोड़ रुपये है।

टाटा ग्रुप का होटल उद्यम तीसरे स्थान पर

टाटा ग्रुप का होटल उद्यम आईएचसीएल 93,300 करोड़ रुपये के मूल्य के साथ तीसरे स्थान पर है और गौतम अदाणी चौथे स्थान पर हैं। रितेश अग्रवाल की कंपनी 'प्रिज्म' या 'ओयो' शीर्ष-10 में शामिल होकर पांचवें नंबर पर आ गई है। इसका मूल्यांकन दोगुना से अधिक होकर 67,200 करोड़ रुपये हो गया है।

सोने में 700 रुपए की गिरावट और चांदी 8,900 रुपए लुढ़की

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमत 700 रुपये गिरकर 1.46 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई, जबकि कमजोर मांग के कारण घरेलू सराफा बाजार में चांदी 8,900 रुपये प्रति किलो टूट गई। घरेलू सराफा बाजार में मांग कमजोर रहने से कीमती धातुओं पर दबाव बना रहा।

- सोना गिरकर 1.46 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया
- चांदी लुढ़ककर 2,26,100 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई

अखिल भारतीय सराफा संघ ने कहा कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 700 रुपये कमजोर होकर 1,46,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर समेत) पर आ गया। यह पिछले कारोबारी सत्र में 1,47,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सोने के मुकाबले चांदी में और भी तेज गिरावट दर्ज

की गई। इसकी कीमत 8,900 रुपये लुढ़ककर 2,26,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई। इससे पहले सोमवार को चांदी 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। सर्राफा कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में कीमतें अपेक्षाकृत मजबूत रहने के बावजूद आभूषण विक्रेताओं और औद्योगिक उपभोक्ताओं की सुस्त मांग के चलते बाजार पर दबाव बना रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना मामूली बढ़त के साथ 4,020.13 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी करीब एक प्रतिशत बढ़कर 58.06 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से बाजार प्रभावित

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के जिंस विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, ''सोमवार की तेज गिरावट के बाद सराफा बाजार में सुधार की कोशिश देखी गई, लेकिन कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, महंगाई की चिंताओं और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त मौद्रिक रुख की आशंकाओं के कारण तेजी सीमित रही।''

एंथ्रोपिक के प्लान 'क्लॉड प्रो' की कीमत 2000 रुपए प्रति माह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वैश्विक कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी एंथ्रोपिक ने भारत में अपने एआई सहायक 'क्लॉड' के लिए रुपये में कीमतें तय करने की घोषणा की है, जिससे देश के उपयोगकर्ताओं के लिए भुगतान प्रक्रिया आसान हो जाएगी।एंथ्रोपिक के अधिक उपयोग, क्लॉड कोड और कोवर्क तक पहुंच वाले प्लान 'क्लॉड प्रो' की कीमत 2,000 रुपये प्रति माह रखी गई है, जबकि उच्च उपयोग सीमा और व्यस्त समय में प्राथमिकता पहुंच वाला 'मैक्स'

- एंथ्रोपिक ने भारत में क्लॉड के लिए रुपए में कीमतें तय की

प्लान 11,999 रुपये प्रति माह पर उपलब्ध है। भारतीय मुद्रा में तय यह मूल्य कंपनी की वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर दिख रहा है और फिलहाल कार्ड भुगतान का विकल्प भी दिया गया है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के मुताबिक, एंथ्रोपिक भारत में नए उपभोक्ताओं को जोड़ने के लिए क्लॉड प्रो, मैक्स और टीम प्लान की कीमतें स्थानीय मुद्रा में तय करने का परीक्षण कर रही है।

सरकार ने सेवा सूचकांक किया जारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने मंगलवार को पहला उप-क्षेत्रवार आधारित सेवा उत्पादन परीक्षण सूचकांक जारी किया। इससे पता चलता है कि अप्रैल, 2026 में संगठित सेवा क्षेत्र के 19 में से 14 उप-क्षेत्रों में दहाई अंक में वृद्धि हुई है। इन उप-क्षेत्रों में थोक व्यापार, खुदरा, आवास और भोजन, सड़क परिवहन, हवाई परिवहन, दूरसंचार और बैंक शामिल हैं। ये सेवा क्षेत्र का लगभग 60 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। परीक्षण के तौर पर जारी सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) का आधार वर्ष 2024-25 है। इसके अनुसार, रेलवे

- अप्रैल में 14 उप-क्षेत्रों में दहाई अंक में वृद्धि

और हवाई परिवहन को छोड़कर, सभी श्रेणी में अप्रैल, 2026 में सालाना आधार पर सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बयान में कहा, ''सेवा उत्पादन सूचकांक भारत की सांख्यिकी प्रणाली को मजबूत करने और सेवा क्षेत्र के माप को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सेवा क्षेत्र का देश की आर्थिक गतिविधियों में हिस्सेदारी आधे से अधिक है।'' अप्रैल में हवाई परिवहन में 13.9 प्रतिशत की गिरावट आई। वहीं रेलवे परिवहन में 0.4 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। सूचकांक के अनुसार, अप्रैल में मजबूत वृद्धि वाले शीर्ष उप-क्षेत्र... आवास और भोजन (37.2 प्रतिशत), खुदरा व्यापार (30.8 प्रतिशत), प्रशासनिक और सहायता सेवाएं (28.7 प्रतिशत) और रियल एस्टेट (27.7 प्रतिशत) हैं।

सेवा क्षेत्र में बदलावों का माप मिल सकेगा

सांख्यिकी मंत्रालय ने कहा कि उप-क्षेत्रीय सूचकांक जारी होने से पहली बार भारत के संगठित सेवा क्षेत्र में अल्पकालिक बदलावों का मासिक माप मिल सकेगा। इसमें लगभग 60 प्रतिशत क्षेत्र कवर होगा। अपने आंकड़ा स्रोत यानी जीएसटी और प्रशासनिक आंकड़ों के आधार पर सेवा उत्पादन सूचकांक केवल संगठित क्षेत्र की कंपनियों को ही कवर करेगा।

एचडीएफसी ने 9.6 लाख लोगों को कौशल विकास से बनाया सशक्त

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक ने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल 'परिवर्तन' के तहत कौशल विकास और आजीविका बढ़ाने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से 9.6 लाख लोगों को सशक्त बनाया है। बैंक ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विश्व युवा कौशल दिवस से एक दिन पहले बैंक ने बयान में कहा कि 'एचडीएफसी बैंक परिवर्तन' का कौशल विकास मॉडल औपचारिक प्रमाणन आधारित प्रशिक्षण के साथ-साथ स्थानीय जरूरतों के अनुरूप आजीविका और उद्यमिता से जुड़े कार्यक्रमों पर केंद्रित है। बयान में कहा गया है कि 1.96 लाख से अधिक युवाओं को प्रमाणित कौशल प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

बीमा उत्पादों की बिक्री से बढ़ी सरकारी बैंकों की 'कमाई'

एजेंसी ▶▶| मुंबई

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के बीमा उत्पादों की बिक्री से मिलने वाला कमीशन में वित्त वर्ष 2025-26 में अच्छी वृद्धि देखने को मिली है। अधिकतर बैंकों ने इस कारोबार से प्राप्त आय में वृद्धि दर्ज की। हालांकि, म्यूचुअल फंड वितरण से होने वाली आय का रुख मिला-जुला रहा। कुछ बैंकों की इस मद से आय बढ़ी, जबकि कुछ में गिरावट दर्ज की गई। बैंकों की वार्षिक रिपोर्ट के विश्लेषण से पता चला कि देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने इस क्षेत्र में अपना दबदबा बनाए रखा। वित्त वर्ष 2025-26 में बैंक का बीमा कमीशन 19.26 प्रतिशत बढ़कर 2,795.01 करोड़ रुपये हो गया जो वित्त वर्ष 2024-25 में 2,345.36 करोड़

- मिलने वाले कमीशन में अच्छी वृद्धि देखी गई

रुपये था। एसबीआई का म्यूचुअल फंड वितरण से कमीशन 7.05 प्रतिशत बढ़कर 1,617.52 करोड़ रुपये हो गया जो वित्त वर्ष 2024-25 में 1,511.06 करोड़ रुपये था। एसबीआई की बीमा कमीशन से हुई कुल 2,795.01 करोड़ रुपये की आय में से 2,384.63 करोड़ रुपये (करीब 85 प्रतिशत) उसकी जीवन बीमा अनुषंगी एसबीआई लाइफ की पॉलिसियों के वितरण से प्राप्त हुई। इसी तरह, 22,000 से अधिक शाखाओं वाले देश के सबसे बड़े बैंक की म्यूचुअल फंड वितरण से कुल आय में लगभग तीन-चौथाई यानी 1,209.33 करोड़ रुपये का योगदान एसबीआई म्यूचुअल फंड का रहा।

पीएनबी की दोनों श्रेणियों में आय में गिरावट

म्यूचुअल फंड वितरण से कमीशन 8.41 प्रतिशत बढ़कर 72.84 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ऑफ बड़ौदा का बीमा कमीशन 3.76 प्रतिशत बढ़कर 368.93 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, म्यूचुअल फंड वितरण से कमीशन 0.82 प्रतिशत घटकर 142.52 करोड़ रुपये रह गया। दूसरी ओर, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की दोनों श्रेणियों से आय में गिरावट दर्ज की गई।

इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम बदलाव की तैयारी कर रही

अब 10 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर लाने की तैयारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम रसोई गैस के इस्तेमाल को आसान और सुविधाजनक बनाने के लिए एक बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। सूत्रों ने बताया है कि सरकारी तेल कंपनियां 10 किलो के हल्के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर लाने की तैयारी कर रही हैं। मंजूरी मिलने के बाद ये सिलेंडर गैस एजेंसी और कुछ रिटेल दुकानों पर कमर्शियल रेट पर मिल सकते हैं। मिडिल ईस्ट में युद्ध के दौरान भारत के एलपीजी बाजार में कई बड़े

- छोटू पांच किलो वाले सिलेंडर की सफलता को देखते हुए उठाया जा रहा कदम

बदलाव देखने को मिले। इस दौरान सरकार ने पीएनजी नेटवर्क का तेजी से विस्तार किया और बड़ी संख्या में लोगों ने एलपीजी की जगह पीएनजी कनेक्शन लिया। सप्लाई बनाए रखने के लिए कई कदम उठाए गए। घरेलू एलपीजी उत्पादन करीब 32 टीएमटी से बढ़ाकर 52 टीएमटी से ज्यादा कर दिया गया, यानी इसमें 60 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। इसी दौरान 5 किलो वाले 'छोटू' एलपीजी सिलेंडर की मांग भी तेजी से बढ़ी। अब इसी कड़ी में 10 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर लाने की तैयारी को एक और बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

कितनी हो सकती है 10 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत?

तेल कंपनियां 10 किलो के सिलेंडर को कमर्शियल एलपीजी की कीमत पर बेचने की तैयारी कर रही हैं। फिलहाल दिल्ली में 14.2 किलो का घरेलू एलपीजी सिलेंडर 942 रुपए का है। वहीं 19 किलो का कमर्शियल सिलेंडर 2,930 रुपए में मिलता है, जबकि 5 किलो का कमर्शियल सिलेंडर 808.50 रुपए का है। 10 किलो सिलेंडर की कीमत अभी तय नहीं हुई है।

क्या है 10 किलो कमर्शियल सिलेंडर का प्लान?

सूत्रों ने बताया है कि सरकारी तेल कंपनियां इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम 10 किलो के हल्के कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर कमर्शियल ग्राहकों के लिए लाने पर विचार कर रही हैं। अगर इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो ये सिलेंडर कमर्शियल रेट पर गैस एजेंसियों और कुछ रिटेल आउटलेट्स के जरिए बेचे जा सकेंगे।

किन लोगों को सबसे ज्यादा फायदा होगा?

इसका सबसे ज्यादा फायदा छोटे कारोबारियों, चाय और खाने के स्टॉल चलाने वालों, कैफे, फूड कियोस्क, किराएदारों, छात्रों और दूसरे शहरों में काम करने वाले मजदूरों को होगा। जिन लोगों के पास 19 किलो का बड़ा सिलेंडर रखने की जगह नहीं होती या उसे उठाने में दिक्कत होती है, उनके लिए 10 किलो का सिलेंडर ज्यादा आसान रहेगा। फिलहाल कमर्शियल ग्राहकों के लिए 19 किलो, 5 किलो और 2 किलो के एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध हैं। लंबे समय से छोटे कारोबारियों की मांग थी कि 5 किलो और 19 किलो के बीच का भी कोई विकल्प होना चाहिए।

प्रथम पृष्ठ का शेष

एआई से बनाई...

रायपुर लाया था। रेंजर ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों के माध्यम से वनबल प्रमुख अरुण पाण्डेय को तस्करी की सूचना दी। इसके बाद वनबल प्रमुख के निर्देश पर संदीप सिंह, दीपक तिवारी तथा डिप्टी रेंजर संतोष सामंतराय के संयुक्त नेतृत्व में टीम गठित कर छापे की कार्रवाई की गई।

साय बोले- नक्सल...

गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सुरक्षा अभियानों की सतत समीक्षा, संसाधनों की उपलब्धता तथा केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया गया, जिससे अभियान को अपेक्षित गति मिली। राज्य सरकार ने सुरक्षा अभियानों के साथ-साथ समाज के उन लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने पर भी विशेष बल दिया, जिन्होंने हिंसा का मार्ग छोड़कर सामान्य जीवन अपनाने की इच्छा व्यक्त की। पुनर्वास नीति के अंतर्गत आत्मसमर्पित व्यक्तियों को आर्थिक सहायता, भूमि, कौशल विकास प्रशिक्षण, स्वरोजगार तथा सम्मानजनक जीवन के अवसर उपलब्ध कराए गए। इस चर्चा में गृहमंत्री विजय शर्मा, वनमंत्री केदार कश्यप, आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव सहित अनेक लोगों ने नक्सल उन्मूलन की लड़ाई में योगदान की सराहना की। जबकि विपक्षी विधायक इस चर्चा में उपस्थित नहीं थे।

6.79 लाख परिवारों के राशनकार्ड बनाए-

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर संभाग में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का संतृप्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया है। इसके परिणामस्वरूप 6 लाख 79 हजार परिवारों के राशनकार्ड बनाए जा चुके हैं। बस्तर संभाग में 17 लाख लोगों के जनधन खाते खोले जा चुके हैं। 24 लाख 66 हजार लोगों के आधारकार्ड बनाए जा चुके हैं। 22 लाख लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। 1 लाख 18 हजार लोगों को व्यक्तिगत वनाधिकार पत्र प्रदान किए गए हैं। साथ ही 3 लाख 89 हजार किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जा चुके हैं। बस्तर संभाग में 1 लाख 76 हजार प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों एवं आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए भी 15 हजार आवास स्वीकृत किए गए हैं।

अभियान केवल सुरक्षा तक नहीं-

मुख्यमंत्री श्री साय ने विधानसभा में कहा कि नक्सलवाद से मुक्ति का अभियान केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके साथ-साथ विकास को भी समान प्राथमिकता दी गई। राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि जिन क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो रही है, वहां शासन की योजनाएं और बुनियादी सुविधाएं भी तेजी से पहुंचें, ताकि लोगों के जीवन में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन आए। अब राज्य सरकार का पूरा ध्यान बस्तर के समग्र, समावेशी और दीर्घकालिक विकास पर केंद्रित है।

डॉ. रमन हुए...

विपक्ष के शामिल नहीं होने पर डॉ. रमन ने कहा, विपक्ष नक्सल के विरोध में सुनना नहीं चाहता, पता नहीं क्यों?

कश्यप के झलके...

कश्यप ने कहा कि नक्सली निर्दयता से हत्या करते थे, ताकि आने वाली पीढ़ियों तक खौफ रहे। कभी बेटी के साथ, कभी बहू से रेप करते थे। सुनियोजित तरीके से दहशत फैलाने के लिए घटना को अंजाम दिया जाता था।

हमारा छग ...

से झीरम में शामिल नक्सलियों को हमारी आर्म्ड फोर्सज ने न्यूट्रलाइज किया।

विपक्ष का अविश्वास...

के जरिए नकटी में बुलडोजर कार्रवाई, प्रदेश की कानून व्यवस्था, किसानों की समस्याएं, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और विभिन्न प्रशासनिक मामलों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है। वहीं भाजपा सरकार अपनी योजनाओं, विकास कार्यों और प्रशासनिक उपलब्धियों का पक्ष रखेगी।

राज्य गठन के बाद 10 वां अविश्वास प्रस्ताव - सदन में आज नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। राज्य गठन के बाद यह विधानसभा में लाया जाने वाला यह 10वां अविश्वास प्रस्ताव है। इससे पहले 9 बार सरकारों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किए जा चुके हैं।

सरकार के ढाई...

विपक्ष के आरोपों का जवाब देता है।

छत्तीसगढ़ में खुली...

को अपने परिवार के साथ रहने के साथ कृषि, पशुपालन और अन्य आजीविका संबंधी गतिविधियों से जुड़ने की सुविधा मिलेगी।

दरवाजे तोड़ बाल...

कैमरे के मॉनिटर पर पड़ी जिसमें बच्चे पीछे की ओर से भागते नजर आए। जब तक बाल सम्प्रेक्षण गृह प्रबंधन हरकत में आता बच्चे फरार हो चुके थे। इस घटना के बाद जिले में हड़कंप मच गया है। भागने वाले अपचारी बालकों के दुष्कर्म, हत्या, लूट, चोरी समेत विभिन्न धाराओं के तहत अपराधों में शामिल होने की बात कही जा रही है। बड़ी बात यह है कि इसके पर्व 23 जून को भी इसी बाल सम्प्रेक्षण गृह से 11 अपचारी बालक फरार हो गए थे, जिनमें से कुछ अभी तक फरार हैं।

बारिश होते ही 7...

तक नहीं हो पाया है। तेज बहाव के चलते लोगों का नाला पार करना जोखिम भरा हो जाता है । ग्रामीणों का कहना है कि पुल निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। जिला पंचायत सदस्य आशा विक्की मिश्रा का कहना है कि नाले पर लगभग दस फीट ऊंचाई वाली पुल बने, ताकि निकुम सहित अंचल के कई दर्जन गांव सहित बालोद जिलों के आस पास के ग्रामीणों को बरसात में राहत मिल सके।

शहर से लगे...

शहर से गुजरने वाली शिवनाथ नदी के समीप ही ग्राम जंगलेश्वर स्थित है, यहां लगभग 5 हजार से अधिक लोग निवास करते हैं। अधिक बारिश होने पर उनका गांव टापू में तब्दील हो जाता है। इस गांव से आवागमन के लिए दे हैं, जहां पक्की सड़क तो बनी हुई है लेकिन अधिक बारिश होने पर सड़क के बीच आने वाला रपटा भर जाता है और सड़क डूब जाती है । इसके बाद गांव का कोई भी व्यक्ति सड़क के रास्ते गांव से बाहर नहीं आ सकता है । **तीन दशक से हो रही पुल की मांग** - ग्राम जंगलेशर के लोगों की यह समस्या नई नहीं है । शहर से लगा हुआ गांव होने के बाद भी वर्षों से यहां के लोग वर्षा ऋतु के दौरान बदहाली में जीते आ रहे हैं। यहां के देवल साहू ने बताया कि लगभग 25-30 वर्षों से यहां पर पुल निर्माण की मांग की जा रही है लेकिन अब तक इसकी स्वीकृति नहीं मिली है। जिससे अधिक बारिश और बाढ़ की स्थिति में गांव के लोगों का आवागमन पूरी तरह से ठप हो जाता है।

राजिम शहर के...

और छुरा सहित अनेक गांवों का संपर्क मुख्य शहर से कट जाता है। लोग घंटों तक पानी उतरने का इंतजार करने को मजबूर हो जाते हैं। मरीज, विद्यार्थी, कर्मचारी और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले नागरिकों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। स्थिति अब पहले से भी अधिक गंभीर हो गई है। इस मार्ग पर न्यायालय के पास भी सड़क के ऊपर पानी बहता है। न्यायालय आने वाले अधिवक्ताओं, पक्षकारों और आम नागरिकों को भी जलभराव के कारण भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पथर्रा नाले पर छोटा पुल बनाने की मांग कोई नई नहीं है। वर्षों से ग्रामीण, मोहल्लेवासी और शहरवासी लगातार इसकी मांग करते आ रहे हैं, लेकिन आज तक इस दिशा में स्थायी समाधान नहीं निकल सका। हर वर्ष बारिश आती है, पानी भरता है, आवागमन रुकता है और बारिश खत्म होते ही यह मुद्दा फिर ठंडे बस्ते में चला जाता है। **बताया जा रहा है कि राजिम** -घटारानी-छुरा मार्ग के चौड़ीकरण के लिए राशि स्वीकृत होने की प्रक्रिया चल रही है। यदि सड़क चौड़ीकरण के साथ पथर्रा नाले पर नया और पर्याप्त क्षमता वाला पुल बनाया जाता है, तो वर्षों पुरानी इस समस्या से हजारों लोगों को राहत मिल सकती है। राजिम के पास अरंड गांव है कमोवेश इस गांव के नाला का भी यही हाल है। पुल बना जरूर है मगर हाइट कम है इससे पुल के ऊपर पानी बहता है।

मानसून सक्रिय, होगी...

पश्चिम बंगाल व सिक्किम में भी तेज बारिश का दौर जारी रह सकता है। इन क्षेत्रों में गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की चेतावनी भी जारी की गई है। उत्तर भारत में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में भारी वर्षा की संभावना है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश होगी। इस दौरान कहीं-कहीं गरज-चमक देखने को मिल सकती है। मध्य भारत में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में वर्षा की गतिविधियां बनी रहेंगी। कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। पश्चिमी भारत में गुजरात, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र-कच्छ में भी बारिश का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है। मराठवाड़ा के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की आशंका जताई गई है। दक्षिण पश्चिम मॉनसून के कमजोर पड़ने के बीच राजस्थान में कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार सुबह तक बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में कहीं-कहीं पर तेज हवाएं दर्ज की गईं। इस दौरान राज्य के पूर्वी भाग में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। पश्चिमी भाग में कहीं कहीं हल्की से मध्यम बारिश हुई। इस दौरान सबसे अधिक 37.0 मिलीमीटर बारिश हनुमानगढ़ में हुई। राज्य के अनेक भागों में अब भी गर्मी पड़ रही है। अधिकतम तापमान गंगानगर में 41.5 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सिरोही में 21.0 डिग्री सेल्सियस रहा। पश्चिम राजस्थान के जोधपुर व बीकानेर संभाग के अधिकतर भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहेगा। पूर्वी राजस्थान में भी कमोबेश ऐसी ही परिस्थितियां रहेंगी।

निवेशकों के डूब...

विश्लेषकों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में फिर से तनाव बढ़ने से कच्चे तेल के दाम में तेजी आई है और निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। साथ ही विदेशी पूंजी की निकासी और डॉलर के मुकाबले रुपये के 96 के स्तर से नीचे आने का भी बाजार पर प्रतिकूल असर पड़ा। तीन कारोबारी सत्रों की बढ़त के बाद, बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 561.46 अंक यानी 0.72 प्रतिशत टूटकर 77,054.94 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 614.92 अंक यानी 0.79 प्रतिशत टूटकर 77,001.48 अंक पर आ गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी 158.95 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,052.05 अंक पर बंद हुआ। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, मंगलवार को बाजार दबाव में रहा। वैश्विक स्तर पर जारी तनाव को लेकर चिंता फिर से बढ़ने के कारण मानक सूचकांक में आधे प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से निवेशकों का उत्साह कम रहा। इससे ब्रेंट क्रूड की कीमत 85 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से ऊपर पहुंच गईं और महंगाई को लेकर चिंता फिर से बढ़ गयी है।

कार्यालय नगर पंचायत मल्हार, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

फोन नं. 07752-273990 E-mail: cmomalhar@rediffimail.com

क्र./969/ ई-निविदा/न.पं./2026-27 मल्हार, दिनांक 14/07/2026

अष्टम ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत मल्हार में सक्षम श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा (ई-टेंडर) हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के यूएसओआर दिनांक 01.06.2020, जल संसाधन विभाग के एसओआर 01.08.2022, लोक निर्माण विभाग के एसओआर (भवन व सड़क निर्माण कार्य) दिनांक 01.01.2015, तथा लोक निर्माण विभाग के एसओआर (विद्युत और यांत्रिकी) दिनांक 01.06.2020 फार्म-एच (लमसम दर) अंतर्गत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

स. क्र.	सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का विवरण	ई-निविदा प्रारंभ की तिथि	ई-निविदा की अंतिम तिथि	निविदा दस्तावेज प्राप्त एवं परीक्षण तिथि	ई-निविदा खोलने की तिथि
1	195443	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in Nagar Panchayat, MALHAR under SBM 2.0 (RS 273.56 Lac) (form-H) (Lumpsum Rate) (8TH call	14.07.2026 17.30 बजे से	24.07.2026 17.30 बजे	28.07.2026 16.00 बजे	28.07.2026 17.00 बजे

निविदा में भाग लेने वाले ईच्छुक फर्म/ठेकेदार एवं कार्य से संबंन्धित अन्य समस्त जानकारी कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा से प्राप्त की जा सकती है एवं Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in अथवा www.cg.uad.gov.in पर उपलब्ध है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत मल्हार

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

डॉ.वाशानी दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769
असली केंदवा मलहम®
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 8वीं, 10वीं, 12वीं पास लड़कियों, महिलायों एवं लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- आकांक्षा रियल स्टेट, सामाधान नर्सिंग होम के सामने राजीव गांधी चौक बिलासपुर 89825 55947 (41418)

आवश्यकता है- मेडिकल होलसेल में डिलवरी कार्य हेतु, लड़के एवं लड़की की आवश्यकत स्थान- दयालबंद, बिलासपुर सम्पर्क करें- 9144422002 (41422)

आवश्यकता है- यश सुपर बाजार में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है अनुभवी को वेतन 10000 से प्रारम्भ सम्पर्क करें- रिंग रोड नं.-2 गौरव पथ बिलासपुर 8817702579 (41419)

आवश्यकता है- आर्य समाज द्वारा संचालित दयानन्द पूर्व माध्यमिक विद्यालय में गणित एवं विज्ञान पढ़ाने हेतु शिक्षिकाओं की। समय सुबह 8 से 11बजे सम्पर्क करें- दयानन्द विद्यालय नदी किनारे गोड़पारा बिलासपुर 8982112133 (41426)

आवश्यकता है- बिलासपुर रेस्टोरेन्ट में शाकाहारी भोजन एवं नाश्ता बनाने वाले अनुभवी कारीगर की आवश्यकता है। रहने के लिए आवास उपलब्ध। सम्पर्क करें- 8602906819, 7415555744 (41424)

आवश्यकता है- बेकरी एवं स्वीट्स दुकान में काऊंटर सेल्समैन, स्टोर कीपर, कार ड्राइवर चाहिए। अनुभवी व्यक्ति ही सम्पर्क करें- बेकर्स फार्म, शरण साइकिल के बाजू में, डोमिनोज के सामने, बिलासपुर 78038 8885, 9617611110 (41396)

आवश्यकता है- Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 (41423)

आवश्यकता है- उमा सुपर बाजार में कार्य हेतु अनुभवी लड़के की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गणेश स्वीट्स के पहले, बजरंग चौक, राजकिशोर नगर, बिलासपुर 9301517722 (41425)

आवश्यकता है- घरेलू सभी कार्य करने हेतु लड़की की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार पता- रामा वर्ल्ड न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर सम्पर्क करें- 9967299365 (41408)

आवश्यकता है- एकाउंटेंट की आवश्यकता है टैली एवं एमएस ऑफिस में काम करने का 5वर्ष का अनुभव होना चाहिए। उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए अपने रिज्यूम के साथ आना आवश्यक है। सैलरी योग्यता अनुसार पता- आरजे बायोएनर्जी प्राइवेट लिमिटेड पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर सम्पर्क करें- 9009658885 (41413)

आवश्यकता है- नर्सरी से 12वीं पढ़ाने हेतु टीचर्स एवं साफ सफाई हेतु महिला आया चाहिए। सम्पर्क करें- संस्कार स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास, उसलापुर 7440549466, 9098546135 (41411)

आवश्यकता है- डेयरी में काम करने हेतु राऊत चाहिए उनकी फेमिली को भी यहां काम मिलेगा। सर्वसुविधा युक्त कवार्टर मिलेगा। रोजी- प्रतिदिन राऊत 400/- रेजा 250/- सम्पर्क करें- 95753 02419 (41389)

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप हेतु अनुभवी स्टाफ चाहिए। केवल पेट्रोल पंप में पूर्व कार्य अनुभव रखने वाले लड़के ही सम्पर्क करें। आकर्षक वेतन। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 8982390812, 79878 84236 (41394)

आवश्यकता है- हाउस हेल्प कम कुक (सुबह 8बजे से शाम 7बजे) स्टोर मैनेजर, इलेक्ट्रीशियन, स्वीपर एवं महिला सफाई कर्मचारी की आवश्यकता है। अनुभवी उम्मीदवारों को प्राथमिकता। कार्य स्थल- जरहाभाठा, बिलासपुर सम्पर्क- 62643 15731 (41399)

Wanted- Graduate and Experienced Teacher to Teach Computer and Pre Primary teacher, Aaya And Drivers. Address- Krishna Public School Raj kishore Nagar Bilaspur 8109912431, 9340772866, 93407 67474 (4156)

आवश्यकता है- तत्काल भर्ती सुरक्षागार्ड 25, ड्राइवर 10, फिल्ड ऑफिसर 10 बाइक अनिवार्य, वेतन- 11000 से 18000+ रहना फ्री, साईट बिलासपुर, भूपदेवपुर पता- शॉप नं.-210 फर्स्ट फ्लोर बालाजी प्लाजा 8461881110, 9111000881, 88898 23100 (41295)

आवश्यकता है- तायलटेक ऑफिस में कार्य हेतु लड़के/लड़कियां (योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट), सफाई हेतु लड़के/लड़कियां चाहिए (कार्य समय- 8घंटे) पता- तायलटेक, दीनदयाल पार्क के पास, व्यापार विहार बिलासपुर 7987498938, 7697693000 (41404)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़के चाहिए जिसे busy software में कार्य करने का 2 से 3वर्ष का अनुभव हो। सम्पर्क करे- सुबह 11 से 2बजे कम्प्यूटर सर्विस लाइन, इन्दू चौक बिलासपुर 99772 98333 (41398)

आवश्यकता है- कार वॉशिंग गैराज में कार्य करने हेतु हेल्पर चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता। सैलरी अनुभव के अनुसार। सम्पर्क करें- माँ शारदा कार केयर, संजीवनी हॉस्पिटल के पास, स्मार्ट रोड, बिलासपुर 7974332986 (41406)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने हेतु लड़कों एवं हेल्पर की आवश्यकता है। आधार सहित सम्पर्क करें- श्रीबजाज ट्रेडर्स मंगला चौक के पास CLC प्लाजा के सामने रिंग रोड नं-2 बिलासपुर 7000727385 (41400)

आवश्यकता है- एक बहुमंजिला निर्माणाधीन भवन में कार्य करने हेतु सिविल सुपरवाईजर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 91119 13566 (41385)

आवश्यकता है- मेडिकल सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़कियों (योग्यता 12वीं से ग्रेजुएट) एवं साफ सफाई हेतु लड़कियों की आवश्यकता है (कार्य समय 10घंटे) पता- श्रीविनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 (41405)

आवश्यकता है- अंकुर डेलीनीड्स में काम करने हेतु अनुभवी लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रिंग रोड नं-2 गौरव पथ भाटिया पेट्रोल के पास बिलासपुर 8085813131 (41395)

आवश्यकता है- थोक जूता चप्पल दुकान में सेल्समैन तथा पैकिंग कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार (सम्पर्क समय 12बजे से शाम 5बजे तक) सम्पर्क करें- 7000941144 (41390)

आवश्यकता है- चाय पत्ति में पैकिंग कार्य के लिये लेडिस व लोडिंग, अन लोडिंग के लये पुरूष कि आवश्यकता है सम्पर्क करें- ट्रेडर्स नियर SBI ATM आकृति विहार अमलीडीह रायपुर 7469980000, 07714075490 (883)

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन साईट हेतु अनुभवी स्टोर मैनेजर, जेसीबी हेतु अनुभवी ड्राइवर एवं ऑफिस वर्क के लिए युवक/ युवती की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीबालाजी कंस्ट्रक्शन्स बिलासपुर 7974086925, 9907925045 (41403)

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के आयु 18 से 30 वर्ष वेतन 12000 + कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया + कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क- 9630922589, 98930 29618 (530)

बेचना

बेचना है- भारत माला प्रोजेक्ट के पास नेशनल हाईवे 130A रोड से लगा 150 का फ्रंट, बाऊंड्री वाल से घिरा लिमतरा, खैरा रोड पर स्थित (एक एकड़ जमीन) शीघ्र बेचना सम्पर्क 83490 54531 (41420)

बेचना है- गीता पैलेस गोकुल धाम रोड अमेरी साईं आनंदम के पीछे 8200 वर्गफुट में बना हुआ प्रॉपर्टी बेचना है प्लॉट साइज 50×60= 3000 वर्गफुट डबल रोड। सम्पर्क करें- 8871100525 (41421)

बेचना है- हेमू नगर चन्द्रा चौक बिलासपुर में डबल स्टोरी मकान बेचना है (प्लाट साईज 1550 वर्गफीट बिल्ट अप 3247 वर्गफीट 4हाल, 5बेडरूम, 2किचन, 2पूजा 5लेटबाथ) सम्पर्क करें- 8085955932 (41397)

बेचना है- हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, खमतराई में 1 BHK LIG मकान बेचना है कीमत 22 लाख, सम्पर्क करें-9770128995 (41387)

बेचना है- व्यापार विहार में 375 वर्गफीट का एक कमर्शियल प्लॉट और सिरगिट्टी बिलासपुर के गोविन्द नगर में 3225 वर्गफीट का एक पूर्वमुखी प्लॉट शीघ्र बेचना है वास्तविक खरीददार ही संपर्क करें 9630083740, 9770676030 (41380)

बेचना है- व्यापार विहार रोड स्थित महिमा कॉम्प्लेक्स में 625 वर्गफुट डबल फ्लोर शॉप बिक्री हेतु प्राइम लोकेशन, शानदार फ्रंटेज, चौड़ी सड़क व्यवसाय व निवेश के लिए उत्कृष्ट, तत्काल पजेशन, सम्पर्क करें-8982390812 7987884236 (41393)

बेचना है- दीनदयाल कॉलोनी मंगला से लगा हुआ 2BHK नवनिर्मित मकान सी.सी. रोड, बिजली, पानी, नाली, सर्व सुविधा युक्त मकान बेचना है सम्पर्क करें- 7879922408, 79745 34322 (41415)

बेचना है- कोरबा- ऊरगा मुख्य मार्ग पर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बरबसपुर में एक LIG फ्लैट मध्य तल का बेचना है सम्पर्क करें- 9425283727, 94241 65378 (41409)

किराया

किराया- मंगला लोखंडी रोड में नव निर्मित 10 कमरे अटैच बाथरूम जो कि लॉज के लिए उपयुक्त है किराये पर देना है सम्पर्क करें- 98261 22148 (41392)

किराया- 2 और 4 व्हीलर पार्किंग एवं 24घंटा पानी, 1BHK, 400 वर्गफुट आंगन की सुविधाओं सहित वेयर हाउस रोड में शाकाहारी परिवार को किराये से देना है सम्पर्क करें-9893025684 (अग्रवाल) (41388)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारम्भ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे B.Ed, B.A, B.Com, B.Sc, Bca, Mca, Bba, Llb M.A, M.Com, M.Sc, Mba, Msw, B.Lib, M.Lib, Dca, Pgdca, Polytechnic, B.tech M.tech अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sec.-6, Bhilai 98261 96515, 9826896515 (4157)

फायनेंस

फायनेंस- विनायिका फाइनेन्स कम्पनी समस्त प्रकार के लोन कृषि, बिजनेस, समूह लोन, पर्सनल, लेबर कार्ड, डेयरी फार्म, होम लोन, आधार कार्ड पर 40000 से 50लाख तक 2% ब्याज, 30% छूट सम्पर्क करें- 7489545029 (4401)

फायनेंस- रोजगार योजना अन्तर्गत पूरे छत्तीसगढ़ में लोन सिर्फ आधार कार्ड पर 50000 से 25लाख तक 1% ब्याज वार्षिक प्रॉपर्टी, पर्सनल, बिजनेस, दुकानदारी, ग्रुप लोन, सिविल खराब लोन पाए, सम्पर्क- करें- 88826 27857 (4402)

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

पप्स

पप्स- Pups for Sale Quality Labrador, Doberman Pups available for sale एवं अन्य प्रजाति पप्स के लिए सम्पर्क करें- राजेश रेमण्ड जोसेफ विनोबा नगर बिलासपुर 96177 77818 (41417)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

21 साल बाद अर्जेंटीना और इंग्लैंड में भिड़ंत

सेमीफाइनल में आज मेस्सी और केन होंगे आमने-सामने

एजेंसी ▶▶| अटलांटा

अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की बहुचर्चित प्रतिद्वंद्विता बुधवार को जब विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में फिर से जीवंत होगी तो सबकी नजर इस पर टिकी रहेगी कि इसमें लियोनेल मेस्सी के पांवों का जादू चलेगा या हैरी केन का करिश्मा। मेस्सी ने अब तक मौजूदा टूर्नामेंट में 8 गोल करके अर्जेंटीना की जीत में अहम भूमिका निभाई है तो केन भी उनसे ज्यादा पीछे नहीं है, जिन्होंने छह गोल दागे हैं। यह दोनों खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहली बार आमने-सामने होंगे क्योंकि दोनों टीम के बीच 2005 के बाद कोई मुकाबला नहीं हुआ है।

अर्जेंटीना को करना पड़ा उतार-चढ़ाव का सामना

मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना की टीम को हाल के मैचों में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा है। ग्रुप चरण में अपने तीनों मैच जीतने वाले अर्जेंटीना का केप वर्दे के खिलाफ मैच अतिरिक्त समय तक खिंचा। इसके बाद उसे मिस्र और स्विट्जरलैंड को हराने में भी संघर्ष करना पड़ा। अर्जेंटीना विश्व कप में 12 मैचों से अजेय है। इंग्लैंड ने भी अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था। उसने अंतिम 16 के मैच में मैक्सिको को 3-2 से हराया और फिर नॉर्वे के खिलाफ क्वार्टर-फाइनल मुकाबले में पिछड़ने के बाद बेलिंगहम के दो शानदार गोल की मदद से 3-2 से जीत हासिल की।

राइट- बैक इंग्लैंड टीम की समस्या

इंग्लैंड की राइट-बैक की समस्या अभी भी बनी हुई है। जेरेल क्वांसा निलंबित हैं और चोटिल रीस जेम्स को शुरुआती लाइनअप में शामिल किए जाने की संभावना बहुत कम है। ऐसे में एजरी कोंसा या जेड स्पेंस को अर्जेंटीना की तरफ से बाएं छोर से होने वाले आक्रमण के खिलाफ मोर्चा संभालना होगा। अर्जेंटीना के सभी खिलाड़ी खेलने के लिए उपलब्ध हैं, जिससे उसके कोच लियोनेल स्कालोनी के लिए शुरुआती एकादश का चयन करना आसान नहीं होगा। उन्हें यह तय करना है कि अपने करिश्माई कप्तान मेस्सी के साथ जूलियन अल्वारेज को खिलाया जाए या लोटारो मार्टिनेज को।

इंग्लैंड के सामने अर्जेंटीना की रक्षापंक्ति की परीक्षा

केन को जूड बेलिंगहम (छह गोल) का भी अच्छा साथ मिला है। इंग्लैंड की टीम के लिए, जहां मेस्सी को रोकना एक चुनौती होगी वहीं केन और बेलिंगहम के सामने अर्जेंटीना की रक्षापंक्ति की कड़ी परीक्षा होगी। बेलिंगहम बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं और अर्जेंटीना को उनसे सतर्क रहना होगा। इन दोनों देशों के बीच वर्षों से चली आ रही प्रतिद्वंद्विता को देखते हुए मैच के दौरान तनाव भी होने की संभावना है। फिर चाहे वह 1966 में खेले गए विश्व कप में अर्जेंटीना के तत्कालीन कप्तान एंटोनियो रैटिन को बाहर भेजने का मामला हो या फुटबॉल के मैदान से इतर 1982 में फ़ॉकलैंड द्वीप समूह पर हुआ संघर्ष, इन दोनों देशों के बीच फुटबॉल के मैदान के अंदर और बाहर तनाव देखने को मिला है।

यादगार है 1986 में माराडोना का 'हैंड ऑफ गॉड' गोल

जब इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच मैच की बात हो तो फिर विश्व कप 1986 में डिएगो माराडोना के 'हैंड ऑफ गॉड' गोल को कैसे भुलाया जा सकता है। उनके इस गोल के दम पर अर्जेंटीना जीत हासिल करने में सफल रहा था। इसके बाद 1998 में डेविड बेकहम को बाहर भेजे जाने और इसके चार साल बाद इस स्टार खिलाड़ी के फ्री किक पर किए गए गोल ने प्रतिद्वंद्विता को चरम पर पहुंचाया। इन दोनों टीम ने अभी तक अजेय रहकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है।

मिडफील्ड में होगा रोमांचक मुकाबला

इस मैच में मिडफील्ड में रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है। इंग्लैंड को अपना पूरा ध्यान मेस्सी पर लगाने से बचना होगा, जो एंज़ो फर्नांडीज और एलेक्सिस मैक एलिस्टर के साथ मिलकर इंग्लैंड की रक्षात्मक पंक्ति को भेदने और उनके आक्रामक डिफेंस के पीछे मौजूद खाली जगह का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्यूशेल की रणनीति रक्षात्मक चूक को कम करने को प्राथमिकता देनी होगी। डेक्लान राइस और कोबी मैनू की मेस्सी को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

पहले वनडे में इंग्लैंड को 6 विकेट से दी करारी शिकस्त

भारत ने खोला ब्रिटेन दौरे पर जीत का खाता, बनाई 1-0 की बढ़त

एजेंसी:बर्मिंघम

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने एजबेस्टन मैदान पर अपना शानदार रिकॉर्ड बरकरार रखते हुए 80 रन की आकर्षक पारी खेली, जिसकी बदौलत भारत ने 3 मैचों की श्रृंखला में पहले वनडे में इंग्लैंड को 6 विकेट से हराकर इस दौरे की पहली जीत दर्ज की। हरफनमौला अक्षर पटेल ने भी बल्ले और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले 4 विकेट लेकर इंग्लैंड को 258 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई और फिर 52 गेंदों में नाबाद 57 रन बनाकर लक्ष्य हासिल करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके साथ वाशिंगटन सुंदर ने भी नाबाद 52 रन बनाए। भारत ने ब्रिटेन दौरे पर जीत का खाता खोला। इससे पहले टीम को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखलाओं में हार का सामना करना पड़ा था।

अक्षर और वाशिंगटन ने की 102 रन की साझेदारी

जीत के लिए 259 रन का पीछा करते हुए भारत ने 45.2 ओवर में 4 विकेट पर 262 रन बनाकर मुकाबला अपने कनाम किया। एक समय टीम का स्कोर 160 रन पर 4 विकेट था, लेकिन प्लेयर ऑफ द मैच अक्षर और वाशिंगटन ने पांचवें विकेट के लिए नाबाद 102 रन की साझेदारी कर भारत को आसान जीत दिला दी। गिल शानदार लय में दिखे और 75 गेंदों की अपनी पारी में 11 चौके तथा एक छक्का लगाया। शतक के करीब पहुंचने से पहले उन्हें पिंडली और मांसपेशियों में ऐंठन के कारण वह रिटायर हर्ट हो गए।

रो-को हुए सस्ते में आउट

इस जीत के साथ गिल ने रोहित शर्मा (11) और विराट कोहली (5) के सस्ते में आउट होने के बाद 48 रन पर दो विकेट गंवा चुके भारत के लिए जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने उपकप्तान श्रेयस अय्यर (35) के साथ तीसरे विकेट के लिए 101 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

रूट और डॉसन की शानदार पारी

टॉस जीत कर बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद इंग्लैंड का स्कोर 13वें ओवर तक बिना किसी नुकसान के 61 रन था । इसके बाद उसने 22वें ओवर तक छह विकेट 107 रन पर गंवा दिए और लग रहा था कि मेजबान टीम 150 रन भी नहीं बना सकेगी। रूट ने हालांकि 76 गेंद में 76 और डॉसन ने 83 गेंद में 68 रन की पारी खेलकर टीम को संकट से निकाला।

गिल और गुरनूर को छोड़ना पड़ा मैदान

इंग्लैंड के खिलाफ़ पहले वनडे मैच में शुभमन गिल और गुरनूर को बीच मैच मैदान छोड़ना पड़ा। इंग्लैंड में अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेल रहे गुरनूर ने पारी के दौरान शानदार गेंदबाजी की।दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को 48वें ओवर में अपने रन-अप के आखिर में परेशानी महसूस हुई। वह आगे खेल जारी नहीं रख सके और मैदान से बाहर चले गए।

जूडो महासंघ को मिली सशर्त मान्यता

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने भारतीय जूडो महासंघ (जेएफआई) के अंतरिम निकाय को सशर्त मान्यता दे दी है, जिसका चुनाव दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पिछले महीने हुआ था। मंत्रालय ने इसके साथ ही चेतावनी दी कि अगर वह अदालत के निर्देशों का पालन नहीं करेगा तो उसे निलंबित कर दिया जाएगा। जेएफआई का संचालन 2022 से अदालत से नियुक्त प्रशासक कर रहे थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल फरवरी में अपने फैसले में निकाय को वार्षिक आम बैठक बुलाने और इस साल की शुरुआत में लागू किए गए राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने के लिए कहा था।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-टेंडर नोटिस नं. एनआईटी/14/26/27, तिथि: 07.07.2026

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	टेंडर बंद/खुलने की तिथि एवं समय	मात्रा
1	05261203B	शेल 2व्ही 200एएच कैपेसिटी लीड एसिड	23.07.2026 At 10:30 hrs	4876 नग
2	07261570	पेंट इनेमल सिंथेटिक एक्सटेरियर ब्लेक फिनिसिंग टू आईएस: 8662/2004	27.07.2026 At 10:30 hrs	84931 लीटर
3	02264070	इन्ड फ्रेम/डीई एसेंबली	03.08.2026 At 10:30 hrs	390 नग
4	03262319	लॉक लिफ्ट लीवर एसेंबली फॉर बॉक्सएन-एचएल वैगन टू आरडीएसओ ड्रॉईंग	27.07.2026 At 10:30 hrs	40374 नग
5	03261100A	स्क्रूव कपलींग एएसएसवाई	30.07.2026 At 10:30 hrs	490 नग
6	03261072	इंजेक्शन मोल्डेड हाई परफोरमेंस पोल्या	29.07.2026 At 10:30 hrs	372 सेट

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरुरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं ।

सहायक सामग्री प्रबंधक-III
द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर

सीपीआर/10/278

968 दिन का बाद बुमराह का 'कमाल कमबैक', वनडे में चटकाए 150 विकेट

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटते ही कमाल कर दिया। पहले 4 ओवर में सिर्फ 8 रन और फिर पांचवें ओवर में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक का विकेट लेते ही उन्होंने दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए।

उन्होंने इस विकेट के साथ वनडे इंटरनेशनल में अपने 150 विकेट पूरे किए। साथ ही वह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज भी बने। जसप्रीत बुमराह ने अपने 90वें मैच और 89वीं पारी में 150वां विकेट लिया और सबसे तेज यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बने। जबकि इंग्लैंड में उनका यह 31वां वनडे विकेट था। रविंद्र जडेजा (30) को पीछे छोड़ते हुए इस मामले में बुमराह नंबर 1 भारतीय गेंदबाज बने। भारत के लिए सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने का रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम है।

सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

मोहम्मद शमी	: 80वां मैच
कुलदीप यादव	: 88वां मैच
जसप्रीत बुमराह	: 90वां मैच
अजीत अगरकर	: 97वां मैच
जहीर खान	: 103वां मैच

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय

31 विकेट	: जसप्रीत बुमराह*
30 विकेट	: रविंद्र जडेजा
28 विकेट	: भुवनेश्वर कुमार
27 विकेट	: मदन लाल
26 विकेट	: मोहम्मद शमी

स्क्वाश पीएसए चैलेंजर से सान्या वत्स बाहर

चेन्नई। भारत की चौथी वरीयता प्राप्त सान्या वत्स एचसीएल स्क्वाश पीएसए चैलेंजर टूर प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में मिस्र की शीर्ष वरीयता प्राप्त रुकाइया ओथमान से हार गई। इंडियन स्क्वाश अकादमी में खेले गए मैच में वत्स को मिस्र की खिलाड़ी से 4-11, 2-11, 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य सेमीफाइनल में कोरिया की ह्वायेओंग ईम ने मिस्र की हाना अलादीन को 11-9, 9-11, 2-11, 11-4, 11-6 से हराया।

77 रन पर ढेर पूरी टीम, 6 ओवर में खत्म हो गया टी20 मुकाबला

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

टी20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में एक बेहद एकतरफा और हैरान करने वाला मैच देखने को मिला। इस मुकाबले में बेल्जियम ने हंगरी के खिलाफ 10 विकेट से एकतरफा और धमाकेदार जीत दर्ज की। हंगरी की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 77 रनों पर ढेर हो गई, जिसके बाद बेल्जियम ने महज 6 ओवरों में ही बिना कोई विकेट खोए टारगेट हासिल कर लिया।

हंगरी की बैटिंग फेल

मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हंगरी की शुरुआत बेहद खराब रही। बेल्जियम के घातक गेंदबाजी आक्रमण के सामने हंगरी का कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सका। टीम की तरफ से जाहिर सफी मोहम्मद ने सबसे ज्यादा 26 गेंदों में 20 रन बनाए। उनके अलावा मोहम्मद माज भाईजी ने 11 और कप्तान विनोद रविंद्रन ने 10 रनों का योगदान दिया।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD.
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) CIN- U40108CT2003SGC0158200 GSTIN-22AADCC5773E1ZX
OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (SUB-STATION)
Transmission Building, CSPTCL Tifra, Bilaspur (C.G.) 495001
Website- www.cspc.co.in e-mail:- cessonm.bilaspur@cspc.co.in Ph. No. 07752-493537 Fax No. 07752-493537

No. 02-17/Pur/T-641/974 Bilaspur, Date: 13.07.2026

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders are invited from eligible experienced bidder on labour contract basis for the following works:-

SN	Tender No.	Particulars	E.M.D
01.	02-17/T-641/ 974 dtd. 13.07.2026 (RFx No. 8100052994)	Job work of erection of 132 KV and 33 KV yard structure and equipment of 3rd 40MVA Transformer at 132/33 KV S/s Adbhar under EE (S/s) Dn. CSPTCL Raigarh on labour contact basis.	11,100.00
Cost of Tender Form (Non-refundable) including GST@18%.			2,000.00
Last Date & Time of Sale of Tender: -		05/08/2026	17:00 Hrs
Last Date & Time of Submission of Tender:-		06/08/2026	15:00 Hrs
Date & Time of Opening of Tender :-		06/08/2026	15:30 Hrs

Note:- (i) In case any of the above date is declared as holiday, then the particular date will automatically get shifted to next working day.(ii) Any notice for extension of due date of tender opening shall not be published in newspapers. It will be displayed only on official website of the company.(iii) The tender will be processed through e-bidding module of SAP-SRM. Bidders are advised to visit our web site www.cspc.co.in/csptcl for viewing detailed instructions regarding submission of offer through SAP-SRM

SAVE ELECTRICITY

Executive Director (S/s)
CSPTCL Bilaspur

कार्यालय, नगर पालिका परिषद् खरसिया
जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

क्रमांक/518/न.पा.प./लो.नि.वि/2026-27 खरसिया, दिनांक 14-07-26

रूची की अभिव्यक्ति सूचना (EOI)

नगर पालिका परिषद् खीरसिया क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 18 स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में (स्वीमिंग पुल, इनडोर गेम्स, जिम, बाक्स क्रिकेट, कैन्टीन, पार्किंग, बॉलीवाल, बास्केटबाल एवं अन्य) का नियमित रूप से रख रखाव के साथ-साथ संचालन हेतु नगर पालिका परिषद् खरसिया की निर्धारित किरायेदारी आबंटन शर्तों के तहत 01 वर्ष की किरायेदारी पर उपलब्ध कराने हेतु राशि रू. 2000000.00 (बीस लाख रूपये) वार्षिक किराया राशि पर उच्चतम बोली किराये की रूचि की अभिव्यक्ति बंद लिफाफें में राशि 500 रु. प्रस्तुतीकरण शुल्क के साथ नगर पालिका परिषद खरसिया में कार्यालयीन समय पर दिनांक 31/07/26 समय दोपहर 3:00 PM बजे तक आमंत्रित किये जाते हैं, प्राप्त रूचि की अभिव्यक्ति दिनांक 31/07/26 समय शाम 4:00 बजे खोले जायेंगे।

क्र.	कार्य का विवरण	न्यूनतम ऑफर राशि (रू. लाख में)	अमानत राशि एफ.डी.आर./ टी.डी.आर. के रूप में
1	वार्ड क्रमांक 18 स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में (स्वीमिंग पुल, इनडोर गेम्स, जिम, बाक्स क्रिकेट, कैन्टीन, पार्किंग, बॉलीवाल, बास्केटबाल एवं अन्य) का संचालन कार्य।	20.00	50000.00

उपरोक्त कार्य की ऑफर की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत ऑफर विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट https://uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय आकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद खरसिया

एक नई स्टडी ने भारत में अंगदान के क्षेत्र में छिपी सामाजिक असमानता को उजागर कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में अंगदान करने वालों में करीब 80 प्रतिशत महिलाएं हैं।

अंगदान में आगे निकली महिलाएं मां और बीवी निभा रही फर्ज

नई दिल्ली। इनमें ज्यादातर मां और पत्नियां शामिल हैं, जो अपने बेटे या पति की जान बचाने के लिए अपना अंग दान कर रही हैं। वहीं, अंग प्राप्त करने वालों में भी करीब 80 प्रतिशत पुरुष हैं। यह आंकड़ा ना सिर्फ चिंताजनक है, बल्कि रिश्तों की गहराई और सामाजिक दबाव दोनों को दिखाता है।

महिलाएं अपने स्वास्थ्य को जोखिम में डालकर परिवार को बचाने का फर्ज निभा रही हैं। यह असमानता इसलिए नहीं है, क्योंकि महिलाओं को अंगों की जरूरत कम पड़ती है। बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारक इसमें मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

पुरुषों की भागीदारी कम क्यों?

स्टडी में सामने आया है कि पुरुष कम अंगदान करते हैं। कारणों में स्वस्थ रहने की प्राथमिकता, कॅरियर और कम जोखिम लेने की प्रवृत्ति शामिल है। हालांकि कुछ पुरुष भी दान करते हैं, लेकिन संख्या बहुत कम है। महिलाओं के लिए अंगदान (खासकर किडनी) बाद में स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। गर्भावस्था, हार्मोनल बदलाव और उम्र बढ़ने के साथ जटिलताएं बढ़ जाती हैं। फिर भी वे बिना सोचे परिवार के लिए आगे आती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यह असमानता सामाजिक अन्याय को दर्शाती है। हमें पुरुषों को भी जागरूक करना चाहिए कि दान एक सामाजिक जिम्मेदारी है।

महिलाएं क्यों आगे?

भारतीय समाज में महिलाओं को परंपरागत रूप से केयरगिवर (देखभाल करने वाली) की भूमिका दी गई है। परिवार के लिए सब कुछ त्याग देने की अपेक्षा उनसे की जाती है। बेटे के बीमार पड़ते ही मां सबसे पहले अपना अंग देने को तैयार हो जाती है। पति की बीमारी में पत्नी आर्थिक और भावनात्मक रूप से परिवार को संभालते हुए अंगदान का फैसला ले लेती है। कई बार फैसले लेने में पुरुष प्रधान परिवारों में महिलाओं पर दबाव बनाया जाता है। वहीं, कई परिवारों में पुरुष कमाने वाले सदस्य होते हैं, इसलिए उनकी जान बचाने को प्राथमिकता दी जाती है।

स्टडी के मुख्य आंकड़े

80% डोनर महिलाएंः मां अपने बेटे के लिए, पत्नी पति के लिए किडनी, लीवर या अन्य अंग दान कर रही हैं।

80% रिसीपिएंट पुरुषः पुरुषों को अधिकांश अंग मिल रहे हैं।

बेशकीमती है इस कीड़े की पॉटी, खाने के बाद बाहर निकलता है 24 कैरेट सोना!

बर्लिन। सुनने में अजीब लगता है, लेकिन विज्ञान इसे सच साबित कर रहा है। ये बैक्टेरिया खतरनाक और टॉक्सिक मेटल खाता है। इसके बाद इसकी बॉडी में ऐसे केमिकल रिएक्शन होते हैं, जिसकी वजह से जब ये पॉटी करता है तो वो मेटल सोने के शुद्ध रूप यानी चौबीस कैरेट गोल्ड के रूप में बाहर निकलता है। यह बैक्टीरिया भारी धातुओं जैसे कॉपर और गोल्ड से भरे माहौल में जीवित रहने की क्षमता रखता है। जब यह जहरीले मेटल के कंपाउंड का सामना करता है तो कोपा (सीओपीए) नाम के एंजाइम का इस्तेमाल करके उसे डिटॉक्सिफाई कर देता है। इसका नतीजा? छोटे-छोटे शुद्ध सोने के पार्टिकल्स। समय के साथ ये पार्टिकल्स क्लंप होकर दाने के आकार के सोने के टुकड़ों में बदल जाते हैं।

जापान होगा मालामाल, समुद्र की तलहटी में रिकॉर्ड तादाद में 'अदृश्य' सोने की खोज

टोक्यो। जापान के हाथ सोने का एक बड़ा भंडार लग सकता है। रिसर्चर्स ने जापान के दक्षिण-पूर्वी तट के पास समुद्र के नीचे मौजूद ज्वालामुखी क्रेटर पर ब्लैक स्मोकर चिमनी और हाइड्रोथर्मल टीले (माउंड) खोजे हैं, जो बड़ी मात्रा में सोना बना रहे हैं। ये हाइड्रोथर्मल वेंट ना केवल सोने के छोटे कण छोड़ रहे हैं, बल्कि अदृश्य सोना भी बना रहे हैं, जिसे नंगी आंखों या सामान्य माइक्रोस्कोप से भी नहीं देखा जा सकता है। यह सोना समुद्र तल पर मौजूद पदार्थों के अंदर छिपा होता है। एक्सपर्ट इसे कमर्शियल अंडरवॉटर सोने की खदान बनाने के लिए एक बेहतरीन जगह मान रहे हैं। वैज्ञानिकों और खोजकर्ताओं ने बताया है कि पानी के नीचे मौजूद इस क्रेटर में छिपे सोने की मात्रा दुनियाभर में अब तक दर्ज की गई सबसे ज्यादा तादाद है।

वैज्ञानिकों ने स्पेस में खोज निकाली इंसानी डीएनए से जुड़ी खास शुगर

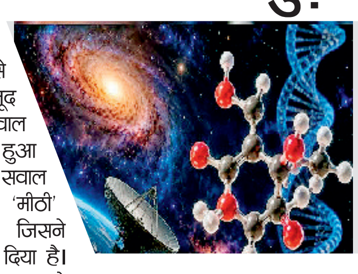

वॉशिंगटन। क्या ब्रह्मांड में हम अकेले हैं या पृथ्वी से अलावा भी कहीं जीवन मौजूद है? सदियों से इंसान इसी सवाल का जवाब खोजने में लगा हुआ है। अब वैज्ञानिकों को इसी सवाल के जवाब में एक ऐसी 'मीठी' कामयाबी हाथ लगी है, जिसने वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। ब्रह्मांड के रहस्यों को तलाश रहे वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में तारों के बीच मौजूद खाली जगह में एक खास तरह की शुगर की खोज की है। खास बात यह है कि यह वही शुगर है जो पृथ्वी पर रसबैरी और सेल्फ-टैनर में पाई जाती है। यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना की एस्ट्रोफिजिस्ट एरिका हैमडेन के मुताबिक यह स्पेश में खोजी गई अब तक की सबसे जटिल शुगर में से एक है। हालांकि, यह शुगर सीधे तौर पर जीवन के लिए जरूरी नहीं है, लेकिन यह बहुत आसानी से उस रूप में बदल सकती है, जिसे पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस खोज से साइंस की दुनिया की इस पुरानी बहस को नया मोड़ मिल गया है कि धरती पर जीवन की शुरुआत कैसे हुई? क्या जीवन के जरूरी तत्व किसी उल्कापिंड या धूमकेतु के जरिए अंतरिक्ष से धरती पर पहुंचे थे, या फिर जब हमारा सौर मंडल बन रहा था, तब ये तत्व यहीं मौजूद थे? यह नई खोज इशारा करती है कि जीवन के लिए जरूरी सामग्रियां पहले से ही अंतरिक्ष के बादलों में तैर रही थीं।

Ex-showroom price of TVS XL100 Heavy Duty Kick Start variant in Chhattisgarh. * This exchange scheme is valid across India till 31st March, 2027 and is available exclusively through authorised TVS main dealers (AMDs) and authorised TVS dealers (ADs). ^ Colours available in TVS XL100 Heavy Duty Alloy variant. + Based on internal test conditions. As compared to BS-IV models. T&C apply.

FOR ALL INSTITUTIONAL/BULK REQUIREMENTS PLEASE MAIL corporate.customersupport@tvsmotor.com मुख्य अधिकृत डीलर – बिलासपुर – तिफरा : चंद्रा मोटर्स, मो. 9109119171, सरकण्डा : बिलासपुर टीवीएस, मो. 8359061000, चंद्रा मोटर्स, मो. 8962006914, मुंगेली : बिलासपुर टीवीएस, मो. 8357807000, अंबिकापुर : श्री महामाया ऑटो एजेंसी, मो. 9301307270, श्री राम मोटर्स, मो. 9171804284, बैकुंठपुर : अग्रवाल मोटर्स एजेंसी एलएलपी, मो. 6268651046, बलौदाबाजार : कनिका आटोमोबाइल्स प्रा. लिमिटेड, मो. 8979428844, बेमेतरा : श्री अरिहंत ऑटोमोटिव (ओपीसी) प्रा. लिमिटेड, मो. 8827790000, चंपा : नंदिका ऑटोव्हील्स प्राइवेटलिमिटेड, मो. 9201591180, 9201591181, जांजगीर : अपराजिता सर्विसेज, मो. 9131457200, कोरबा : तुलसी ऑटोमोटिव प्राइवेटलिमिटेड, मो. 9770100007, श्रीराम व्हीकल्स एलएलपी, मो. 7987237046, रायगढ़: अपराजिता सर्विसेज, मो. 9425251711, सूरजपुर : जय दुर्गा मोटर्स, मो. 9340355399. अधिकृत डीलर – लैलुंगा : श्री श्याम सेल्स, मो. 9424188181, धरमजयगढ़: अर्जुन ऑटोमोबाइल, मो 7415553407, कुसमी : सांई ऑटो, मो. 9691065198, राजपुर : मंगलम मोटर्स, मो. 7999592521, बलरामपुर : अभ्यास ऑटोमोबाइल्स, मो. 9977880870, वाड्रफनगर : सुभाष मोटर्स, मो. 7509919525, तपकरा : सोनू ऑटोमोबाइल्स, मो. 9755248064, कुनकुरी : दीपक मोटर्स, मो. 8839304665, जशपुरनगर : शिव शक्ति ऑटो, मो. 9302737741, विश्रामपुर : गोपाल कृष्णा मोटर्स, मो. 7566290727, प्रेमनगर : राजेंद्र ऑटोमोबाइल्स, मो. 9039291161, श्री नगर : सुमित ऑटो, मो. 8817292750, सिगमा : लक्ष्मी मोटर्स, मो. 9406122234, पटना : अनन्या ऑटो एजेंसी, मो. 7898880005, मनेन्द्रगढ़: श्री राम सेल्स, मो. 9406462666, प्रतापपुर : टाइटन ऑटोमोबाइल्स, मो. 9753373609, रामानुजगंज : गणपति ऑटोमोबाइल्स, मो. 8878214520, रैंगाखार : गणपति ऑटोमोबाइल्स, मो. 9981893829, सीतापुर : शंकर ऑटोमोबाइल्स, मो. 8889272331, बतौली : जे.के. ऑटोमोबाइल्स, मो. 8839756338, जरही : मां महामाया ऑटो, मो. 9893422986, बाराद्वार : मां शारदा ऑटो एजेंसी, मो. 8871871872, सारंगढ़: श्री राम ऑटोमोबाइल्स, मो. 9302924696, पेंड्रा : सुमित मोटर्स, मो. 9406007324, गिधौरी : प्रियदर्शी ऑटोमोबाइल्स, मो. 9770096600, तखतपुर : कौशिक ऑटो, मो. 7898677598, गौरेला : मित्तल मोटर्स, मो. 9424153222, शिवरीनारायण : प्रियदर्शी ऑटोमोबाइल्स, मो. 9770096600, उसलापुर : चंद्रा मोटर्स, मो. 8982438075, खाट्घोरा : रुचि ऑटो, मो. 9893329726, मस्तूरी : श्री कबीर मोटर्स, मो. 8770386492, अकलतरा : भवानी ऑटोमोबाइल्स, मो. 9425230512, शक्ति : जिंदल ऑटो, मो. 9329415747, हरदीबाजार : दुर्गेश एजेंसी, मो. 9977562537, पाली : जीत एजेंसी, मो. 9691548018, भाटापारा : इंडियन मोटर्स मो. 9302622777, पलारी : कनिका मोटर्स, मो. 8979428844, 6268360105, कांसाबेल : अंजना मोटर्स, मो. 7024312738, लटोरी : जय बालाजी ऑटोमोबाइल्स, मो. 9575401953, नवागढ़: श्री एम.के. मोटर्स, मो. 8120007666, देवकर : सपाहा मोटर्स, मो. 9179534363, राहौद : नंदिका ऑटो व्हील्स, मो. 9201591188, पामगढ़: आर.के. मोटर्स, मो. 9522544401 थानखम्हरिया: अरिहंत ऑटो, मो. 9993179413, डिंडे: अंसारी मोटर्स, मो. 7697146786, खरसिया : वंश ऑटो एजेंसी, मो. 9179814142, सरायपाली : श्री मंगलम मोटर्स, मो. 7828276101, बेरला : आर के मोटर, मो. 8085403067, चंद्रपुर : गणपति मोटर्स, मो. 7225851900, लिमतारा : मां बम्लेश्वरी, मो. 7683839595, लखनपुर : श्रीराम मोटर्स, मो. 9399743838, जैजैपुर : सिद्धार्थ मोटर्स, मो. 8462045291, ब्रम्हांडीह : बालाजी ऑटो, मो. 8305139373, बोड़ला : राहुल मोटर्स, मो. 9575991111, कसडोल : साई मोटर्स, मो. 9424222722, खोखरा : राजेंद्र एजेंसी, मो. 9131198070.

dentsu/hb bil/05/26

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com